@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 3 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

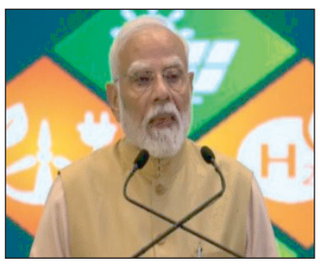
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 361 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'पीएम-कुसुम स्कीम से 30 लाख से ज्यादा किसानों को हुआ फायदा'

• सोलर पंप से सालाना एक लाख रुपए की हो रही बचत : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पीएम-कुसुम स्कीम से देशभर में 30 लाख से ज्यादा किसानों को फायदा हुआ है और इस योजना के माध्यम से हर किसान सोलर पंप से एक लाख रुपए की सालाना बचत कर पा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में भारत मंडपम में 'भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन'को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पिछले 12 वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में तेज प्रगति की है और उद्योगों, खेतों तथा घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'देश भर के किसान पीएम-कुसुम योजना का लाभ उठा रहे हैं। इस पहल के जरिए, 30 लाख से ज्यादा किसानों को सौर ऊर्जा से चलने वाली सिंचाई



सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। अनुमान है कि सोलर पंपों का इस्तेमाल करके हर किसान सालाना लगभग 1 लाख रुपए की बचत कर पा रहा है। '

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य देश के स्वच्छ ऊर्जा बुनियादी ढांचे को और बढ़ाने के लिए सभी सरकारी इमारतों, स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों और स्ट्रीट-लाइटिंग सिस्टम को सौर ऊर्जा से जोड़ना है।

उन्होंने कहा, 'पिछले 12 वर्षों में, हमने उद्योगों और खेतों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का काम किया है। पूरे भारत में 44,000 से अधिक सरकारी इमारतें अब सौर ऊर्जा से जुड़ी हैं, जिससे सालाना लगभग 700 करोड़ रुपए की बचत हो रही है। ' प्रधानमंत्री ने 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत हुई प्रगति का भी जिक्र किया। फरवरी 2024 में शुरू की गई इस योजना का लक्ष्य एक करोड़ घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाना है। उन्होंने कहा, 'पिछले 24-25 महीनों में 65 लाख से अधिक परिवार इस पहल से जुड़े हैं। '

प्रधानमंत्री ने कहा- 'पेरिस समझौते के तहत, भारत ने अपनी स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत हिस्सा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से पूरा करने का संकल्प लिया था। हमने 2025 में ही, तय समय से पांच साल पहले, इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। आज, भारत की स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से आता है। '

वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश ने 2025 में ही अपनी स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत हिस्सा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त करने का लक्ष्य हासिल कर लिया है। यह उपलब्धि पेरिस समझौते के तहत तय समय-सीमा से पांच साल पहले ही हासिल कर ली गई है।

'जज बोले-देश की दया पर हो, बुराई नहीं कर सकते'

बॉम्बे हाईकोर्ट की इमरान खान को फटकार

एजेंसी

चंडीगढ़। एक्टर इमरान खान ने SIR के खिलाफ मुंबई में हुए प्रदर्शन में शामिल होने के लिए बिना शर्त माफी मांग ली है। उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट से कहा है कि वे भविष्य में इस तरह के किसी भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लेंगे।

बॉम्बे हाईकोर्ट इमरान को मिलने देश छोड़ा नोटिस के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कोर्ट ने उन्हें बिना शर्त माफी मांगने का आदेश दिया था।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की बेंच ने कहा था-

भारत की उदारता देखिए कि एक अमेरिकी नागरिक को तुरंत देश से बाहर निकालने या डिपोर्ट करने के बजाय पहले एक नोटिस देकर देश छोड़ने के लिए कहा गया। अगर किसी भारतीय नागरिक ने विदेश में ऐसा ही कुछ किया होता, तो उसे अगली ही फ्लाइट से भारत वापस भेज दिया जाता। आप देश की दया पर हो, इसलिए बुराई नहीं कर सकते।

हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि इमरान को उनके खिलाफ जारी 'लीव इंडिया नोटिस' (LIN) का जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाए। अगली सुनवाई 7 दिसंबर को होगी। तब तक नोटिस पर रोक रहेगी। एक्टर इमरान खान 42 साल से भारत में रह रहे हैं लेकिन उनके पास अमेरिका की नागरिकता है, 2006 से OCI कार्ड होल्डर हैं।

एक्टर बोले- किसी प्रोटेस्ट में नहीं जाऊंगा

एनएसए अजीत डोभाल का वियतनाम दौरा

दोनों देशों के राजनयिक संबंधों की 55वीं वर्षगांठ को खास बनाने पर हुई चर्चा

एजेंसी

हनोई । राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने अपने आधिकारिक यात्रा के दौरान वियतनाम की राजधानी हनोई में वियतनाम के विदेश मंत्री तथा कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के पोलित ब्यूरो सदस्य ले होआई ट्रुंग के साथ बैठक की। इस दौरान दोनों देशों के बीच 2027 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के 55 साल पूरे होने के अवसर को खास तरीके से मनाने के उपायों पर चर्चा हुई। वियतनाम में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लि?खा, 'राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने वियतनाम के विदेश मंत्री और कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के पोलित ब्यूरो सदस्य ले होआई ट्रुंग से मुलाकात की। वर्ष 2027 में भारत और वियतनाम के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 55 वर्ष पूरे होंगे।' दूतावास ने कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-वियतनाम की 'एन्हांस्ड कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' की भावना के अनुरूप इस ऐतिहासिक अवसर को मनाने के विभिन्न तरीकों पर विचार-विमर्श किया।



अजीत डोभाल ने हनोई के ऐतिहासिक बौद्ध मंदिर का दौरा किया

हनोई। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने सोमवार को वियतनाम की राजधानी हनोई स्थित ऐतिहासिक 'क्वान सु पगोडा' का दौरा किया। इस दौरान बौद्ध धर्म को भारत और वियतनाम के लोगों के बीच एक मजबूत सांस्कृतिक और सभ्यतागत कड़ी बताया गया। अजीत डोभाल रविवार को आधिकारिक यात्रा पर हनोई पहुंचे।

प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में विगत साढ़े 09 वर्षों में उ0प्र0 ने विकास के नए प्रतिमान स्थापित किए: मुख्यमंत्री योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में विगत साढ़े 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने विकास के नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। डबल इंजन सरकार विकास का लाभ राज्य के प्रत्येक जनपद, क्षेत्र और समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। विगत साढ़े 09 वर्षों में अकेले गोण्डा जनपद में 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक तथा सम्पूर्ण देवीपाटन मण्डल के विकास के लिए लगभग 50 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। आज जनपद में मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, एग्रीकल्चर कॉलेज, विश्वविद्यालय, बेहतर स?केंद और आधारभूत सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री जी आज जनपद गोण्डा की मनकापुर एवं गौरा विधानसभा क्षेत्रों में 520 करोड़ रुपये से अधिक की लागत की 69 विकास एवं जनकल्याणकारी परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, प्रमाण पत्र एवं विभिन्न प्रकार की सामग्री



वितरित की। उन्होंने कार्यक्रम में बच्चों का अन्नप्राशन कराया एवं महिलाओं की गोदभराई की तथा कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज से लगभग 10 वर्ष पूर्व गोण्डा से देवीपाटन स्थित माँ पाटेश्वरी शक्तिपीठ पहुँचने में ढाई से तीन घण्टे लगते थे। यहाँ की स?कों पर गड्ढे थे, असुरक्षा का वातावरण था, विकास कार्य ठप थे, युवा बेरोजगार था, किसान बेहाल था और बेटियों तथा व्यापारियों की सुरक्षा खतरे में थी। गोण्डा, बलरामपुर और श्रावस्ती की गिनती देश के सबसे पिछड़े और सबसे गन्दे जनपदों में होती थी। वर्ष 2016 के स्वच्छ सर्वेक्षण में गोण्डा की गिनती देश के सबसे गन्दे शहरों में हुई थी। गोण्डा, बलरामपुर और बहराइच में अज्ञात बीमारियों से बच्चों की मौत की खबरें आती थीं। गरीबों के लिए योजनाओं का अभाव था और नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता था। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस क्षेत्र की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक पहचान अत्यन्त गौरवशाली है। यह महाराजा सुहेलदेव के शौर्य और पराक्रम की धरती है, जिसने विदेशी आक्रान्ताओं को नेस्तनाबूद किया। यह माँ पाटेश्वरी शक्तिपीठ की पावन भूमि तथा सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी महाराजा देवी बख्श सिंह की धरती है। जिस धरती ने दुनिया को रोशनी दिखायी, वह स्वयं विकास से वंचित रह गई थी। इसी धरा पर महर्षि पतंजलि के नाम पर योग की धारा आगे बढ़ी।

शेष पृष्ठ 3 पर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का हॉकी के प्रति प्रेम और उनका आत्मीय निमंत्रण मुझे जालंधर ले आया- डच हॉकी दिग्गज फ्लोरिस जेन बोवेलैंडर

कौमी पत्रिका

जालंधर; 2 नवंबर। डच हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी और 1996 के अटलांटा ओलंपिक खेलों तथा 1990 विश्व कप में स्वर्ण पदक विजेता फ्लोरिस जेन बोवेलैंडर ने पंजाब में 'हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2026' देखने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा दिए गए निमंत्रण पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने इस अवसर पर मुख्यमंत्री की इस वर्ष अप्रैल में नीदरलैंड यात्रा तथा हॉकी के प्रति उनके गहरे जुनून और प्रेम को भी याद किया। जालंधर के ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में चल रहे टूर्नामेंट के दौरान बातचीत करते हुए फ्लोरिस जेन बोवेलैंडर ने कहा, ''मैं यह जानकर हैरान भी था और गर्व भी महसूस कर रहा था कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मुझे याद रखा और इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बनने के लिए व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया। यह निमंत्रण हॉकी के प्रति मुख्यमंत्री के अपार प्रेम का स्पष्ट प्रमाण है और इसी कारण मैंने जालंधर आने का निर्णय लिया।'' अक्टूबर 1985 से अगस्त 1996 तक के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान नीदरलैंड के लिए 241 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर 215 गोल करने वाले महान 'ड्रैग फ्लिकर' बोवेलैंडर ने भारत को विश्व हॉकी का पावरहाउस बताया। ओलंपिक आंदोलन में एशियाई देशों, विशेष रूप से भारत और पाकिस्तान के योगदान का उल्लेख करते हुए फ्लोरिस बोवेलैंडर ने दुनियाभर में इस आंदोलन को लोकप्रिय बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। भारतीय हॉकी के साथ अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए इस डच दिग्गज खिलाड़ी—जिसे



'फ्लॉप', 'फ्लॉपी' और 'बूम बूम बोवेलैंडर' के नाम से भी जाना जाता है—ने कहा कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय हॉकी से जुड़ी उनकी अधिकांश यादें पंजाब के खिलाड़ियों, विशेष रूप से सिख खिलाड़ियों, से जुड़ी हैं। बोवेलैंडर ने जोर देकर कहा कि पंजाब के बिना भारतीय हॉकी की कल्पना भी नहीं की जा सकती। अपनी यात्रा के दौरान फ्लोरिस बोवेलैंडर ने पंजाब के 37 कोचों और पंजाब सरकार की देखरेख में चल रही 'सुरजीत हॉकी अकादमी' के उभरते हॉकी खिलाड़ियों के साथ एक संयुक्त प्रशिक्षण सत्र में भी हिस्सा लिया। उन्होंने स्वयं हॉकी स्टिक पकड़कर हिट लगाए और खिलाड़ियों से ड्रैग फ्लिक भी करवाकर देखी। इस अवसर पर उनके साथ खेल विभाग से ओलंपिक पदक विजेता गुरजंट सिंह, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता जीवनजोत सिंह तेजा और हॉकी कोच अवतार सिंह भी मौजूद थे। अगली पीढ़ी के हॉकी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए फ्लोरिस बोवेलैंडर ने युवा प्रशिक्षुओं के साथ 'ड्रैग-फ्लिक' प्रशिक्षण सत्र में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने अपने व्यापक अंतरराष्ट्रीय अनुभव के आधार पर खेल से जुड़े महत्वपूर्ण तकनीकी सुझाव भी साझा किए। पंजाब के खेल विभाग ने भी हॉकी के इस महान खिलाड़ी को खेल में दिए गए उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया। पंजाब से मिले भरपूर प्यार और आत्मीयता से प्रभावित फ्लोरिस यान बोवेलैंडर ने 4 और 5 नवंबर को मोहाली स्थित 'ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर हॉकी स्टेडियम' में टूर्नामेंट के महत्वपूर्ण मैचों में भी शामिल होने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

शाह बोले-राहुल ने नकली संसद लगाई, उसके पीएम बन जाते

सोनिया जी के दिल को शांति मिल जाती, असली संसद में कभी नहीं बनेंगे

एजेंसी

हैदराबाद। अमित शाह सोमवार को हैदराबाद में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च में शामिल हुए। यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने दिल्ली में नकली संसद लगाई। वे उसके ही पीएम बन जाते तो सोनिया जी के दिल को शांति मिल जाती। असली संसद में वे कभी पीएम नहीं बनेंगे।

विपक्ष के एसआईआर विरोध के जवाब में भाजपा देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान चला रही है। इसका पहला चरण 22 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक चलेगा।

शाह की स्पीच, 6 बड़ी बातें; कहा- वोटर्स लिस्ट में घुसपैठिए नहीं रहेंगे

1. घुसपैठिए कांग्रेस के वोट बैंक, इन्हें निकालकर ही दम लेंगे

कांग्रेस पार्टी स्ढ्ढक्र को रोककर देश की मतदाता सूची से बांग्लादेशी घुसपैठियों को बचाना चाहती है। ये घुसपैठिए उनके वोट बैंक हैं। राहुल जी जितना जोर लगाना है लगा लो, भाजपा एक-एक घुसपैठिए को देश और वोटर्स लिस्ट से बाहर निकालकर दम लेगी। 3 करोड़ वोट बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं।

2. भाजपा 2014 में जीती, 2019 में जीती, तब क्या SIR हुआ था

राहुल जी कहते हैं कि हम (भाजपा) SIR से जीते। जरा बताओ क्या 2014 में SIR हुआ था। 2019 में जीते, तब भी SIR नहीं हुआ था। 2024 में भी जीते, उसके बाद महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, बंगाल, असम जीते। अब तेलंगाना भी जीतने वाले हैं।

3. नकली संसद में ही PM बन जाइए

राहुल जी, दो दिन पहले आपने मॉक पार्लियामेंट की थी, अगर मुझसे पूछा होता तो मैं कहता कि ये नकली संसद में आप एक बार पीएम बन जाओ, क्योंकि असली संसद में वे कभी बन नहीं पाएंगे, ताकि सोनिया जी के दिल को शांति मिल जाए।

4. राहुल अराजकता से खुद को सुर्खियों में रखते हैं

राहुल जी चुनाव होते ही आप विदेश चले जाते हैं। देश में पसीना बहाना पड़ता है। हाथ में संविधान रखते हैं, लेकिन उसका सम्मान नहीं करते। EVM, SIR, घुसपैठिए के मुद्दे पर हम संसद का विशेष सत्र



बुलाने के लिए तैयार हैं, चर्चा के लिए आ जाइए, लेकिन वे नहीं आएंगे। वे अराजकता से खुद को सुर्खियों में रखते हैं।

5. 'जीतते हैं तो लोगों ने जिताया, हारते हैं तो EVM ने हराया'

जब भी चुनाव जीतते हैं तो कहते हैं EVM के कारण जीते। राहुल जी, अगर EVM खराब है तो रेवंत रेड्डी कैसे सीएम बन गए, केरल में आपकी सरकार कैसे आई, हिमाचल में कैसे आई। जब जीतते हैं तो लोगों ने जिताया, हारते हैं तो EVM ने हराया। एक कहावत है कि नाच न जाने आंगन टेढ़ा। देश की जनता कांग्रेस को सिरे से नकार चुकी है।

6. मोदी जी पर चार आने के भ्रष्टाचार का आरोप नहीं

मोदी जी के सामने आपका (राहुल गांधी) कोई मुकाबला नहीं। आपने 10 साल शासन किया, 12 लाख करोड़ के घोटाले किए। इनको फिर से देश कैसे सौंपा जाए, मोदी जी के 12 साल हो गए, उन पर चार आने का भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है। झूठ फैलाकर आप चुनाव नहीं जीत सकते।

दिल्ली-एनएसीआर में दीपावली पर सिर्फ ग्रीन पटाखे फोड़ सकेंगे

• अस्पताल-वृद्धाश्रम जैसे साइलेंस जोन में रोक, सुप्रीम कोर्ट ने लगातार दूसरे साल परमिशन दी

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-NCR में 7 और 8 नवंबर 2026 को ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है। पटाखे केवल सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक जलाए जा सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर रोक लगाई है।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि इन क्षेत्रों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों को भी 'नो-क्रैकर जोन' घोषित किया जाए। इनकी उचित मार्किंग की जाए और लोगों को इसकी जानकारी दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 15 अक्टूबर को दिल्ली-NCR में पटाखे चलाने को लेकर आदेश दिया था। इसमें दो दिन 19 और 20 अक्टूबर को ग्रीन पटाखे फोड़ने की इजाजत दी थी।



ग्रीन पटाखे ऐसे पटाखे होते हैं, जिन्हें सामान्य पटाखों के मुकाबले कम प्रदूषण फैलाने के लिए बनाया जाता है। इनमें हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल कम किया जाता है, जिससे इनके जलने पर कम धुआं और कम हानिकारक गैसें निकलती हैं। 30 सितंबर को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हम पटाखों पर पूरी तरह रोक नहीं लगाएंगे। साथ ही चौबीसों घंटे पटाखे जलाने की अनुमति भी नहीं मिलेगी।

बेंच ने कहा था कि बीच का रास्ता निकालना जरूरी है। इसके लिए पटाखे जलाने के तय समय निर्धारित किए जा सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि विराट कोहली जैसी मशहूर शख्सियतों की मदद से लोगों को जागरूक किया जा सकता है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि मशहूर हस्तियों से ऐसे वीडियो या मैसेज रिकॉर्ड कराए जा सकते हैं, जिनमें वे लोगों से प्रदूषण बढ़ाए बिना दिवाली मनाने की अपील करें।

वाहनों पर जारी सख्ती में ढील देने से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाईकोर्ट ने सोमवार को प्रदूषण के मद्देनजर राजधानी में वाहनों के प्रवेश को लेकर जारी आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। साथ ही संबंधित विभाग के अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका पर सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव साम्ब्रे की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि इस स्तर पर अंतरिम राहत नहीं दी जा सकती। इस मामले की अगली सुनवाई 27 नवंबर को होगी। याचिका में 23 जून 2026 की एक अधिसूचना के एक विशेष प्रावधान चुनौती दी गई है, जिसमें पर्यावरण एवं वन विभाग दिल्ली सरकार ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 5 के तहत जारी किया है। याचिका के अनुसार यह निर्देश कहता है कि एक नवंबर से 31 जनवरी तक दिल्ली के बाहर पंजीकृत व बीएस-6 श्रेणी से नीचे के वाहनों को राजधानी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। याचिका में कहा गया है कि यह रोक हर साल 1 नवंबर से अपने आप लागू हो जाती है। याचिकाकर्ता ने इस रोक को इस आधार पर चुनौती दी है कि यह दूसरी गाड़ियों के साथ उनके पंजीकरण की जगह के आधार पर अलग तरह से बर्ताव करता है। याचिका में तीन महीने की पूरी रोक की अधिसूचना पर भी सवाल उठाया गया है, जिसमें कहा गया है कि यह किसी खास दिन वायु गुणवत्ता इंडेक्स की परवाह किए बिना लागू होता है।

आईपीयू ने पीएचडी में शुरू की प्रवेश प्रक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) ने पीएच.डी. कार्यक्रम (शीतकालीन सत्र)-2026-27 में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। संस्थान ने शीतकालीन सत्र के लिए पीएच.डी. कार्यक्रम में निम्नलिखित विषयों में आवेदन आमंत्रित किए हैं। ये विषयमॉस कम्युनिकेशन, बायोटेक्नोलॉजी, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, कंप्यूटर एप्लीकेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, मैकेनिकल एंड ऑटोमेशन इंजीनियरिंग, डिजाइन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- मशीन लर्निंग, इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ऑटोमेशन एंड रोबोटिक्स, गणित, रसायन विज्ञान, भौतिकी, शिक्षा, केमिकल टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंसेज, मैनेजमेंट, एनवायरनमेंटल साइंस, लॉ एंड लीगल स्टडीज, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र के साथ-साथ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग है। पात्रता मानदंड, प्रवेश प्रक्रिया, अनुसंधान क्षेत्र और अन्य प्रासंगिक जानकारी से संबंधित विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट ह्वश्वह्व.ह्लष्ठ.द्धह्व पर उपलब्ध हैं। आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि (ऑनलाइन) 25 नवंबर शाम 5:30 बजे तक है। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाने वाली पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा (पीईटी) की तिथि बाद में घोषित की जाएगी।अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे विश्वविद्यालय की वेबसाइट ह्वश्वह्व.ह्लष्ठ.द्धह्व पर जारी अधिसूचनाओं से स्वयं को अपडेट रखें।पात्र, पूर्णकालिक पीएच.डी. शोधार्थियों के लिए पीएच.डी. रिसर्च फेलोशिप उपलब्ध हैं।

ठग सुकेश चंद्रशेखर की याचिका पर विचार से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें उसने एक आपराधिक मामले में अपनी दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग की थी। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने इस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। दिल्ली की अदालत ने चंद्रशेखर को इस मामले में आठ साल की जेल की सजा सुनाई थी और उसके कृत्य को 'संस्थागत पवित्रता का उल्लंघन' करार दिया था। दिल्ली की एक अदालत ने 20 अगस्त को चंद्रशेखर को दोषी ठहराया था। उस पर आरोप था कि उसने 2017 के एक भ्रष्टाचार मामले में जमानत दिलाने के लिए एक विशेष जज को प्रभावित करने के उद्देश्य से खुद को सुप्रीम कोर्ट का जज बताया था। 29 अगस्त को अदालत ने उसे इस मामले में आठ साल की जेल की सजा सुनाई। इसके बाद चंद्रशेखर ने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। हाईकोर्ट ने उसकी याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि दोषसिद्धि के आदेश पर रोक लगाने के लिए कोई आधार नहीं बनता है।

सेंट्रल पार्क में दो दिन आयोजित होगा ड्रोन शो

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार बीते वर्ष की तरह इस बार भी दीवापली पर ड्रोन एवं लाइट शो का आयोजन करने जा रही है। इस बार यह शो कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में आयोजित किया जाएगा। इसके लिए सेंट्रल पार्क को सजाया जाएगा और वहां ड्रोन शो के जरिये लोगों को मनमोहक दृश्य दिखाया जाएगा। यह आयोजन आगामी 6 और 7 नवंबर की शाम को किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार बीते वर्ष दिल्ली सरकार द्वारा दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन इंडिया गेट पर किया गया था। इसमें न केवल दीये जलाकर इंडिया गेट के पास रोशनी की गई थी बल्कि वहां ड्रोन शो का आयोजन भी किया गया था। इस वर्ष यह आयोजन दिल्ली के दिल कनॉट प्लेस में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में वह स्वयं कैबिनेट मंत्रियों के साथ शामिल होंगी। इस बार भी दिये जलाकर सेंट्रल पार्क को जगमग किया जाएगा और यहां आने वाले लोगों के लिए ड्रोन शो का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा दिल्ली में विभिन्न जगहों पर उचित लाइट की व्यवस्था कर दिल्ली को जगमग किया जाएगा ताकि त्योहार के समय दिल्ली में भरपूर रोशनी रहे।

बुधवार से 'यमुना सफारी' का आनंद ले सकेंगे नागरिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में यमुना पर चलने वाली क्रूज सेवा को आगामी बुधवार से शुरु किया जा सकता है। दिल्ली सरकार के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यमुना में क्रूज परिचालन को लेकर चल रहा ट्रायल पूरा हो चुका है। इसलिए बुधवार से इस क्रूज पर दिल्लीवासियों के लिए यमुना सफारी शुरु की जाएगी। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में क्रूज की संख्या को बढ़ाया भी जा सकता है। इसके अलावा किराये को लेकर भविष्य में समीक्षा भी की जाएगी ताकि ज्यादा यात्री क्रूज की सवारी का आनंद ले सकें। जानकारी के अनुसार बीते सप्ताह मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोनिया विहार से जगतपुर तक यमुना नदी पर विकसित की जा रही क्रूज सेवा का ट्रायल लिया था। इसके बाद से एक सप्ताह का ट्रायल यमुना में शुरु किया गया था जो पूरा हो गया है। ट्रायल के दौरान यमुना में क्रूज का परिचालन सामान्य रहा जिसके चलते अब आम लोगों के लिए इस सेवा को शुरु किया जा रहा है। बुधवार से दिल्ली में रहने वाले आम लोग इस क्रूज से सफर कर सकेंगे। एक बारी में इस क्रूज पर लगभग 40 लोग सफर कर सकते हैं और इसका किराया अभी 500 रुपये प्रति सवारी रखा गया है। लेकिन भविष्य में इसकी समीक्षा कर किराये को कम किया जा सकता है।

पर्यटन और स्थानीय सुविधाओं को मिलेगा बढ़ावा

दिल्ली सरकार के अनुसार यह पहल एक आकर्षक पर्यटन स्थल विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सोनिया विहार से जगतपुर तक लगभग छह किलोमीटर के जलमार्ग पर विकसित की गई यह क्रूज सेवा दिल्ली में पर्यटन की नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी। इससे स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। नदी के आसपास उपलब्ध सुविधाओं को विकसित करके इस क्षेत्र को एक आकर्षक पर्यटन एवं मनोरंजन स्थल बनाया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत यात्रियों की सुविधा के लिए फूड कियोस्क, रेस्टोरेंट, बच्चों के लिए किड्स ज़ोन और अन्य आवश्यक जनसुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

45 मिनट का होगा क्रूज का सफर

अधिकारियों के अनुसार 40 यात्रियों की क्षमता वाली क्रूज सोनिया विहार से जगतपुर स्थित शनि मंदिर तक आने-जाने का पूरा सफर लगभग 35 से 45 मिनट में पूरा करेगी। यात्रियों के लिए तैयार की गई व्यवस्था के अंतर्गत परिसर में प्रवेश शुल्क 50 रुपये और क्रूज की एक पूरी यात्रा का प्रस्तावित शुल्क 500 रुपये निर्धारित किया गया है। केंद्र सरकार, डीडीए, दिल्ली सरकार और दिल्ली पर्यटन के साझा प्रयासों से यह परियोजना साकार हो रही है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सीआईसी का आदेश रद्द किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने केन्द्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें हाईकोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति ए.के. सीकरी से जुड़े उन मामलों की जानकारी सार्वजनिक करने को कहा गया था, जिनमें फैसले सुरक्षित रखे गए थे, लेकिन दो महीने के भीतर नहीं सुनाए गए थे। न्यायमूर्ति सीकरी को जुलाई 1999 में दिल्ली हाईकोर्ट का जज नियुक्त किया गया था। हाल ही में दिए एक फैसले में न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने कहा कि हालांकि समय पर फैसले आना निश्चित रूप से जनहित का विषय है, लेकिन सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत केवल वही जानकारी मांगी जा सकती है जो सार्वजनिक प्राधिकरण के पास पहले से मौजूद हो।

दिल्ली में पुलिसकर्मियों का प्रदर्शन, पुलिस मुख्यालय के बाहर सड़क पर बैठे

-एसीपी मनस्वी वशिष्ठ और एसएचओ अरुण कुमार की बहाली की मांग

-पुलिस आयुक्त के साथ करीब 40 मिनट चली बैठक के बाद भी नहीं थमा विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी।

नई दिल्ली, 02 नवंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली के शाहदरा थाने में पुलिसकर्मियों और अधिवक्ताओं के बीच हुई झड़प के बाद दो पुलिस अधिकारियों के तबादले को लेकर सोमवार को पुलिस विभाग में असंतोष सामने आया। तबादले के विरोध में करीब 100 पुलिसकर्मी दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर एकत्र हुए और सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में महिला पुलिस अधिकारी भी शामिल रहीं। प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के सामने तीन प्रमुख मांगें रखते हुए आरोपी अधिवक्ता की गिरफ्तारी, थाने में अधिवक्ताओं के प्रवेश को नियंत्रित करने और कचहरी जाने वाले पुलिसकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

पुलिसकर्मियों ने रखीं ये तीन प्रमुख मांगें

प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों की पहली मांग है कि पुलिसकर्मियों के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार करने और उन्हें धमकी देने वाले अधिवक्ता को गिरफ्तार किया जाए। उनका कहना है कि पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार करने वालों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। दूसरी मांग के तहत पुलिसकर्मियों ने कहा कि किसी भी थाने में थाना प्रभारी के कक्ष में एक समय पर 5 से अधिक अधिवक्ताओं को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। प्रदर्शनकारियों का मानना है कि इससे थाने के भीतर अनावश्यक भीड़ और विवाद की स्थिति को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। तीसरी मांग कचहरी जाने वाले पुलिसकर्मियों की सुरक्षा से संबंधित है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि न्यायालय परिसर में ड्यूटी अथवा अन्य कार्यों से जाने वाले पुलिसकर्मियों को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए, ताकि उनके साथ मारपीट और दुर्व्यवहार जैसी घटनाओं को रोका जा सके।

एसीपी और थाना प्रभारी की बहाली की मांग

प्रदर्शन कर रहे पुलिसकर्मियों ने सहायक पुलिस आयुक्त मनस्वी वशिष्ठ और शाहदरा थाना प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार को उनकी पूर्व तैनाती पर वापस भेजने की मांग भी उठाई। पुलिसकर्मियों का कहना है कि विवाद के बाद दोनों अधिकारियों का तबादला किया जाना उचित नहीं है और उनकी बहाली पर विचार किया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां और पोस्टर लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने वरिष्ठ अधिकारियों से अपनी समस्याओं पर गंभीरता से विचार करने और विभाग के भीतर संवाद की व्यवस्था मजबूत करने की अपील की।

23 अक्तूबर को थाने में हुई थी झड़प

दरअसल, पूरे विवाद की शुरुआत 23 अक्तूबर को शाहदरा थाने के भीतर पुलिस अधिकारियों और अधिवक्ताओं के बीच हुई झड़प से हुई थी। इस घटना में अधिवक्ता ललित बंसल के सिर में गंभीर चोट आई थी। घटना के बाद पुलिस और अधिवक्ताओं के बीच तनाव बढ़ गया था। इसके विरोध में जिला अदालत के अधिवक्ताओं ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी थी। वकीलों की हड़ताल और विरोध के बीच दिल्ली पुलिस ने 28 अक्तूबर



को सहायक पुलिस आयुक्त मनस्वी वशिष्ठ का तबादला गांधी नगर के उपमंडलीय पुलिस अधिकारी पद से विशेष पुलिस इकाई महिला एवं बाल में कर दिया। वहीं, शाहदरा थाना प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार को भी उनके पद से हटाकर सुरक्षा इकाई में भेज दिया गया। दोनों अधिकारियों के तबादले के बाद अधिवक्ताओं ने अपनी हड़ताल समाप्त कर दी थी।

एसीपी वशिष्ठ ने बताया स्वाभाविक विरोध

एसीपी मनस्वी वशिष्ठ ने प्रदर्शन को स्वाभाविक रूप से सामने आया विरोध बताते हुए कहा कि वह भी इसमें शामिल हो रही हैं। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से पुलिसकर्मियों की समस्याओं और शिकायतों को रखने के लिए उचित मंच उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। इस संबंध में उन्होंने औपचारिक आवेदन भी दिया।

वशिष्ठ ने कहा कि पुलिस थानों के भीतर हो रही अराजकता और सुरक्षा संबंधी समस्याओं के खिलाफ आवाज उठाना जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अपनी पहचान छिपाकर पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार और अराजकता फैलाते हैं। ऐसे तत्व केवल पुलिस ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए नुकसानदायक हैं।

उन्होंने दिल्ली पुलिस आयुक्त के साथ सीधे संवाद आयोजित करने का प्रस्ताव भी रखा। उनका सुझाव था कि इस संवाद का सीधा प्रसारण किया जाए, ताकि पुलिसकर्मी और आम नागरिक भी अधिकारियों के सामने रखी जाने वाली समस्याओं और उनके जवाबों को सुन सकें।

पुलिस आयुक्त के साथ करीब 40 मिनट चली बातचीत

प्रदर्शन के बीच दिल्ली पुलिस आयुक्त ने प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों को बातचीत के लिए आदर्श सभागार में बुलाया। वहां पुलिस आयुक्त ने पुलिसकर्मियों की समस्याएं और उनकी मांगें सुनीं। पुलिस आयुक्त और प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों के प्रतिनिधियों के बीच करीब 40 मिनट तक बातचीत हुई। हालांकि, बैठक के बाद पुलिसकर्मी पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिखे। एसीपी मनस्वी वशिष्ठ ने पुलिस आयुक्त के सामने 5 मांगें रखीं, लेकिन प्रदर्शनकारियों के अनुसार उन्हें



तत्काल कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। इसके बाद पुलिसकर्मी सभागार से बाहर आ गए और दोबारा प्रदर्शन शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों को फिर से सभागार में बुलाया और उनके साथ बातचीत शुरू की।

वीडियो जारी कर मुख्यालय पहुंचने की अपील

इससे पहले गांधी नगर की एसीपी मनस्वी वशिष्ठ ने एक वीडियो संदेश जारी कर पुलिसकर्मियों और अधिकारियों से सोमवार सुबह 8 बजे दिल्ली पुलिस मुख्यालय पहुंचने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि सभी पुलिसकर्मी और अधिकारी पुलिस आयुक्त के सामने अपनी बात रख सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा था कि जो पुलिसकर्मी ड्यूटी अथवा अन्य व्यस्तताओं के कारण व्यक्तिगत रूप से मुख्यालय नहीं पहुंच सकते, वे दृश्य संवाद के माध्यम से बैठक में शामिल हो सकते हैं। प्रदर्शन के बाद अब पुलिसकर्मियों की मांगों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बातचीत के परिणाम पर सबकी नजरें टिकी हैं।

नए राष्ट्रीय राजमार्गों पर नहीं बनेंगे टोल प्लाजा, गेंट्री पोल्स से कटेगा टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश के राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा बनाने की पारंपरिक प्रथा अब समाप्त होने जा रही। भविष्य में बनने वाले और वर्तमान में निर्माणाधीन 55,000 किलोमीटर से अधिक लंबे राष्ट्रीय राजमार्गों पर अब टोल प्लाजा के स्थान पर आधुनिक गेंट्री पोल्स और ओवरहेड सेंसर्स लगाए जाएंगे। इस नई व्यवस्था से वाहन चालक बिना रफ्तार धीमी किए सामान्य गति से टोल पार कर सकेंगे, जिससे राजमार्गों पर लगने वाले लंबे जाम और बूम-बैरियर की कतारों से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 30 अक्तूबर को इस संबंध में परिपत्र जारी किया है।? मंत्रालय के इस नए परिपत्र के दायरे में देश भर के 35,000 किलोमीटर निर्माणधीन व प्रस्तावित 20,000 किलोमीटर से अधिक लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग शामिल किए गए हैं। इस तकनीक में ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरों व फास्टैग स्कैनर्स के जरिए टोल की राशि सीधे खाते से कट जाएगी। विदित हो कि सरकार ने देश के मौजूदा और पहले से चालू राष्ट्रीय राजमार्गों पर ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) यानी सैटेलाइट आधारित टोलिंग व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का लक्ष्य वर्ष 2028-2029 निर्धारित किया गया है। 7 एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह आधुनिक मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) और गेंट्री-आधारित टोलिंग विन्यास उन सभी ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड चौड़ीकरण परियोजनाओं पर लागू होगा, जो वर्तमान में निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं या जिनकी योजना तैयार की जा चुकी है। इसमें उत्तर भारत विशेषकर दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड को जोड़ने वाले चुनिंदा परियोजनाएं शामिल हैं।

दूरी के अनुसार टोल भुगतान जितना सफर, उतना भुगतान का सिद्धांत

इस प्रणाली के तहत जितना सफर, उतना भुगतान का सिद्धांत लागू होगा। वाहन चालकों को पूरे प्लाजा का एकमुश्त शुल्क देने के बजाय सैटेलाइट ट्रैकिंग के जरिए केवल उतनी ही दूरी का टोल चुकाना होगा, जितनी दूरी हाईवे पर तय की गई है। नियमों के विरुद्ध बिना फास्टैग या सैटेलाइट ट्रैकर के टोल पार करने पर दोगुना जुर्माना वसूला जाएगा। इसके अलावा वाहन को वाहन पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी।

बदलाव वाले एक्सप्रेसवे-यहां होगा बदलाव...

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे- दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश (बागपत, शामली) और उत्तराखंड को आपस में जोड़ने वाले इस पूरे निर्माणाधीन 4/6-लेन एक्सप्रेसवे पर शुरुआत से ही बैरियर-मुक्त गेंट्री विन्यास तैयार किया जा रहा।

वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे- यूपी और बिहार के कैमूर, रोहतास तथा औरंगाबाद जिलों से गुजरने वाला यह 6-लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर पूरी तरह आधुनिक ओपन-टोलिंग डिजाइन पर बन रहा है।

गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे- उत्तर प्रदेश से शुरू होकर बिहार (गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया आदि) के रास्ते पश्चिम बंगाल तक जाने वाले इस मेगा प्रोजेक्ट को पूरी तरह गेंट्री आधारित सर्विलांस और टोलिंग सिस्टम से लैस किया जा रहा। यूपी के चार नए लिंक एक्सप्रेसवे- आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल लिंक से जोड़ने वाले नेटवर्क, जेवर एयरपोर्ट लिंक, झांसी लिंक और फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे के भावी विन्यास में इसी आधुनिक टोल मॉडल को अपनाया जाएगा।

साइबर ठगी के पैसों को ठिकाने लगाने वाला आरोपी दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वारका जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने साइबर ठगी की रकम को बैंक खातों के जरिए ठिकाने लगाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी 33 वर्षीय आमिर खान के पास से अलग-अलग बैंकों के नौ डेबिट कार्ड और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। जांच में दो बैंक खातों में साइबर ठगी के कुल 83,200 रुपये आने के सबूत पुलिस को मिले हैं। पुलिस फिलहाल आरोपियों के साथियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। जांच में समाने आया है कि आरोपी कई साइबर ठगी करने वाले गिरोहों को म्यूल अकाउंट उपलब्ध कराता था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 28 अक्टूबर को एंटी नारकोटिक्स सेल को सूचना मिली थी कि आमिर खान साइबर ठगी से हासिल रकम को निकालने के लिए दूसरे लोगों के बैंक खाते और डेबिट कार्ड उपलब्ध कराता है। वह खातों में आई रकम में से अपना कमीशन काटकर बाकी पैसे साइबर ठगों को नकद सौंप देता है। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर सतीश कुमार की निगरानी में एसआई नवीन कुमार की टीम ने सहयोग विहार स्थित आमिर के घर पर छापा मारकर उसे तीसरी मंजिल के कमरे से पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसकी जेब से दो और कमरे की अलमारी से सात डेबिट कार्ड मिले। पूछताछ में उसने कथित तौर पर बताया कि इन कार्डों का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम निकालने के लिए किया जाता था। पुलिस ने कार्ड से जुड़े बैंक खातों की जांच समन्वय पोर्टल पर की तो दो खातों में ठगी की रकम मिलने का पता चला। इनमें एक खाते में भुवनेश्वर की महिला से चार अगस्त को 80 हजार रुपये और दूसरे खाते में तमिलनाडु के एक व्यक्ति से 12 अक्टूबर को 3200 रुपये ट्रांसफर हुए थे। पुलिस ने दोनों पीड़ितों से फोन पर संपर्क कर ठगी की पुष्टि भी की। आरोपी के खिलाफ बिंदापुर थाने में बीएनएस की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब बरामद अन्य कार्डों और बैंक खातों की जांच कर इस नेटवर्क से जुड़े लोगों का पता लगा रही है।

प्राचीन ज्ञान का नए दृष्टिकोणों के माध्यम से शोध व गहन अध्ययन किया जाना चाहिए: विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को साउथ एशियन यूनिवर्सिटी में ऑडिटोरियम-2 का उद्घाटन और मुख्य अतिथि के रूप में मेजर जनरल (डॉ.) जीडी बख्शी, एसएम, वीएसएम द्वारा लिखित पुस्तक 'वेदास- जीवन की भाषा - पवित्र ध्वनि से डीएनए-आरएनए' का विमोचन किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपराओं को केवल विरासत में मिली धरोहर के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि नए दृष्टिकोणों के माध्यम से उनका अन्वेषण, शोध और गहन अध्ययन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल मौजूदा ज्ञान प्रदान करने वाले संस्थान नहीं हैं, बल्कि ऐसे केंद्र हैं जहां ज्ञान का निरंतर पुनर्निर्माण, संवर्धन और विकास होता है।

इस अवसर पर साउथ एशियन यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल, प्रो. (डॉ.) रमेश चंद्र गौड़, डीन, फैकल्टी ऑफ आर्ट्स, मीडिया एंड डिजाइन, मेजर जनरल (डॉ.) जीडी बख्शी, एसएम, वीएसएम, इन्फिनिटी फाउंडेशन के संस्थापक एवं प्रख्यात लेखक राजीव मल्होत्रा, दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव रश्मि सिंह, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. अरविंद कुमार, तथा सम्पूर्णा फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. शोभा विजेंद्र सहित विश्वविद्यालय के उपाध्यक्षगण, प्रशासनिक अधिकारी, संकाय सदस्य, विद्वान और विद्यार्थी उपस्थित थे।

ऑडिटोरियम-2 के उद्घाटन पर साउथ एशियन यूनिवर्सिटी और उसकी फैकल्टी ऑफ आर्ट्स, मीडिया एंड डिजाइन को बधाई देते हुए गुप्ता ने कहा कि एक ऑडिटोरियम केवल एक भौतिक संरचना नहीं होता, बल्कि वह ऐसा मंच होता है जहां विचारों को अभिव्यक्ति मिलती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह नया सभागार बौद्धिक आदान-प्रदान, सांस्कृतिक गतिविधियों, कलात्मक अभिव्यक्ति और अकादमिक चर्चाओं का एक जीवंत केंद्र बनेगा। शैक्षणिक संस्थानों की व्यापक जिम्मेदारी को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को केवल स्थापित ज्ञान के संप्रेषण तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसके निरंतर विकास और उन्नति में भी योगदान देना चाहिए।

पुस्तक का उल्लेख करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने वेदों को भारत की अमूल्य सभ्यतागत विरासत का अभिन्न अंग बताया, जिसमें दर्शन, भाषा, काव्य, गणित, ब्रह्मांड, प्रकृति और जीवन से जुड़े मौलिक प्रश्नों का समावेश है। उन्होंने कहा कि मेजर जनरल बख्शी की यह कृति वैदिक भाषा और समकालीन वैज्ञानिक अवधारणाओं के बीच संबंधों को समझने का प्रयास करती है। इसमें डीएनए और आरएनए, गणितीय भाषा, सूचना, जैविक विकास, वैदिक काव्य और साहित्य जैसे विविध विषयों को एक साथ जोड़कर प्रस्तुत किया गया है।

बच्चों की सुरक्षित आवाजाही के लिए सेफ वॉक टू स्कूल जोन परियोजना शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के 28 स्कूलों के आसपास बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए 'सेफ वॉक टू स्कूल जोन' पायलट परियोजना शुरू की गई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद हर्ष मल्होत्रा ने सोमवार को वसुंधरा एन्क्लेव स्थित सोमरविले स्कूल से इसका शुभारंभ किया। इस परियोजना के तहत स्कूलों के आसपास सड़क सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएंगे। इसमें पैदल चलने वाले बच्चों की सुरक्षा के लिए बेहतर फुटपाथ, सुरक्षित पैदल पार पथ, स्पष्ट सड़क संकेतक, रिफ्लेक्टिव रोड मार्किंग और यातायात को नियंत्रित करने के उपायों पर जोर रहेगा। साथ ही, स्कूलों के आसपास वाहन चालकों को धीमी गति से चलने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जाएगा। विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस दौरान ट्रांस यमुना एरिया डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली, नगर निगम के शाहदरा दक्षिणी जोन के चेयरमैन यशपाल कैंतुरा उपस्थित रहे।

भाजपा ने पदयात्रा निकाल सिख दंगे में जान गंवाने वालों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी।

1984 के सिख दंगे को लेकर भाजपा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर फिर निशाना साधा है। सोमवार को दिल्ली भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा ने सिख संगत और दंगा पीड़ित परिवारों के सदस्यों के साथ गुरुद्वारा बंगला साहिब से गुरुद्वारा श्री रकाबगंज साहिब तक गुरुबाणी का जाप करते हुए श्रद्धांजलि पदयात्रा निकाली। वहां पहुंचने के बाद सिख दंगे में जान गंवाने वालों की स्मृति में मोमबत्तियां जलाई गईं।

सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1984 में सिखों के खिलाफ हुए नरसंहार में लोगों को संगठित तरीके से निशाना बनाया गया था। आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी के समर्थित लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया था। इसका प्रमाण इस बात से भी मिलता है कि कांग्रेस ने कभी दंगा पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने और उनके जख्मों पर मरहम लगाने के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी फिर से सिख समाज के जख्मों को न कुरेदें और देश में अराजकता न फैलाएं।

सांसद बांसुरी स्वराज ने आरोप लगाया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने यह कहकर नरसंहार को जायज ठहराने की कोशिश की थी कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। राहुल गांधी ने एक नवंबर को रैली निकालने का दिन चुन कर उसी मानसिकता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पीड़ित परिवारों को मुआवजा और नौकरियां देने के साथ दोषियों को सजा दिलाने का काम किया, जिसका उदाहरण सज्जन कुमार को मिली सजा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इंडिया गठबंधन की रैली में किसी भी नेता ने 1984 के सिख दंगे पर एक शब्द नहीं बोला। इस पदयात्रा में पीड़ित परिवारों के सदस्य सरदार करतार सिंह, प्रीति सिंह कौर, जसवीर कौर, भागी कौर, परमजीत कौर, मनप्रीत कौर के साथ भाजपा नेता राजीव बब्बर, मोहनलाल गिहारा, योगिता सिंह, कैलाश जैन आदि शामिल हुए।



प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में विगत साढ़े 09 वर्षों में उ0प्र0 ने विकास के नए प्रतिमान स्थापित किए: मुख्यमंत्री योगी

प्रथम पृष्ठ का शेष

गोस्वामी तुलसीदास जी ने अपने गुरु के श्रीमुख से रामकथा सुनी और भगवान श्रीराम पर रामायण लिखने की प्रेरणा प्राप्त की। यहाँ उच्च ब्राह्मण कुल में जन्मे घनश्याम नाम के युवक भगवान स्वामीनारायण के रूप में केवल गुजरात ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में विख्यात हुए। पूर्ववर्ती सरकारों के समय पर्व और त्योहारों से पहले उपद्रव शुरू हो जाते थे, बाजार वीरान हो जाते थे और प्रत्येक व्यक्ति अपनी सुरक्षा को लेकर चिन्तित रहता था। देवीपाटन मण्डल में माँ दुर्गा की पूजा के पण्डालों को बाधित किया जाता था और पूजा की अनुमति तक नहीं मिलती थी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काँवड़ यात्रा निकालने में बाधाएँ उत्पन्न की जाती थीं। इस वर्ष गाजियाबाद से हरिद्वार के बीच आयोजित काँवड़ यात्रा में साढ़े चार करोड़ श्रद्धालु शामिल हुए। पर्व और त्योहारों को शान्तिपूर्वक मनाने में कठिनाइयाँ आती थीं। इस बार नवरात्रि में पूरे प्रदेश में 67 हजार मूर्तियाँ स्थापित की गईं। गोण्डा मण्डल के लिए विशेष रूप से निर्देश दिया गया था कि मूर्ति स्थापना के लिए किसी को अनुमति माँगने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। जो भी अपने घर में मूर्ति स्थापित करना चाहता है, उसे अनुमति दी जाए। पूरे प्रदेश में नवरात्रि का आयोजन शान्तिपूर्ण ढंग से उत्साह और उमंग के साथ सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज गोण्डा में मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, एग्रीकल्चर कॉलेज और देवीपाटन मण्डल में विश्वविद्यालय स्थापित होना विकास की नयी तस्वीर प्रस्तुत करता है। गोण्डा में महाराजा देवी बख्श सिंह के नाम पर मेडिकल कॉलेज तथा बहराइच में महाराजा सुहेलदेव के नाम पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो चुका है। बलरामपुर में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम पर मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज यहाँ की स?कें बेहतरीन हो चुकी हैं। बलरामपुर से गोण्डा और गोण्डा से अयोध्या मार्ग के चौ?करण का कार्य भी आगे ब?ाया जाएगा। भारत सरकार द्वारा इसकी मंजूरी दी जा चुकी है। इस कार्य के पूरा होने के बाद अयोध्या और गोण्डा तथा अयोध्या और मनकापुर के बीच की दूरी कम समय में तय की जा सकेगी। आज प्रदेश में विकास की बड़ी-बड़ी परियोजनाएँ आगे बढ़ रही हैं। वर्ष 2023 में आयोजित यू0पी0 इन्वेस्टर्स समिट में अकेले गोण्डा जनपद के लिए 03 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इनमें से सैकड़ों करोड़ रुपये की परियोजनाएँ धरातल पर उतर चुकी हैं। शेष परियोजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। अब पराली तथा गाय के गोबर का भी दाम मिलेगा। कम्प्रेस्ड बायोगैस के माध्यम से प्रत्येक जनपद में इथेनॉल उत्पादन के कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। आज विकास का मतलब उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपद, 350 तहसीलें, 825 विकास खण्ड और 762 नगर निकाय हैं। अब विकास में कोई भेदभाव नहीं होता। अब राशन चेहरा देखकर नहीं दिया जाता, बल्कि हर गरीब और जरूरतमन्द को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी प्रकार रसोई गैस के कनेक्शन भी बिना किसी भेदभाव के गरीब और जरूरतमन्द परिवारों को दिए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को दीपावली से पूर्व एक भरा हुआ रसोई गैस सिलेण्डर नि:शुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। अब गरीब उपचार के लिए भटकता नहीं है। उसके पास प्रधानमंत्री जी द्वारा उपलब्ध कराया गया आयुष्मान कार्ड है। यदि किसी जरूरतमन्द के उपचार में आयुष्मान कार्ड की धनराशि कम पड़ती है, तो मुख्यमंत्री राहत कोष से आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने में कोई कोताही नहीं की जाती। विधायकगण के माध्यम से उपचार के लिए धनराशि की माँग आने पर आवश्यकतानुसार पूरी सहायता उपलब्ध करायी जाती है। उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य की पहचान से मुक्त किया गया है। इसका सबसे बड़ा आधार यहाँ के युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा है। पूर्ववर्ती सरकारों में युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ होता था, जबकि वर्तमान सरकार ने उन्हें आगे बढ़ने का रास्ता दिया है। पूरी ईमानदारी के साथ भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया है। आज नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने पर लखनऊ में नियुक्ति पत्र वितरित किए जाते हैं और सांसद तथा विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में भी युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हैं। इसमें गोण्डा का युवा भी शामिल होता है। पहले गोण्डा के युवाओं के लिए सरकारी नौकरी एक सपना हुआ करती थी, लेकिन अब यह हकीकत बन रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि निवेश का अर्थ रोजगार और नौकरी भी है। कोई औद्योगिक इकाई स्थापित होती है, तो वह अपने साथ रोजगार और विकास लेकर आती है। इसके लिए बेहतर कनेक्टिविटी और सुरक्षित वातावरण आवश्यक है। कर्फ्यू और दंगों से मुक्त सुरक्षित वातावरण में ही कोई व्यक्ति पूँजी निवेश करता है। हमारा प्रयास है कि गोण्डा का युवा रोजगार के लिए बेंगलुरु, हैदराबाद, मुम्बई या दिल्ली जाने के लिए मजबूर न हो। गोण्डा में ही उसके रोजगार और नौकरी की व्यवस्था की जाए। विकास अब कछुए की चाल से नहीं चलेगा, बल्कि उसे तेज गति प्रदान की जाएगी। इसी गति से प्रदेश की प्रगति का आधार तैयार हुआ है। आज उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य नहीं, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है। उत्तर प्रदेश अब बॉटम फाइव में नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के राज्यों की तुलना में टॉप थ्री राज्यों में इसकी गिनती होती है। देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में उत्तर प्रदेश भी एक है। यह विकास इसलिए सम्भव हुआ है, क्योंकि जनता ने अच्छे सांसद और विधायक चुने हैं। डबल इंजन सरकार आस्था का सम्मान तथा जीवन में बदलाव लाने का कार्य कर रही है। सरकार उस प्रत्येक स्थल के विकास के लिए धनराशि उपलब्ध करा रही है, जो जनता की आस्था से जुड़ा हुआ है। बाबा पृथ्वीनाथ मन्दिर, स्वामीनारायण मन्दिर छपिया और बाराही देवी मन्दिर के पुनरुद्धार एवं विकास के लिए धनराशि उपलब्ध करायी जा रही है। इन स्थलों की कनेक्टिविटी और सुन्दरीकरण का कार्य कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अगले 06 महीने के भीतर 01 लाख नौजवानों को सरकारी नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। इसकी कार्ययोजना तैयार कर ली गई है और नियुक्ति पत्र वितरण का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। प्रदेश सरकार द्वारा साढ़े 09 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। अब तक 12 से 15 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त, साढ़े 04 हजार सब-इंस्पेक्टरों को इसी सप्ताह तथा दीपावली के तत्काल बाद 35 हजार पुलिस कॉन्स्टेबलों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। इसके बाद 42 हजार होमगार्डों को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। शिक्षकों, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से जुड़े विभिन्न विभागों सहित अन्य विभागों में लगभग 25 से 30 हजार पदों के लिए नियुक्त प्रक्रिया आगे ब?ायी जा रही है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित अभ्यर्थियों को भी विभिन्न विभागों में नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों के लिए भी विशेष भर्ती अभियान चलाया जा रहा है। सरकार का संकल्प है कि देश के लिए पदक लाओ और पद पाओ। ओलम्पिक, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सीधे यू0पी0 पुलिस में डिप्टी एस0पी0 तथा खेल अधिकारी सहित विभिन्न विभागों में भी नियुक्तियाँ दी गई हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 04 वर्ष की सेवा पूर्ण करके वापस आने वाले अग्निवीरों को उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया जाएगा। पुलिस, पी0ए0सी0, होमगार्ड, वन विभाग, कारागार विभाग सहित प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में उन्हें अवसर प्रदान किया जाएगा। उनके लिए सीधी भर्ती की व्यवस्था की जाएगी और किसी परीक्षा की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि उनके पास 04 वर्ष की सेवा और प्रशिक्षण का अनुभव होगा। भारत की सुरक्षा के लिए अपनी सेवाएँ देने वाले अग्निवीर जब वापस आएंगे, तो उन्हें सम्मान के साथ उत्तर प्रदेश सरकार की सेवा में अवसर प्रदान किया जाएगा। सरकार ने युवाओं के लिए खेल, सेना और प्रतिभा के माध्यम से आगे बढ़ने के अनेक रास्ते खोले हैं। 08 नवम्बर, 2026 को दीपावली और 07 नवम्बर को अयोध्या में दीपोत्सव का आयोजन होगा। सभी लोग दीपोत्सव का हिस्सा बनें। अपने गाँव, घर और नजदीक के किसी आस्था केन्द्र पर एक दीपक अवश्य जलाएं। किसी गरीब के घर जाकर उसे भी दीपक उपलब्ध कराएं।

Public Notice

I Monu S/o Ikbal Khan , resident of 395,Bangla chowk,Neb Sarai, South Delhi, Delhi - 110068 do hereby undertake that I Monu want to change my name to Aayat Khan and my gender as Female . I Monu henceforth shall be known as Aayat Khan D/o Ikbal Khan The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I shall be personally responsible for the same and The Department of Publication shall not be liable for any consequences arising therefrom.

NAME CHANGE

I SUMIT KUMAR S/O NAND KISHOR R/O H.NO C-69 GALI NO -4 OM NAGAR MITHAPUR EXT DELHI -110044 have changed my name to SUMIT KUMAR SINGH Permanently for all future Purposes

NAME CHANGE

I, Vikas Kumar, S/O Umed Singh, R/O Ho No 1254 A Gali No 4, Shastri Colony, Sonipat, Haryana- 131001 have changed my name to Vikash Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I SAME SINGH MATHUR & SAMEY SINGH S/O ISHWAR SINGH MATHUR R/O H.NO 1153 NEAR CHOPAL , BHAAT PURA PANNA KARALA DELHI-110081 have changed my name to SAMEY SINGH MATHUR Permanently for all future purposes

NAME CHANGE

I REETU RAJPUT W/o ARVIND KUMAR R/o 3/6 Krishna Apartment, flat number G-7,, Sector-2, Rajendra nagar, Near Khushi Maternity, Sahibabad, PO: Sahibabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201005, have changed the name of my minor daughter ANVI aged 12 years and she shall hereafter be known as ANVI RAJPUT.

Public Notice

It is for general information that I Nishat Ahmad S/O MD MOHSIN, R/O HOUSE NO C- 541, MEER VIHAR MADANPUR DABAS, Madan Pur Dabas, North West Delhi, Delhi- 110081, declare that name of my wife has been wrongly written as Ruksana Khatoon in my minor son nemaly Muzammil Husain aged 12 years in his school record .The actual name of my wife is Rukhsana khatoon,respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, AKSHAY S/o AJIT SINGH R/o H NO 65, CARTERPURI PALAM VIHAR GURGAON HARYANA-122017, HAVE CHANGED MY NAME TO AKSHAY YADAV ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, Prakash S/O Ram Kishan, 3015, Sant Nagar, Shakur Basti, North West Delhi, Pin: 110034 Have Changed My Name To Om Prakash For All The Future Purposes.

NAME CHANGE

I, PRAMOD KUMAR S/O HAJARI LAL PAL R/O Rc 918, Vandana Inclav Khora Caloni, Khora, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201309 have changed my name and shall hereafter be known as PRAMOD PAL.

NAME CHANGE

I, hitherto Known as VARMA SIMRAN NAVNEET alias SIMRAN ROY D/O DHIRAJ KUMAR R/O 5/40, Gali No -2, Santpura, Modinagar , PO : Govindpuri, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204 have changed my name and shall hereafter be known as SIMRAN ROY.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Sachin Parcha S/O Late Sh.Charan Singh,R/O II B/55-B,, Sector-2, Vaishali,, I.E.Sahibabad, PO: I.e.sahibabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201010, have changed my name and shall hereafter be known as Sachin Singh.

Public Notice

It is for general information that I, DURJAY KUMAR PARIDA S/o KESHAB CHANDRA PARIDA R/o F-104, Sector 27, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, declare that name of mine has been wrongly written as DURJAYA PARIDA in my minor Daughter namely TANISHA PARIDA aged 14 years in her Birth Certificate and School record. The actual name of mine is DURJAY KUMAR PARIDA, which may be amended accordingly.

TENDER NOTICE

Tender No.: UTS/TN/26-27/01
Date: 02.11.2026

UTTARA SHARMA EDUCATIONAL AND CHARITABLE TRUST invites sealed tenders from manufacturers/ authorized for the purchase of goods related to smart classroom.

Tender information and documents will be available offline at the following locations.

Uttara Sharma Educational and Charitable Trust RZ-H-4/38B, Old Plot No. B-10, Upper Ground Floor, Kh. No. 79/11, Mahavir Enclave, New Delhi-110045

Last date and time for submission of tenders
From 02.11. 2026 Up to 09.11.2026
Time (12:00 pm)

NAME CHANGE

I rahul s/o raj Kumar address 336 b Munirka village budh vihar, new Delhi -110067 changed my name to Rahul kumar

NAME CHANGE

I KARTIK S/O RAVINDER DIXIT RESIDENCE OF B-88 GALI NO.4 BALDEV VIHAR KARALA, NEW DELHI -110081 CHANGED MY NAME TO KARTIK DIXIT

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD SAQUIB KHAN S/o MOHAMMAD KHALID KHAN R/o Z-33C, DDA Flats, New Ranjeet Nagar, Central Delhi-110008, have changed my name to SAQUIB KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, VINOD JINDAL S/o Kailash Chand R/o H.No.5985, IInd Floor, Street No.2, Block-3, Dev Nagar, Karol Bagh, Delhi-110005, have changed my name to VINOD KUMAR permanently.

NAME CHANGE

I, SWEETI JINDAL W/o Vinod Kumar R/o H.No.5985, IInd Floor, Street No.2, Block-3, Dev Nagar, Karol Bagh, Delhi-110005, have changed my name to SWEETI permanently.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Deepak S/O: Suraj, R/O VTC: Sikri Khurd, PO: Sikri Khurd, Sub District: Modinagar, District: Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201204, have changed my name and shall hereafter be known as DEEPAK KUMAR.

NAME CHANGE

I Kuldip Singh S/O Hazara Singh R/o. A-33, Block-A, Mansarover Garden, Delhi-110015 Have Changed my Name To Kuldeep Singh Permanently

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. YOGESH AGGARWAL AND MR. VISHNU DUTT ARE OWNER AND IN POSSESSION OF "PORTION OF PROPERTY BEARING PLOT NO. 11-B, ADMEASURING 58.33 SQ. YARDS OUT OF KHASRA NO. 13/16 SITUATED IN THE REVENUE ESTATE OF VILLAGE RAZAPUR KHURD, AREA ABADI KNOWN AS COLONY SAINIK ENCLAVE, SECTOR-1, MOHAN GARDEN, NEW DELHI-110059." AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE NOTARIZED GPA, ATS AND WILL DEED DATED 06.12.2007 EXECUTED BY MR. DHEERAJ JAIN IN FAVOUR OF MR. VISHNU DUTT & NOTARIZED GPA, ATS AND WILL DEED EXECUTED BY MR. VISHNU DUTT IN FAVOUR OF MR. YOGESH AGGARWAL. NOW MRS. CHANCHAL DEVI IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. YOGESH AGGARWAL AND MR. VISHNU DUTT, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST & 2ND FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521 / 9958996685.

NAME CHANGE

I, Ajay Kumar S/o Indra Pal Singh R/o KH-15/1, Nirman City, Girdharpur Road, Chhapraula, PO: Chhaprola, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201009 have changed my name and shall hereafter be known as Ajay Singh

NAME CHANGE

I, Bhatane Vishal Sampatrao S/O Sampatrao Govindrao Bhatane R/O Room No 403 Non Teaching Quarter, G S Medical College , Nh 9 Piplabandpur Pilkhuwa Near Railway Station Hapur Up 245304, have changed my name to Vishal Sampatrao Bhatane for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Poonam Devi W/o Ajay Kumar R/o Khasra No. 15/1, Nirman City Girdharpur Road, Chhapraula, PO: Chhaprola, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201009 have changed my name and shall hereafter be known as Poonam

NAME CHANGE

I,Nurajahan B W/O M Haniph R/O - 56 E, Right Ganj Garbi , Ghaziabad, PO: Ghaziabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh -201001, have changed my name and shall hereafter be known as Noorjaha

NAME CHANGE

I hitherto known as RADHA wife of Shri VIMAL, residing at H. No. 1240, Tulsi Niketan, Bhopura, Sahibabad, Pasonda, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005, have changed my name and shall hereafter be known as RADHA KUMARI.

NAME CHANGE

I, SANDEEP YADAV S/O NARAYAN SINGH YADAV R/O HOUSE NO 5455 DLF PHASE-4, GALLERIA DLF-IV GURGAON HARYANA-122009, HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER'S NAME YASHIKA TO YASHIKA YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

MAYURI EKLARE W/o AKASH PATIL R/o H NO-C 919, NEAR SHIV MANDIR, SAINIK COLONY SECTOR-49 FARIDABAD HARYANA-121001 HAVE CHANGED MY NAME TO MAYURI MADHAVRAO EKLARO ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, TALAT SHAHIN W/O MOHAMMAD SOHRAB KHAN R/O N-37 III FLOOR ABUL FAZAL ENCLAVE-1 SHAHEEN BAGH POLICE CHOWKI JAMIA NAGAR OKHL DELHI-110025 have changed my name to TALAT SHAHEEN for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, AJAY KUMAR PANDEY S/O SURESH CHANDER PANDEY, residence of 15-A, BAPU PARK, DDA PARK, KOTLA, MUBARAKPUR, LODHI ROAD, CENTRAL DELHI-110003 Declare that name of mine has been wrongly written as AJAY KR PANDEY, in my minor daughter namely MAHIMA PANDEY, aged 16 years in her 10th Class CBSE CERTIFICATE. The actual name of mine is AJAY KUMAR PANDEY respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, SHIV DEVI mother of RAVI SHANKER SHUKLA R/O VILL-SURAPAR, PO-NEWARI, TEHSIL & DIST-BASTI, UTTAR PRADESH-272171, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1968 instead of my correct date of birth as 05/07/1968 vide affidavit dated 02/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, PREM SAGAR SHUKLA Father of RAVI SHANKER SHUKLA R/O VILL-SURAPAR, PO-NEWARI, TEHSIL & DIST-BASTI, UTTAR PRADESH-272171, have changed my name from PREM SAGAR SHUKLA to PREM SAGAR for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of my correct date of birth as 01/01/1965 vide Affidavit dated 02/11/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I,TAVISHI D/O VINAY GIROTRA R/O 0-32, 1ST FLOOR WEST PATEL NAGAR DELHI 110008, CHANGED MY NAME TO TAVISHI GIROTRA.

NAME CHANGE

I Kawaljeet S/O Kuldeep Singh R/o. A-33, Block-A, Mansarover Garden, Delhi-110015 Have Changed my Name To Kawaljeet Singh Permanently

NAME CHANGE

It is for general information that I GAMBHIRA DEVI W/O RAVINDER CHAUDHARY R/O H NO-115, Mehla Mohalla, Madanpur Khadar, Sarita Vihar S.O, South Delhi, Delhi-110076 declare that name of mine has been wrongly written as GHAMBHIRA DEVI in my minor Daughter UJALA CHAUDHARY aged 17 years in her 10th Class Educational Documents. The actual name of mine is GAMBHIRA DEVI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, FIZA D/o Riyazuddin Malik R/o H.No.68, Gali No.10, Man Singh Nagar, Old Mustafabad ,Delhi-110094, have changed my name from FIZA to FIZA MALIK for all future purposes.

NAME CHANGE

I FEROZ KHAN S/O LIYAKAT ALI R/O H NO F-191-C, GALI NO-2, DAYANAND MARG, LAXMI NAGAR, EAST DELHI, DELHI-110092. have changed my name to FEROZE KHAN for all purposes.

NAME CHANGE

I REHMAT NISHA KHAN W/O FEROZE KHAN R/O H NO F-191-C, GALI NO-2, DAYANAND MARG, LAXMI NAGAR, EAST DELHI, DELHI-110092. Have changed my name to REHMAT NISHA for all purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I RAKESH KUMAR S/O RAM PRAKASH R/O E-178, Near Mata Chowk, Mahipalpur, Po: Gurgaon Road, Dist: South West Delhi, Delhi-110037 declare that name of mine has been wrongly written as RAKESH TIWARI in my minor daughter PALLAVI aged 16 years in her 10th Class Educational Documents. The actual name of mine is RAKESH KUMAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I GOWARDHAN legally father of Army no - 2810458L, Rank - Hav Name - NAGARGOJE RAOSAHEB GOWARDHAN, Presently Residing, At - Ghagarwada, Post-Ghagarwada, Teh - Dharur, Dist - Beed, State- Maharastra, Pin - 431124 have changed my name from GOWARDHAN to GOWARDHAN VITTHAL NAGARGOJE for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 05/08/1968 instead of my correct date of birth as 01/01/1945 vide Affidavit dated 02/11/2026 before Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I RADHABAI legally wife of Army no - 2810458L, Rank - Hav, Name - NAGARGOJE RAOSAHEB GOWARDHAN, Presently Residing, At - Ghagarwada, Post- Ghagarwada, Teh - Dharur, Dist - Beed, State- Maharastra, Pin - 431124 have changed my name from RADHABAI to RADHABAI RAOSAHEB NAGARGOJE for all future purposes, vide Affidavit dated 02/11/2026 before Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, KM Bhawana Bhatt W/O Mukesh Chandra, R/O Flat no. 604 III RD Floor, G.T.K Depot, Sanjay Enclave, N.s Mandi Dist: North West Delhi Pin: 110033 Have Changed My Name To Bhawana Joshi For All The Future Purposes.

NAME CHANGE

I, SURINDER W/o Manmeet Singh Bijjan R/o E-204, Pragya Apartments, Plot Number: 1B, Pocket-1, Sector-2, Dwarka, Delhi - 110075 have changed my name from SURINDER to SURINDER KAUR for all intents and purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I ADIL KHAN S/o MOHD ASLAM R/O B-321 GALI NO-14,SHRI RAM COLONY, RAJEEV NAGAR, KARAWAL NAGAR, NORTH EAST DELHI -110094,declare that name of my father has been wrongly written as ASLAM KHAN in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is MOHD ASLAM, respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I, PRIYANKA W/O ASHISH SETH R/O B-188, THIRD FLOOR, PRIYADARSHINI VIHAR, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 HAVE CHANGED MY NAME TO PRIYANKA BATRA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, PRIYANKA W/O ASHISH SETHI R/O B-188, THIRD FLOOR, PRIYADARSHINI VIHAR, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 HAVE CHANGED MY NAME TO PRIYANKA BATRA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, Ajay S/o Sandeep R/o Vill+Post Gulkani, Dist-Jind, Haryana-126102, have changed my name to Ajay Lohan

NAME CHANGE

I SHANNU D/O GURU KAMLESH R/O 918/40 THIRD FLOOR GALI NO-40 ZAKIR NAGAR OKHLA SOUTH DELHI 110025 HAVE CHANGED MY NAME TO SANNO

NAME CHANGE

It is for general information that I Deepti Ahlawat W/O Ankur Chaudhary R/O C 6/6432, VASANT KUNJ, Vasant Kunj, South West Delhi, Delhi, 110070, declare that name of mine has been wrongly written as Deepti Chaudhary in my Minor son namely Armaan Chaudhary aged 13 years in his school records. The actual name of mine is Deepti Ahlawat, respectively which may be amended accordingly.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **अजय कुमार शर्मा पुत्र: श्री संत लाल शर्मा पता: मकान नंबर फ्लैट नंबर 2302, टावर नंबर 7, साया गोल्ड एवेन्यू, इंदिरापुरम, गाजियाबाद यूपी FIR No.1010/22, U/s 174A IPC थाना: मॉडल टाउन, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अजय कुमार शर्मा** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गए है कि उक्त अभियुक्त **अजय कुमार शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.1010/22, U/s 174A IPC थाना: मॉडल टाउन, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अजय कुमार शर्मा** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.12.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री आकांक्षा
जेएमएफसी–03, कमरा नंबर 107
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/15495/NW/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2) (ii) Cr.PC/ 84 BNSS देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सोनू उर्फ नसीम पुत्र गुड्डू मिस्त्री उर्फ गुड्डू खान निवासी खसरा नं. 309, शाइन सिटी, राम पार्क एक्सटेंशन लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.)** ने केस एफआईआर सं. **691/2021 अन्तर्गत धारा 3/4/5/8 आईटीपी एक्ट, थाना भजनपुरा, उत्तर-पूर्व ज़िला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू उर्फ नसीम** मिल नहीं रहा/रही है, और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू उर्फ नसीम** फरार हो गया/गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर सं. **691/2021 अन्तर्गत धारा 3/4/5/8 आईटीपी एक्ट, थाना भजनपुरा, उत्तर-पूर्व ज़िला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सोनू उर्फ नसीम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.12.2026** को **प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री किरणदीप कौर
न्यायिक न्यायधीश-प्रथम श्रेणी-01
कोर्ट नं. 05, कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/15089/NE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सोनू उर्फ बोना, पुत्र:** पप्पू कुमार उर्फ प्रमोद, **निवासी:** लोनी रोड, जवाहर नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने मुकदमा **FIR No. 695/2017 U/s 457/380/ 411/34 IPC, थाना: गोकलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू उर्फ बोना** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू उर्फ बोना** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 695/2017 U/s 457/380/411/34 IPC, थाना: गोकलपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सोनू उर्फ बोना** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.12.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री इसरा ज़ैदी
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–04
कमरा नं. 64, उत्तर–पूर्व जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/15689/NE/2026
(Court Matter)

सार्वजनिक सूचना

साझेदारी फर्म मैसर्स ECO-FRIENDS के मूल गठन, पंजीकरण, पूरक साझेदारी विलेख एवं पुनर्गठन के संबंध में

सर्वसाधारण, समस्त संबंधित व्यक्तियों एवं हितधारकों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि साझेदारी फर्म मैसर्स ECO-FRIENDS का मूल गठन दिनांक 09.01.1998 को निष्पादित साझेदारी विलेख (Partnership Deed) के अंतर्गत किया गया था।

इसके पश्चात फर्म के संबंध में दिनांक 27.10.2010 को पूरक साझेदारी विलेख (Supplementary Partnership Deed) निष्पादित किया गया। उक्त फर्म का पंजीकरण कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स, जिला पश्चिम, दिल्ली में निम्नलिखित विवरण के अनुसार दर्ज है:

1. फर्म का नाम: मैसर्स ECO-FRIENDS।
2. पंजीकरण संख्या: Firm/West/2010/130।
3. फॉर्म A (Form A): भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 की धारा 59 एवं संबंधित नियमों के अंतर्गत फर्म के अभिलेख में दर्ज।
4. फॉर्म A में फाइलिंग की तिथि: 23.09.2010 (Form No. 1)।
5. फर्म के पंजीकरण की तिथि: 22.11.2010।
6. फॉर्म B (Form B): दिल्ली साझेदारी (फर्म पंजीकरण) नियम, 1972 के नियम 8 के अंतर्गत पंजीकरण की प्राप्ति एवं स्वीकृति, दिनांक 22.11.2010।
7. पंजीकरण प्राधिकारी: रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स, जिला पश्चिम, दिल्ली
8. फर्म की अवधि: इच्छानुसार (Partnership At Will)
9. पंजीकरण के समय दर्ज साझेदार: श्री राजेश बजाज एवं श्री अजय तंवर।
10. पंजीकरण अभिलेख में दर्ज साझेदारों के शामिल होने की तिथि: 23.09.2010

अब दिनांक 20.07.2026 को निष्पादित पुनर्गठन साझेदारी विलेख (Reconstitution of Partnership Deed) के माध्यम से फर्म की साझेदारी संरचना में परिवर्तन किया गया है। उक्त पुनर्गठन के अंतर्गत निम्नलिख

संक्षिप्त डायरी

एसआईआर को लेकर कांग्रेस और सपा पर साधा निशाना, घुसपैठियों पर कही बड़ी बात

एजेंसी



वाराणसी। लोकसभा सांसद संबित पात्रा सोमवार को वाराणसी पहुंचे। यहां सर्किट हाउस में उन्होंने एसआईआर पर पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कहा कि देश में घुसपैठिए हैं, इसमें किसी प्रकार का संशय नहीं है और भारतीय जनता पार्टी शुरू से ही कहती है कि देश के रिसोर्सेज के ऊपर भारतवर्ष के संसाधनों के ऊपर यदि पहला हक किसी का है तो वो भारतीयों का है। कहा कि कांग्रेस पार्टी जो कहती है कि भारतवर्ष के संसाधनों के ऊपर यदि पहला हक किसी का है तो घुसपैठियों का है। घुसपैठियों के नंबर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चर्चा हुई है, पूरा घुसपैठियों के विषय में भर्ती कराया गया है। ये जो प्रक्रिया एसआईआर की चल रही है, जो 70 साल में जो स्वतंत्रता से लेकर अब तक चल रहा था, आसाम में क्या हुआ, आधा आसाम घुसपैठियों से भर दिया। अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही है जो आसाम में घुसपैठियों का खुलासा कर रही है। एसआईआर में घुसपैठिए कभी भी वोटर नहीं बन सकते हैं। यह काम केवल भारतीय जनता पार्टी ही करेगी। कांग्रेस और सपा पार्टी नहीं करेगी।

कोलकाता रवाना हुआ गंगा विलास क्रूज, फरक्का लॉक गेट से होकर पहुंचेगा बंगाल

एजेंसी



वाराणसी। काशी की गंगा में विदेशी पर्यटकों को सैर कराने के बाद लग्जरी रिवर क्रूज गंगा विलास रविवार को सुबह 11 बजे 16 पर्यटकों को लेकर कोलकाता के लिए रवाना हो गया। वाराणसी से कोलकाता तक का सफर 19 रात और 20 दिनों का होगा। क्रूज 18 नवंबर को कोलकाता पहुंचेगा। इस दौरान पर्यटक गंगा के तट पर बसे ऐतिहासिक शहरों, धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होंगे। क्रूज संचालक राज सिंह ने बताया कि गंगा विलास 27 अक्तूबर को 15 विदेशी पर्यटकों के साथ रामनगर स्थित मल्टीमॉडल टर्मिनल पहुंचा था। काशी में पर्यटकों के लिए गंगा आरती, धार्मिक स्थलों और ऐतिहासिक धरोहरों के भ्रमण कराया गया। रविवार को सुबह 11 बजे रामनगर स्थित बंदरगाह से कोलकाता के लिए निकला है। क्रूज यहां से आगे की यात्रा में गाजीपुर, बक्सर और पटना सहित बिहार के विभिन्न पड़ावों से होते हुए पश्चिम बंगाल की ओर बढ़ेगा। फरक्का लॉक गेट से होते हुए पहुंचेगा बंगाल बिहार के बाद क्रूज फरक्का लॉक गेट पार कर हुगली नदी के जलमार्ग से पश्चिम बंगाल में प्रवेश करेगा। इसके बाद जंगीपुर, मुर्शिदाबाद, मटियारी और कालना जैसे स्थानों पर भ्रमण प्रस्तावित है। मुर्शिदाबाद में हजारद्वारी पैलेस और कटर मस्जिद, जबकि कालना में 108 शिव मंदिरों वाला राजबाड़ी मंदिर परिसर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र होंगे। मटियारी में पारंपरिक धातु शिल्प से जुड़े कारीगरों को देखने का अवसर भी मिलेगा। यात्रा के अंतिम चरण में क्रूज कोलकाता पहुंचेगा।

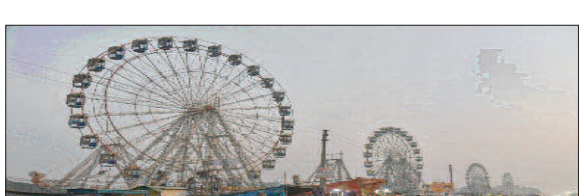
सवा लाख दीपों से जगमगाएगा शृंगवेरपुरधाम



एजेंसी

प्रयागराज। भगवान श्रीराम की पावन तपोभूमि शृंगवेरपुरधाम में छह नवंबर से आठ नवंबर तक सातवां शृंगवेरपुर महोत्सव आयोजित होगा। इस बार अयोध्या और चित्रकूट की तर्ज पर सवा लाख दीपों का भव्य दीपोत्सव होगा। महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। यह तीन दिवसीय महोत्सव दिवाली की पूर्व संध्या पर धनतेरस के दूसरे दिन आयोजित होगा। गंगा तट सहित पूरे शृंगवेरपुरधाम में सवा लाख दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। महोत्सव का आयोजन जय श्रीराम सेवा समिति शृंगवेरपुरधाम कर रही है। समिति के अध्यक्ष संजय तिवारी और संचालक अरुण द्विवेदी आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक को आमंत्रण दिया गया है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह समेत कई मंत्रियों, सांसदों और विधायकों को भी निमंत्रण भेजा गया है। आमंत्रित अतिथियों ने महोत्सव में आने का आश्वासन दिया है। महोत्सव के अन्य कार्यक्रम तीन दिवसीय महोत्सव में धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम होंगे। विभिन्न सरकारी विभाग आकर्षक प्रदर्शनियां लगाएंगे। इन प्रदर्शनियों में योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी जाएगी। विभिन्न क्षेत्रों के कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। आयोजकों का उद्देश्य शृंगवेरपुरधाम को राष्ट्रीय स्तर पर धार्मिक और पर्यटन केंद्र बनाना है। कुम्हारों में खासा उत्साह दीपोत्सव को लेकर कुम्हारों में भी खासा उत्साह है। दीपदान के लिए बड़ी संख्या में मिट्टी के दीये तैयार किए जा रहे हैं। कुम्हार दिन-रात दीये बनाने में लगे हुए हैं, ताकि दीपोत्सव के दिन पूरा तीर्थक्षेत्र दीपों की रोशनी से जगमगा उठे।

रामगंगा चौबारी मेले की तैयारी शुरू, 21 से 28 नवंबर तक होगा आयोजन, प्रबंधन समिति का किया जाएगा गठन



एजेंसी

बरेली। रामगंगा नदी के किनारे चौबारी गांव में लगने वाले पारंपरिक कार्तिक मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार मेला 21 से 28 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। मेले के आयोजन और व्यवस्थाओं के संचालन के लिए प्रबंध समिति का गठन किया जाएगा। इसके लिए इच्छुक लोगों से 12 नवंबर तक आवेदन मांगे गए हैं। उपजिला मजिस्ट्रेट एवं मेला मजिस्ट्रेट सदर इशिता किशोर ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी चौबारी में रामगंगा नदी के किनारे कार्तिक मेला आयोजित होगा। मेले का प्रबंधन ग्राम चौबारी के लोगों की ओर से गठित समिति करती है। समिति में शामिल होने के इच्छुक व्यक्ति 12 नवंबर को दोपहर 12 बजे तक मेला मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर नियमानुसार प्रबंध समिति का गठन किया जाएगा। समिति को मेले से संबंधित समस्त धनराशि तत्काल जमा करनी होगी। आवेदन और अन्य जानकारी के लिए नायब तहसीलदार चौबारी, तहसीलदार सदर या मेला मजिस्ट्रेट से संपर्क किया जा सकता है।

त्योहार बीता, मिठाई पची, फिर आई रिपोर्ट, खाद्य सुरक्षा तंत्र की सुस्ती से मिलावटखोरों की चांदी

एजेंसी



वाराणसी। त्योहारी सीजन में मिलावटखोरों पर नकेल कसने का खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन का दावा सिर्फ रस्म अदायगी साबित हो रहा है। बीते अगस्त माह में रक्षाबंधन के अवसर पर शहर में 31 जगहों से लिए गए सैंपल में से 13 की जांच रिपोर्ट दिवाली तक भी नहीं आ सकेगी। जिन छह नमूनों की रिपोर्ट फेल आई, उनमें अब तक जुमार्ना तय नहीं किया गया। दो माह पहले रक्षाबंधन पर नष्ट कराई गई 523 किलो दूषित मिठाई और खोया के मामले में भी संबंधित कारोबारियों पर कोई ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं हुई। खाद्य व्यापार मंडल के आंकड़ों के मुताबिक, जिले में छोटी-बड़ी करीब 2200 से अधिक मिठाई और डेयरी उत्पाद की दुकानें संचालित हैं। दिवाली पर यहां पांच दिनों में करीब 25 हजार क्विंटल मिठाई की खपत होती है। इसके विपरीत, निगरानी के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग के पास बुनियादी ढांचा और पर्याप्त मानव संसाधन तक नहीं हैं। चंद टीमों के भरोसे पूरे जिले की निगरानी का दावा किया जाता है। विभागीय लचरता की स्थिति यह है कि अभियान केवल मुख्य सड़कों की गिनी-चुनी दुकानों और चौराहों तक सिमट कर रह जाता है, जबकि घनी बस्तियों और ग्रामीण इलाकों में धड़ल्ले से केमिकल युक्त मावा और सिंथेटिक पनीर खपाया जा रहा है। न जुमार्ने का डर, न कार्रवाई की चिंता रक्षाबंधन के दौरान विभाग ने करौंदी, खालिसपुर और मिल्कीचक समेत कई इलाकों में ताबड़तोड़ कार्रवाई कर 523 किलो सड़ी-गली रसभरी, बूंदी के लड्डू और संदिग्ध खोया नाले में फिकवाया था। विभाग ने तब दावा किया था कि प्रयोगशाला से रिपोर्ट मिलते ही कड़ी कानूनी कार्रवाई और भारी जुमार्ना लगाया जाएगा। 60 दिन गुजरने के बाद भी फेल मिले 6 सैंपलों पर पेनल्टी का निर्धारण नहीं हुआ, न ही किसी बड़े सिंडिकेट का लाइसेंस निरस्त किया गया। विभागीय कार्यशैली को देखते हुए साफ है कि इन नमूनों की जांच रिपोर्ट अब होली बीतने के बाद ही आएगी। जब तक प्रयोगशालाओं से मिलावट की आधिकारिक पुष्टि होगी, तब तक बनारसी क्विंटलों संदिग्ध और मिलावटी मिठाइयां डकार चुके होंगे। नतीजे आने तक खप जाती है पूरी मिठाई खाद्य नमूनों को जांच के लिए राजकीय विश्लेषक प्रयोगशाला (लखनऊ) भेजा जाता है। तय मानकों के अनुसार रिपोर्ट 14 से 30 दिनों के भीतर आ जानी चाहिए, लेकिन बनारस में महीनों फाइलें धूल फांकती हैं। जब नतीजे आते हैं, तब तक संबंधित बैच का सारा माल बिक चुका होता है और लोग पेट की बीमारियों का शिकार बन चुके होते हैं। यदि जांच रिपोर्ट समय पर नहीं आती और जुमार्ना तय करने में महीनों बीतते हैं, तो इस कागजी छापेमारी का खामियाजा सीधे तौर पर आम जनता को अपनी सेहत गंवाकर भुगतना पड़ता है। दूध से ज्यादा पनीर में मिलावट का खेल 6 माह में 39 सैंपल फेल, 21.52 लाख लगा जुमार्ना खाद्य विभाग की जांच में पिछले छह महीनों में दूध से कहीं ज्यादा पनीर में मिलावट मिली। मानकों पर खरे न उतरने के कारण अकेले पनीर के 39 सैंपल फेल हुए, जिन पर प्रशासन ने कुल 21.52 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। जांच में तेल, चायपत्ती और हल्दी जैसे रोजमर्रा के सामान भी सिंथेटिक और मिलावटी पाए गए हैं। आम जनता का आरोप है कि विभाग केवल त्योहारों पर ही औपचारिकता निभाता है। जो भी सैंपल जांच में फेल हुए हैं, उनके लिए एसडीएम कोर्ट में वाद दायर किया गया है। कोर्ट की कार्यवाही में ही इन पर जुमार्ना लगाया जाएगा। नकली मिठाइयों, मावा व खोया की ऐसे करें पहचान मावे में आयोडीन की 2-3 बूंदें डालें, अगर रंग नीला या जामुनी हो जाए, तो उसमें स्टार्च या मैदा मिला है। असली मावे को हथेली पर मसलने पर घी की खुशबू आती है और यह दानेदार लगता है, जबकि मिलावटी मावा चिपचिपा होता है। वर्क को आग में जलाने पर असली चांदी की छोटी गेंद बन जाती है, जबकि मिलावटी एल्युमिनियम काला पड़ जाता है। असली वर्क उंगलियों पर चिपकता नहीं और रगड़ने पर गायब हो जाता है। एल्युमिनियम वर्क उंगलियों पर ग्रे रंग छोड़ता है। बहुत ज्यादा गहरे या चमकीले रंग वाली मिठाइयों से बचें, क्योंकि इनमें खतरनाक केमिकल रंगों की मिलावट हो सकती है।

पूर्वांचल स्टार्टअप संवाद में जुटेंगे 17 विश्वविद्यालयों के कुलपति, राज्यपाल भी करेंगी शिरकत



एजेंसी

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) विश्वविद्यालय और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ के तहत चार नवंबर को पूर्वांचल स्टार्टअप संवाद-2026 का आयोजन किया जाएगा। इसमें 17 विश्वविद्यालयों के कुलपति और 100 से अधिक विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसमें 50 से अधिक स्टार्टअप एक्सपो में अपने उत्पादों और नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे। स्टार्टअप संवाद के दौरान प्रदर्शनी के साथ तीन तकनीकी सत्र, एक पैनल डिस्कशन और एक गोलमेज बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें पूर्वांचल के विश्वविद्यालयों से जुड़े स्टार्टअप और नवाचारों पर चर्चा होगी। इसके अलावा, प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित शैक्षणिक सुविधाओं का लोकार्पण भी किया जाएगा। इनमें दो कॉन्फ्रेंस कक्ष, दो सेमिनार कक्ष, फिटनेस स्टूडियो और आयुर्वेद संग्रहालय शामिल हैं। इसका लोकार्पण राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। आयोजन में प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के 100 से अधिक प्राचार्य, शिक्षक और विद्यार्थी भाग लेंगे। विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर से 100 से अधिक शिक्षक और 300 से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे। वहीं, एकेटीयू से संबद्ध महाविद्यालयों के 100 से अधिक शिक्षक और विद्यार्थी भी संवाद का हिस्सा बनेंगे।

आईएमए का वार्षिकोत्सव: बेहतर कार्य करने वाले डॉक्टर सम्मानित, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से यादगार बनाया पल

एजेंसी



वाराणसी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) बनारस शाखा का 108वां वार्षिकोत्सव रविवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच मनाया गया। इस दौरान जहां चिकित्सकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। वहीं, चिकित्सा क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले डॉक्टरों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि आईएमए मुख्यालय नई दिल्ली से निर्वाचित महासचिव डॉ. केएम अबुल हसन ने कहा कि आमजन को आईएमए की सेवाओं का लाभ दिलाकर शाखा को नई पहचान दिलाना सभी की जिम्मेदारी है। इसके लिए आगे आने की जरूरत है। गिरिजा देवी सांस्कृतिक संकुल चौकाघाट में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथियों ने बनारस शाखा की ओर से रक्तदान, टीकाकरण, एंबुलेंस सेवा सहित अन्य सेवाओं की सराहना करते हुए पदाधिकारियों को बधाई दी। विशिष्ट अतिथि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर शरद अग्रवाल ने कहा कि नए सदस्यों को जोड़ने के साथ ही लोगों को आईएमए की सेवाओं से परिचित कराते रहने की बात कही।
डॉ. आनंद प्रकाश ने भी सेवाओं की सराहना की। आईएमए अध्यक्ष डॉ. अनुराग टंडन, सचिव डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी ने इस दौरान शाखा की उपलब्धियों के साथ ही आगामी कार्ययोजना की भी जानकारी दी।
इस दौरान शाखा के अध्यक्ष निर्वाचित डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आलोक भारद्वाज, डॉ.अजीत सैगल, डॉ. मुमताज अंसारी, डॉ.एसपी सिंह, डॉ. शालिनी टंडन के साथ ही रामकुमार गुप्ता, सरदार सिंह, संदीप मौजूद रहे।

छोटी बहन की शादी से पहले तेज रफ्तार वाहन ने छीन लिया भाई, मचा कोहराम

एजेंसी



कानपुर। हनुमंत विहार में रविवार देर रात तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से अभय सचान (23) की मौत हो गई। वह काम खत्म कर पैदल घर लौट रहा था। नौबस्ता चौराहे के पास पीछे से आए वाहन ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर हालत में हैलट में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पिता की मौत के बाद मजदूरी कर मां और तीन बहनों की जिम्मेदारी उठा रहे अभय की मौत से परिवार बेसहारा हो गया। छोटी बहन कीर्ति की 20 नवंबर को शादी होनी है। जिस भाई के हाथों बहन की विदाई होनी थी, वही अब दुनिया में नहीं रहा। बाबा नगर स्थित चतुर्वेदी बिल्डिंग निवासी अभय के पिता की कुछ साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। मां ऊषा गृहिणी हैं। तीन बहनों में बड़ी की शादी हो चुकी है, जबकि कीर्ति की शादी सामूहिक विवाह सम्मेलन में तय है। एक बहन अभी पढ़ाई कर रही है। पिता के जाने के बाद अभय ने टाइल्स और पत्थर लगाने का काम संभाला और मेहनत-मजदूरी कर परिवार का खर्च उठाने लगा। परिजन के मुताबिक, रविवार देर रात साइट पर काम खत्म करने के बाद अभय पैदल घर लौट रहा था। नौबस्ता चौराहे के पास पीछे से आए तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। सड़क पर गंभीर हालत में पड़े अभय को राहगीरों ने देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस उसे निजी अस्पताल ले गई। मोबाइल से परिजनों को सूचना दी गई। परिजन पहुंचे तो डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखकर उसे हैलट रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।अभय की मौत से मां ऊषा बदहवास हैं। छोटी बहन कीर्ति भाई का शव देखकर बेसुध हो गई। वह बिलखते हुए कहती रही कि पापा के जाने के बाद भाई ही परिवार का सहारा था। अब घर कौन चलाएगा, मां की देखभाल कौन करेगा और शादी के बाद उसे विदा कौन करेगा। जिस घर में कुछ दिन बाद शादी की खुशियां गूंजनी थीं, वहां अब भाई की मौत का मातम है। हनुमंत विहार थाना प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले जा रहे हैं। टक्कर मारने वाले वाहन और चालक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

कुशीनगर में वैन और ट्रेलर की जोरदार टक्कर, छह लोगों की दर्दनाक मौत, किशोर गंभीर

एजेंसी



कुशीनगर। हाटा कोतवाली क्षेत्र में एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई है। पेट्रोल पंप के पास वैन और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है। एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया है। यह दुर्घटना देर रात उस समय हुई जब सभी लोग तिलक समारोह से घर लौट रहे थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।
पुलिस ने घायल किशोर को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। विधिक कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। हादसे के शिकार लोग कप्तानगंज थाना क्षेत्र के भलुही गांव के निवासी वैन में सवार थे। प्रधान प्रतिनिधि कन्हैया प्रसाद (40) भी इनमें शामिल थे। उनके पिता रामबेलास (65) भी वैन में थे। राममिलन (35), आयुष (12), मृदुल मिश्रा (37) और रंजय गुप्ता (35) भी साथ थे। मिथिलेश गुप्ता (22) भी इस समूह का हिस्सा थे। वैन में सवार इन सात लोगों में से छह की मौत हो गई। राममिलन का 17 वर्षीय पुत्र आर्यन गंभीर रूप से घायल हुआ है। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तिलक समारोह से वापसी सभी लोग देवराज पिपरा में एक रिश्तेदार के तिलक समारोह में शामिल होने गए थे। समारोह से देर रात वे अपने गांव लौट रहे थे। हाटा कोतवाली क्षेत्र में पेट्रोल पंप के पास यह दुखद घटना हुई। सामने से आ रहे एक ट्रेलर से उनकी वैन टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। पुलिस की कार्रवाई और जांच हादसे की सूचना मिलते ही भलुही गांव से बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य तेज किया। घायलों को अस्पताल पहुंचाने और शवों को भेजने का काम किया गया।

सपा पर योगी का तीखा हमला: बोले- यूपी के लिए श्राप, सत्ता में आते ही मचाती है तबाही; कारसेवकों पर चलवाई थी गोली

एजेंसी



गोंडा। यूपी के गोंडा में गौरा विधानसभा के तेजपुर में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। कहा कि सपा प्रदेश के लिए श्राप है। जब-जब वह सत्ता में आई, तबाही लेकर आई। पहले प्रदेश में दंगे और कर्फ्यू होते थे, त्योहारों से पहले ही लोगों को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगती थी। आज उत्तर प्रदेश दंगा और कर्फ्यू से मुक्त है। मुख्यमंत्री ने दो नवंबर 1990 को अयोध्या में रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर हुई गोलीबारी का जिक्र करते हुए तत्कालीन सपा सरकार को निशाने पर लिया।
मुख्यमंत्री ने कहा कि दो नवंबर 1990 को अयोध्या में तत्कालीन सरकार ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। आज भाजपा सरकार रामभक्तों पर फूलों की वर्षा कर रही है और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। पहले दुर्गा पूजा के पंडालों और धार्मिक आयोजनों को लेकर विवाद खड़े किए जाते थे। देवीपाटन मंडल में दुर्गा पूजा की अनुमति तक नहीं मिलती थी। कांवड़ यात्रा पर भी रोक लगाने की कोशिश होती थी। अब नवरात्र और कांवड़ यात्रा जैसे आयोजन शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो रहे हैं।
गरीबों और युवाओं के हक पर डाका डालने का आरोप मुख्यमंत्री ने सपा सरकार पर गरीबों के हितों की अनदेखी और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। कहा कि उस समय गरीबों के बच्चों की कोई कीमत नहीं थी। गोंडा, बलरामपुर और बहराइच में अज्ञात बीमारी से बच्चों की मौतों के मामले सामने आते थे। स्वास्थ्य विभाग से पूछने पर भी बीमारी का पता नहीं चलता था। पिछली सरकार में गरीबों के हक पर डाका डाला जाता था और युवाओं के रोजगार के अवसरों के साथ खिलवाड़ होता था। उन्होंने 2016 के स्वच्छता सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा कि उस समय गोंडा की गिनती देश के सबसे गंदे शहरों में होती थी। सपा शासन में हुए खाद्यान्न घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में गरीबों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता था। मौजूदा सरकार में राशन, रसोई गैस और आयुष्मान जैसी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा रहा है। दंगाइयों को संरक्षण देने वालों को बख्शेंगे नहीं मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले दंगा करने वालों को सत्ता का संरक्षण मिलता था। अब कोई भी कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। प्रदेश में मजबूत कानून-व्यवस्था के कारण निवेश का माहौल बना है। गोंडा में करीब तीन हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले थे, जिनमें से सैकड़ों करोड़ की परियोजनाएं जमीन पर उतर चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में गोंडा जिले के लिए 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। देवीपाटन मंडल में करीब 50 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर काम हुआ है। पहले गोंडा के युवाओं के लिए सरकारी नौकरी सपना थी, लेकिन अब भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ रही है।

1 अप्रैल से खुदरा कारोबार में ई-इनवॉइसिंग की पायलट परियोजना शुरू होगी

नई दिल्ली ।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी पर लगाम लगाने और कर दायरे को व्यापक बनाने के लिए सरकार एक बड़ी पहल करने जा रही है। 1 अप्रैल, 2027 से खुदरा कारोबार में ई-इनवॉइसिंग की पायलट परियोजना शुरू की जाएगी, जिसके तहत चुनिंदा व्यावसायिक क्षेत्रों के दुकानदारों को ग्राहकों को जारी किए गए बिलों का इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड रखना होगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य खुदरा लेनदेन की निगरानी बढ़ाना और वास्तविक बिक्री का जीएसटी रिटर्न से मिलान करना है। वर्तमान में कारोबारी केवल कुल बिक्री का ब्योरा देते हैं, लेकिन नई व्यवस्था में कर अधिकारी व्यक्तिगत बिलों के आधार पर बिक्री और कर भुगतान की जांच कर सकेंगे। फिलहाल, सालाना 5 करोड़ रुपए से अधिक कारोबार वाले व्यवसायों को अन्य कारोबारियों (बी2बी) को जारी बिलों का विवरण इलेक्ट्रॉनिक रूप से दर्ज करना होता है। अब इस व्यवस्था का विस्तार व्यवसाय से उपभोक्ता (बी2सी) लेनदेन तक करने की योजना है। जीएसटी परिषद ने सितंबर 2024 में स्वैच्छिक परीक्षण की सिफारिश की थी, जिसे बाद में कर चोरी वाले क्षेत्रों, जैसे कि रेस्तरां, में अनिवार्य किया जा सकता है। यह कदम कर चोरी पर अंकुश लगाने और राजस्व बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आईडीबीआई बैंक कर्मचारी भूख हड़ताल पर, सरकार और यूनियन आमने-सामने

कनाडा की फर्म को 60 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी बेचने का विरोध

नई दिल्ली ।

आईडीबीआई बैंक के 10,000 से अधिक कर्मचारी 2-3 नवंबर को भूख हड़ताल पर हैं। बैंक के प्रस्तावित निजीकरण और कनाडा की फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को बहुलांश हिस्सेदारी बेचे जाने के खिलाफ यह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। यूनाइटेड फोरम ऑफ आईडीबीआई ऑफिसर्स एंड एम्प्लॉइज का कहना है कि वर्षों के सार्वजनिक निवेश और कर्मचारियों के योगदान से बैंक अब मुनाफे में है, ऐसे में इसका निजीकरण अनुचित है। यूनियन इस सौदे को देश के एक ऐतिहासिक बैंक का विदेशीकरण बता रही है और जमाकर्ताओं के लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपये की सुरक्षा पर सवाल उठा रही है। उनका तर्क है कि आत्मनिर्भर भारत की बात करने वाली सरकार एक महत्वपूर्ण वित्तीय स्तंभ को विदेशी हाथों में क्यों सौंप रही है, जिससे बैंक का प्राथमिक उद्देश्य कॉर्पोरेट मुनाफे में बदल सकता है। वहीं सरकार का तर्क है कि बैंक का सौदा घाटे में नहीं, बल्कि फायदे में हुआ है, जहां फेयरफैक्स ने प्रति शेयर बाजार मूल्य (75.99 रुपए) से अधिक (81 रुपए) बोली लगाई है। कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स (सीसीईए) ने फेयरफैक्स को 60.72 फीसदी हिस्सेदारी (सरकार की 30.48 फीसदी और एलआईसी की 30.24 फीसदी) बेचने की मंजूरी दी है।

कोल इंडिया की रिकॉर्ड कोयला आपूर्ति, पहली बार 7 करोड़ टन का आंकड़ा पार

बिजली क्षेत्र को भी सर्वाधिक कोयला, आयात में भी कमी दर्ज

नई दिल्ली ।

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अक्टूबर 2026 में कोयला आपूर्ति के सभी पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए, पहली बार मासिक आपूर्ति 7 करोड़ टन के आंकड़े को पार कर गई।

यह उपलब्धि देश में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने और ताप विद्युत संयंत्रों के लिए कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयासों को दर्शाती है, जिससे ऊर्जा संकट की चिंताओं को दूर करने में मदद मिली है। कंपनी ने अक्टूबर 2026 में कुल 7.03 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की, जो पिछले वित्तीय वर्ष के इसी महीने के मुकाबले 19 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि है। इससे पहले का मासिक रिकॉर्ड मार्च 2026 में 6.94 करोड़ टन था। बिजली क्षेत्र को की गई आपूर्ति भी 5.71 करोड़ टन के अब तक के सर्वाधिक मासिक स्तर पर पहुंच गई, जिसने मई 2024 के पिछले रिकॉर्ड को पछाड़ दिया। यह रिकॉर्ड प्रदर्शन ऐसे समय में सामने आया है, जब हाल ही में देश के कई बिजली संयंत्रों में कोयले के कम स्टॉक को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं। घरेलू उत्पादन में इस वृद्धि के साथ, अगस्त 2026 में देश का कुल कोयला आयात 5.83 प्रतिशत घटकर 10.457 करोड़ टन रह गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1233, निफ्टी 387 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आई हैं। आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, एनटीपीसी, मारुति, बजाज फाइनेंस के शेयरों में उछाल आया जिससे बाजार धारणा मजबूत हुई। सप्ताह के पहले कारोबारी सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं आईटी स्टॉक्स में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1233.25 अंकों की तेजी के साथ ही 75,692.78 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 387.70 अंक उछलकर 23,440.80 अंकों पर बंद हुआ।

आज सेंसेक्स की 30 में से 23 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए और शेष सभी 7 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से 38 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 12 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आज सबसे अधिक 11.64 फीसदी की तेजी रही। इसके अलावा टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट और एसबीआई के शेयरों में भी तेजी रही।

सेंसेक्स की अन्य कंपनियों की बात करें तो आज टाटा स्टील , अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई , एनटीपीसी 2.37, मारुति सुजुकी , बजाज फाइनेंस , एलएंडटी , बीईएल , हिंदुस्तान यूनिलीवर , एशियन पेंट्स , बजाज फिनसर्व , इंडिगो तेजी के साथ बंद हुए। वहीं वहीं दूसरी ओर, आज कोटक महिंद्रा बैंक , आईसीआईसीआई बैंक , सन फार्मा , एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा और टीसीएस के शेयरों में गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई।



सुबह सेंसेक्स अपने पिछले बंद भाव 74,459.53 के मुकाबले 75,178.24 पर खुला, जो 718.71 अंकों की शानदार छलांग थी। वहीं निफ्टी ने अपने पिछले बंद भाव 23,053.10 से 169.2 अंक उछलकर 23,222.30 पर सत्र की शुरुआत की

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 9 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.86 पर बंद हुआ।



आज सबह शुरुआती कारोबार में रुपया 21 पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.97 पर पहुंच गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की बढ़ती मांग से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि घरेलू बाजारों में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी नरमी से रुपये को निचले स्तर पर थोड़ा समर्थन मिला।

वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.90 प्रति डॉलर पर खुला। फिर फिसलकर 94.97 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.76 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 109.95 पर पहुंच गया।

ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव्स के शेयर एक प्रतिशत चढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।



एडलवाइस फाइनेंशियल सर्विसेज की अनुषंगी कंपनी ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव्स लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 1,665 रुपये से करीब एक प्रतिशत की बढ़त के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 1,673 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 0.48 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 0.63 प्रतिशत अधिक 1,675.50 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में बीएसई पर शेयर 1.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,685.35 रुपये पर और एनएसई पर 1.57 प्रतिशत चढ़कर 1,691.70 रुपये पर कारोबार करने लगा। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 10,900.87 करोड़ रुपये रहा। ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह बुधवार को बोली के अंतिम दिन 5.25 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 1,585-1,665 रुपये प्रति शेयर था।वर्ष 2008 में स्थापित ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव्स एक वैकल्पिक निवेश मंच है जो बुनियादी ढांचे, वाणिज्यिक रियल एस्टेट तथा निजी ऋण सहित विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में दीर्घकालिक पूंजी का प्रबंधन करता है।

कंपनियों पर बढ़ा बोझ, बिक्री का 44 फीसदी हिस्सा खर्च में गया

पिछले वर्ष में दर्ज 38.77 प्रतिशत के आंकड़े से 5.72 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनियों को कच्चे माल की बढ़ती लागत से जूझना पड़ रहा है, जिसका सीधा असर उनके मुनाफे और अंततः उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि जून तिमाही में देश की गैर-वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों की प्रत्येक 100 रुपये की बिक्री में से 44 रुपये कच्चे माल और संबंधित खर्चों को पूरा करने में चले गए। यह पिछले लगभग एक दशक में किसी भी तिमाही में दर्ज किया गया सबसे ऊंचा आंकड़ा है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ती लागत के दबाव को दर्शाता है। सीएमआईई द्वारा समीक्षा की गई 3,687 गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए जून तिमाही में कच्चे माल, स्टोर्स और स्पेयर पार्ट्स पर खर्च का हिस्सा 44.49 प्रतिशत रहा। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज 38.77 प्रतिशत के आंकड़े से 5.72 प्रतिशत अधिक है। स्टोर्स और स्पेयर पार्ट्स में विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान उपयोग होने वाली सहायक वस्तुएं, जैसे लुब्रिकेंट्स या कलपुर्जे शामिल हैं। यह रुझान सितंबर तिमाही में भी बरकरार रहा, जहां कच्चे माल और उससे जुड़ी लागत कुल बिक्री का लगभग 41 प्रतिशत रही, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि (39.8 प्रतिशत) से अधिक है। गैर-वित्तीय क्षेत्र में स्टील, ऑटोमोबाइल, खनन और निर्माण जैसी प्रमुख औद्योगिक कंपनियां शामिल हैं। यह तीसरी तिमाही है जिस पर फरवरी में शुरू हुए पश्चिम एशिया संघर्ष का असर पड़ा है, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हुई हैं और कच्चे माल की कीमतें बढ़ी हैं। हालांकि कंपनियों के पास आमतौर पर कच्चे माल का स्टॉक होता है जो अस्थायी लागत बढ़ोतरी से बचाव कर सकता है, लेकिन यह सुरक्षा सीमित समय के लिए ही होती है। जून के ये उच्च आंकड़े चालू सितंबर तिमाही के आय सत्र के लिए संभावित चुनौतियों का संकेत देते हैं। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार कच्चे माल की बढ़ती लागत कुछ खास क्षेत्रों में मांग को प्रभावित कर सकती है, खासकर उन घरेलू उपकरण बनाने वाली कंपनियों पर जो कीमतें नहीं बढ़ा पाई हैं। हालांकि, केबल और सीमेंट कंपनियों जैसे कई अन्य क्षेत्रों ने इस लागत दबाव का बेहतर तरीके से मुकाबला किया है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) जैसे सेवा उद्योगों और फार्मास्युटिकल्स जैसे क्षेत्रों पर सबसे कम असर पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि इनमें कच्चे माल की लागत बिक्री का एक छोटा हिस्सा होती है।

अक्टूबर में धीमी पड़ी विनिर्माण की रफ्तार

विनिर्माण पीएमआई 55.1 से घटकर 54.7 पर

नई दिल्ली ।

अक्टूबर में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों की रफ्तार में मामूली कमी दर्ज की गई है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सितंबर के 55.1 से घटकर अक्टूबर में 54.7 पर आ गया। हालांकि, 50 के विस्तार स्तर से काफी ऊपर रहने के कारण यह अब भी मजबूत विस्तार का संकेत देता है, जिसकी मुख्य वजह उत्पादन और नए ऑर्डर में अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि थी। मासिक सर्वेक्षण के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन और नए ऑर्डर में अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि देखी गई। हालांकि, लागत का दबाव मध्यम रहने से गतिविधियों की रफ्तार धीमी होने का असर सीमित रहा। पीएमआई का 50 से ऊपर रहना विस्तार को दर्शाता है, और 54.7 का आंकड़ा दीर्घकालिक औसत से ऊपर तथा मजबूत विस्तार की स्थिति में है। सर्वेक्षण बताता है कि नए ऑर्डर और उत्पादन वृद्धि की गति धीमी हुई, पर मांग में सुधार जारी रहा। नए निर्यात ऑर्डर छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। एचएसबीसी की एक अर्थशास्त्री ने इस गिरावट के बावजूद इसे मजबूत विस्तार के दायरे में बताया। रोजगार के मोर्चे पर, विनिर्माण क्षेत्र में लगातार दूसरे महीने नियुक्तियां बढ़ीं, हालांकि उनकी रफ्तार धीमी रही। वहीं मांग बढ़ने के बावजूद कारोबारी विश्वास कमजोर हुआ और दीर्घकालिक औसत से नीचे बना रहा, जो भविष्य की अनिश्चितताओं को दर्शाता है।



मद्देनजर कच्चे माल का भंडार आठ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचाया। एचएसबीसी की एक अर्थशास्त्री ने इस गिरावट के बावजूद इसे मजबूत विस्तार के दायरे में बताया। रोजगार के मोर्चे पर, विनिर्माण क्षेत्र में लगातार

बजाज ऑटो की बिक्री 14 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो की अक्टूबर में कुल बिक्री सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़ी। दोपहिया और वाणिज्यिक वाहन दोनों खंडों में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। वाहन विमान विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि उसकी कुल थोक बिक्री 5,91,876 इकाई रही, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 5,18,170 इकाई थी। घरेलू बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर 3,51,148 इकाई हो गई जबकि निर्यात 18 प्रतिशत बढ़कर 2,40,728 इकाई रहा। कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 5,01,194 इकाई हो गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 4,42,316 इकाई थी। कुल वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 90,682 इकाई रही, जबकि एक साल पहले यह 75,854 इकाई थी। बजाज ऑटो की अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान कुल बिक्री 22 प्रतिशत बढ़कर 35,79,011 इकाई हो गई।दोपहिया वाहनों की बिक्री 22 प्रतिशत बढ़कर 30,07,707 इकाई रही, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 23 प्रतिशत बढ़कर 5,71,304 इकाई हो गई।

भारत-यूरोपीय संघ ने एफटीए को लागू करने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की

वाणिज्य सचिव ने ब्रसेल्स में की मुलाकात, व्यापार सुगमता और हीरा उद्योग पर भी बात

नई दिल्ली ।

भारत और यूरोपीय संघ ने इस साल दिसंबर में प्रस्तावित अपने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के सुचारु कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण चर्चाएं कीं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह ब्रसेल्स की अपनी यात्रा के दौरान इन मुद्दों पर बातचीत की। अग्रवाल ने यूरोपीय आयोग के व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी व कराधान महानिदेशालयों के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। चर्चा में सीमा शुल्क सहयोग, व्यापार सुगमता और एफटीए कार्यान्वयन की तैयारियां प्रमुख रहीं। दोनों पक्षों ने व्यवसायों के समर्थन, लेनदेन लागत में कमी और सुचारु वैध व्यापार हेतु कुशल, पारदर्शी व डिजिटल सीमा शुल्क प्रक्रियाओं की अहमियत पर जोर दिया।

27 जनवरी को संपन्न हुआ यह एफटीए भारत के चमड़ा, कपड़ा, रत्न एवं आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करेगा। एफटीए के अलावा, सचिव अग्रवाल एंटवर्प के हीरा उद्योग हितधारकों से भी मिले, जो हीरा राजधानी कहलाता है। यहां वैश्विक हीरा मूल्य श्रृंखला, प्रमाणन, जिम्मेदार खरीद और भारत के बढ़ते हीरा बाजार के अवसरों पर चर्चा हुई।

हवाई अड्डा शुल्क में कटौती से भारतीय बाजार का बढ़ेगा विस्तार-इंडिगो के सीईओ

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विली वॉल्श ने भारत में हवाई अड्डों के उच्च शुल्कों और करों में कटौती की पुरजोर वकालत की है। सोमवार को दिल्ली में उन्होंने स्पष्ट किया कि विमानन क्षेत्र में व्यापक विस्तार के लिए यह आवश्यक है और हवाई अड्डों की एकाधिकार स्थिति के कारण उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य निर्धारित करने की जरूरत है। वॉल्श ने कहा, हवाई अड्डों के शुल्क बहुत अधिक हैं और अगर हमारे यहां कर कम होते, तो यह बाजार कहीं बेहतर प्रदर्शन करता। इसलिए कम कर और कम हवाई अड्डा शुल्क ही आगे बढ़ने का रास्ता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत में विस्तार के अवसरों का पूरी तरह से लाभ उठाने के लिए सभी संबंधित पक्षों को अपनी लागत पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

इंडिगो जो 65 प्रतिशत से अधिक घरेलू बाजार हिस्सेदारी के साथ देश की अग्रणी विमानन कंपनी है और प्रतिदिन लगभग 2,200 उड़ानें संचालित करती है, हमेशा हवाई अड्डों से बेहतर मूल्य की अपेक्षा करती है। वॉल्श ने याद दिलाया कि वैश्विक एयरलाइन संगठन आईएटीए के महानिदेशक के रूप में भी उन्होंने भारत में हवाई अड्डों के शुल्कों और करों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया था, और उनके विचार अब भी अपरिवर्तित हैं।

इंडिया ब्लॉक की रैली से दिल्ली के कारोबा रियों को 10 हजार करोड़ का नुकसान

पुरानी और सेंट्रल दिल्ली के 20-25 बाजार हुए प्रभावित, आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर



नई दिल्ली ।

दिवाली से पहले बाजारों में रौनक की उम्मीदों को 1 नवंबर को हुई इं डिया ब्लॉक की रामलीला मैदान रैली से गहरा झटका लगा है। व्यापारी संगठन सीटीआई ने दावा किया है कि इस रैली के चलते पुरानी और सेंट्रल दिल्ली के करीब 20 से 25 बाजारों में कारोबार ठप रहा, जिससे व्यापारियों को लगभग 10,000 से 11,000 करोड़ रुपए का भारी नुकसान हुआ है। सीटीआई के एक अे धिकारी के मुताबिक, रामलीला मैदान के आसपास की करीब 3 लाख दुकानों में से लगभग 80 फीसदी यानी 2.5 लाख दुकानें रैली के दिन बंद रहीं। व्यापारियों ने बड़ी संख्या में लोगों और वाहनों की आवाजाही की आशंका के चलते दुकानें बंद रखने का फैसला किया, जिससे ग्राहक भी कम आए। चांदनी चौक, सदर बाजार, खारी बावली, कश्मीरी गेट, चावड़ी बाजार, दरियागंज, पहाड़गंज, कनॉट प्लेस सहित कई थोक और खुदरा बाजार पूरी तरह प्रभावित हुए। इन बाजारों से सिर्फ दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, बल्कि दूसरे राज्यों में भी सामान की आपूर्ति होती है। सीटीआई का दावा है कि रोजाना करीब 5,000 ट्रक और टेम्पो की आवाजाही प्रभावित हुई, जिससे त्योहारों से पहले आपूर्ति श्रृंखला में बड़ा व्यवधान आया।

नवंबर में निवेश के दो नए द्वार, डेट फंड से चांदी ईटीएफ तक

न्यूनतम 5,000 रुपये से कर सकेंगे शुरुआत

नई दिल्ली ।



म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए नवंबर का पहला हफ्ता नए अवसरों से भरा है। कोटक महिंद्रा म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड दो नए फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च करने जा रहे हैं, जो निवेशकों को डेट और चांदी में निवेश के विकल्प मुहैया कराएंगे। ये स्कीमें अलग-अलग जोखिम प्रोफाइल और निवेश लक्ष्यों वाले निवेशकों को आकर्षित करेंगी। कोटक फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान सीरीज 336 कोटक महिंद्रा म्यूचुअल फंड 2 से 4 नवंबर तक कोटक फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान सीरीज 336 खोलेगा। यह एक क्लोज्ड-एंड डेट स्कीम है, जिसकी अवधि 125 दिन होगी। यह स्कीम सरकारी और कॉरपोरेट बॉन्ड सहित डेट व मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करेगी। इसमें न्यूनतम 5,000 रुपये से निवेश किया जा सकता है और कोई एंट्री या एग्जिट लोड नहीं है। रिस्कोमीटर पर इसे मॉडरेट रिस्क कैटेगरी में रखा गया है, जो शॉर्ट-टर्म के लिए डेट में सुरक्षित निवेश चाहने वालों के लिए उपयुक्त है। वहीं क्वांट म्यूचुअल फंड 4 से 6 नवंबर तक क्वांट सिल्वर ईटीएफ एफओएफ लॉन्च करेगा। यह एक ओपन-एंडेड फंड ऑफ फंड्स है, जो क्वांट सिल्वर ईटीएफ की यूनिट्स में निवेश करके चांदी की कीमतों का फायदा उठाने का लक्ष्य रखता है।

इसमें भी न्यूनतम 5,000 रुपये से शुरुआत की जा सकती है, लेकिन अगर निवेशक यूनिट आवंटन के 15 दिनों के भीतर निकासी करते हैं, तो एक फीसदी एग्जिट लोड लगेगा। इस स्कीम को बहुत अधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है, जो लंबी अवधि के लिए चांदी में निवेश करने और कीमतों में उतार-चढ़ाव सहन करने वाले निवेशकों के लिए है।

गरीबी से मुक्तिः भारत में उम्मीद का नया उजाला



ललित गर्ग

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया।

किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक विस्तार अथवा वैश्विक आर्थिक रैंकिंग से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर आए। वर्ष 2028 तक इस अनुपात के 12.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान भी व्यक्त किया गया है। ये आंकड़े भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा में एक बड़े परिवर्तन के प्रमाण हैं। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। इन योजनाओं की विशेषता यह है कि इन्होंने गरीबी को केवल आय की कमी के रूप में नहीं देखा, बल्कि आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा,



स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर उसका समाधान करने का प्रयास किया है।

किसी निर्धन परिवार को पक्का मकान मिलना केवल आवास की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसे संपत्ति, सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करना है। घर में बिजली, शौचालय और नल से जल की सुविधा उपलब्ध होना उसके जीवन की गुणवत्ता में बुनियादी परिवर्तन लाता है। जनधन खातों और आधार जैसी व्यवस्थाओं ने नागरिकों को वित्तीय एवं वैधानिक पहचान प्रदान की है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य संकट के समय गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने का आधार तैयार किया है। विश्व बैंक ने गरीबी में कमी के प्रमुख कारणों में उपभोग में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का विस्तार, विशेषकर महिलाओं की रोजगार में बढ़ती भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक कल्याणकारी हस्तांतरणों की भूमिका को रेखांकित किया है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक सक्रियता परिवारों की आय बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक आत्मनिर्भरता और निर्णय क्षमता को भी मजबूत करती है। ग्रामीण भारत में निर्धनता की तेज गिरावट ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आर्थिक अंतर को भी कम करने में योगदान दिया है।

एक अन्य महत्वपूर्ण संकेतक गिनी सूचकांक है, जिसके माध्यम से आय अथवा उपभोग के वितरण में असमानता का आकलन किया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत का उपभोग आधारित गिनी सूचकांक 23 तक पहुंचा है, जो अपेक्षाकृत कम असमानता का संकेत देता है। यह अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की तुलना में भारत की बेहतर स्थिति को दर्शाता है। हालांकि यहां यह समझना आवश्यक है कि उपभोग आधारित गिनी सूचकांक समाज में संपत्ति, आय और अवसरों की समग्र असमानता का पूरा चित्र प्रस्तुत नहीं करता। इसलिए गरीबी में कमी को आर्थिक समानता की पूर्ण उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है, जहां भारत की विकास यात्रा का आलोचनात्मक मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। एक ओर करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकल रहे हैं, दूसरी ओर समाज में संपत्ति और आर्थिक संसाधनों का संकेंद्रण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। उच्च आय वर्ग और सामान्य मेहनतकश नागरिक के बीच जीवन की सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अवसरों का अंतर अभी भी व्यापक है। गुणवत्तापूर्ण रोजगार की कमी, असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों की असुरक्षा, युवाओं में बेरोजगारी, कृषि पर निर्भर परिवारों की सीमित आय और महिलाओं को समान पारिश्रमिक न मिलना ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान किए बिना समतामूलक समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। गरीबी का कम होना और अमीरी-गरीबी के बीच की खाई का कम होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। पहली उपलब्धि उत्साह देती है, लेकिन दूसरी चुनौती पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है।

भारत को अब ऐसी विकास नीति की आवश्यकता है, जिसमें आर्थिक प्रगति का लाभ केवल कुछ क्षेत्रों, वर्गों अथवा उद्योगों तक सीमित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास, छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन, कृषि का आधुनिकीकरण, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कर व्यवस्था में न्यायपूर्ण संतुलन, ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में निवेश और सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की पारदर्शिता भी आवश्यक है। विकास का वास्तविक उद्देश्य अवसरों की समानता पैदा करना होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक आंकड़ों में ऊंचाई हासिल करना। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में गरीबी में कमी की यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक शक्ति के साथ सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और अवसरों की समानता भी सुनिश्चित हो। गरीबी-मुक्त भारत का सपना केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि रोजगार, उद्यमिता, शिक्षा, सामाजिक सहभागिता और न्यायपूर्ण आर्थिक व्यवस्था के समन्वय से साकार होगा। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट भारत में गरीबी से मुक्ति की ओर बढ़ते कदमों और करोड़ों जीवन में फैलती खुशहाली की ऐसी उजली तस्वीर प्रस्तुत करती है, मानो दीपावली के पर्व पर विकास के दीप जल उठे हों। यह केवल आंकड़ों की रोशनी नहीं, बल्कि उन करोड़ों परिवारों के जीवन में उम्मीद, आत्मविश्वास और सम्मान का उजाला है, जो अभावों के अंधकार से निकलकर समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। सचमुच, इस बार दीपावली के दीपों में नए भारत की प्रगति और गरीबों के जीवन में आए उजास की चमक भी दिखाई दे रही है।

निस्संदेह, गरीबी के मोर्चे पर भारत की यह सफलता नए भारत, समृद्ध भारत और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में करोड़ों लोगों को निर्धनता के दायरे से बाहर लाना एक उल्लेखनीय स्थान रखता है। लेकिन इस उपलब्धि का अगला चरण आर्थिक असमानता की खाइयों को पाटना और विकास की रोशनी को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना होना चाहिए। विकसित भारत की पहचान केवल उसकी आर्थिक समृद्धि से नहीं, बल्कि इस बात से होगी कि वहां कोई व्यक्ति अभाव, भुखमरी, अशिक्षा और असहायता में जीवन जीने को विवश न हो। 2047 का भारत तभी वास्तविक अर्थों में विकसित और समृद्ध होगा, जब उसकी प्रगति का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचेगा और आर्थिक समृद्धि के साथ सामाजिक समरसता एवं समानता भी उसकी पहचान बनेगी। यही नए भारत का स्वप्न है और यही उसकी विकास यात्रा की सबसे बड़ी कसौटी भी।

संपादकीय

क्रूर होती मासूमियत

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में एक आठ साल का बच्चा, छह साल की बच्ची को क्रूरता के साथ पीटता-कुचलता नजर आया। पंचकूला के एक निजी स्कूल में घटी इस घटना ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। स्कूली छात्रों में नोक-झोंक, वाद-विवाद, मतभेद-मनभेद हमेशा होते रहे हैं। ऐसे में टीचर या अभिभावक तक शिकायत करके बात खत्म हो जाती थी। लेकिन यह आठ साल का बच्चा, जिस क्रूरता से केजी की बच्ची को खत्म करने की कोशिश में लगा था, उसने हमारे नीति-नियंताओं, शिक्षकों, अभिभावकों और आम लोगों तक को स्तब्ध कर दिया। बच्चे ने इस हमले को सुनियोजित तरीके से, समय-जगह का चुनाव करके अंजाम दिया। वह समय चुना जब उसके अपराध को देखने वाला कोई नहीं था। विज्ञान का धन्यवाद, जिसने सीसीटीवी कैमरा हमें उपलब्ध कराया। अन्यथा कोई विश्वास नहीं करता कि इतना छोटा बच्चा एक पेशेवर अपराधी की तरह वारदात को अंजाम देगा। हो सकता था रिकॉर्डिंग न होने पर किसी निर्दोष के सिर इस हमले का आरोप लग जाता। निस्संदेह, इस हादसे में स्कूल प्रशासन की गंभीर चूक है। आखिर स्कूल से अंतिम बच्चे के बाहर निकलने तक सुरक्षा की जिम्मेदारी क्यों नहीं निभायी गई? अब स्कूल पढ़ने जा रही छोटी बच्चियों व बच्चों के मां-बाप इस घटना से भयाक्रांत हैं कि क्या उनका बच्चा स्कूल में सुरक्षित है? शिक्षकों को भी इस बात को गंभीरता से समझना होगा कि बदलते दौर में बच्चे पहले जैसे नहीं रहे। शिक्षक-अभिभावक से ज्यादा उन्हें आज जो सबसे ज्यादा ज्ञान बांट रहा है, वह मोबाइल है। जो तमाम तरह की हिंसा सिखाने का स्रोत बन गया है। इस घटना के बाद, इस आठ साल के छात्र की क्रूर व्यवहार की वजह उसका मोबाइल पर हिंसक फ्री-फायर गेम खेलना बताया जा रहा है। जो एक ऑनलाइन एक्शन व शूटिंग आधारित गेम है। जिसमें खिलाड़ी हथियार, गोलियों और अन्य घातक साधनों से प्रतिद्वंद्वी का मुकाबला करते हैं। हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि बच्चों को छोटी उम्र में मोबाइल उपलब्ध कराने के घातक परिणाम भी हो सकते हैं। आमतौर पर अभिभावक अपने काम करने या आराम करने के दौरान बच्चों को बहलाने के लिये मोबाइल पकड़ा देते हैं। लेकिन यह भूल जाते हैं कि इंटरनेट पर प्रसारित होने वाले हिंसक कार्यक्रम बच्चों को कितने गहरे तक प्रभावित करते हैं। बच्चे का दिमाग एक कोरी स्लेट की तरह से होता है। उस पर जैसी छाप बचपन में पड़ती है, वही भविष्य में उसकी सोच व जीवन की दिशा निर्धारित करती है। जिस पश्चिमी संस्कृति व जीवन शैली पर आधारित गेम्स का इन दिनों मोबाइल पर प्रचलन है, वे बच्चों को संवेदनहीन और निर्मम बना रहे हैं। बच्चों में लगातार अधैर्य, अशांति व आक्रामकता बढ़ रही है। बच्चों को ये लगता है कि व्यावहारिक जीवन में भी ऐसा ही व्यवहार सामान्य बात है। बच्चों के व्यवहार में आ रहा यह बदलाव एक घातक संकेत है। हमारे नीति-नियंताओं और शिक्षकों-अभिभावकों को सजग-सतर्क होकर इस संकट के समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास करना होगा।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें..

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

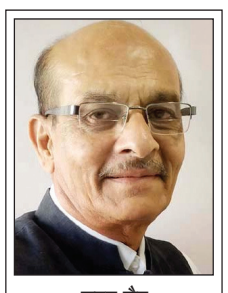
सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वार्तालाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।
की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

लोकतंत्र बचाने की लड़ाई में सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने

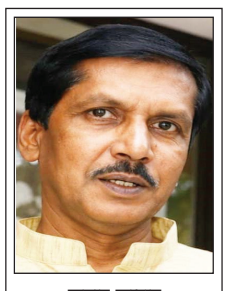


सनत जैन

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में यह एक असाधारण राजनीतिक स्थिति है, जब सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही लोकतंत्र बचाने का नारा लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को इंडिया गठबंधन की वोट बचाओ, देश बचाओ रैली और इसके जवाब में भाजपा का देशव्यापी लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान इस बात का संकेत है। चुनावी प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक संघर्ष अब संसद की सीमाओं से बाहर निकलकर सड़कों तक पहुंच गया है। इंडिया गठबंधन की रैली की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें 21 विपक्षी दलों के नेताओं ने एक साथ मंच साझा किया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राजद, वामपंथी दलों सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली एसआईआर के माध्यम से मतदाताओं के नाम काटने तथा चुनाव के दौरान कंप्यूटर की सहायता से भारी हेरफेर किए जाने के आरोप मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लगाए गए और सवाल उठाए गए। इस आयोजन में राजनीतिक नेताओं के साथ सामाजिक संगठनों, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों, युवाओं और उन मतदाताओं ने भी भागीदारी की, जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गये थे। 31 अक्टूबर को आयोजित प्रतीकात्मक जन संसद में भी विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ छह आरोपों के साथ प्रस्ताव पारित किया। विपक्ष की मांग है, ज्ञानेश कुमार को पद से हटाया जाये। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच हो। इस पूरे विवाद की जड़ एसआईआर यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़ी हुई है। इंडियन एक्सप्रेस की पड़ताल के अनुसार 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की प्रारूप मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए गए। सबसे गंभीर बात यह है कि चुनाव आयोग के ही दो अन्य आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कई बार आयोग के भीतर प्रक्रियाओं और फैसलों पर लिखित आपत्तियां दर्ज कराई थीं। अखबार की रिपोर्ट में ऐसी 14 आपत्तियों का उल्लेख है। इससे चुनाव आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं। ज्ञानेश कुमार एक तरफा फैसला ले रहे थे।

राहुल गांधी ने रामलीला मैदान में अपने भाषण के दौरान ज्ञानेश कुमार और चुनावी प्रक्रिया को लेकर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी में शामिल लोगों को जवाबदेह बनाया जाएगा। ममता बनर्जी ने भी बताया पश्चिम बंगाल का चुनाव किस तरह लूटा गया है, डकैती डाली गई है। रैली में वक्ताओं ने बड़े आक्रामक तरीके से चुनाव आयोग द्वारा की गई गडबड़ियों का उल्लेख किया। दूसरी ओर भाजपा ने विपक्ष के आंदोलन को अराजकता फैलाने की कोशिश बताते हुए देशभर में जवाबी कार्यक्रम आयोजित किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के समर्थन में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, अमित शाह और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने अलग-अलग राज्यों में पदयात्राओं और सभाओं के माध्यम से विपक्ष के ऊपर हमला किया है। यह भी सत्य है कि इस बार विपक्ष के साथ भारी भीड़ है, जनमानस का समर्थन प्राप्त है। उसके मुकाबले में भाजपा की पदयात्रा और रैली में वह भीड़ देखने को नहीं मिली जो होना चाहिए थी। यह राजनीतिक संघर्ष अब केवल राहुल गांधी और नरेंद्र मोदी अथवा कांग्रेस और भाजपा के बीच नहीं रह गया है। इसका सीधा संबंध देश की संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से जुड़ गया है। चुनाव आयोग पर आरोप लगना और उन आरोपों का राजनीतिक रूप से जवाब देना, अलग बात है। आयोग की निष्पक्षता पर आम जनता और राजनीतिक दलों का भरोसा बना रहना अनिवार्य है। मामला सुप्रीम कोर्ट में भी लंबित है। आरोपों का अंतिम निर्णय तथ्यों, जांच और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर होगा। विपक्ष ज्ञानेश कुमार की स्थिति को लेकर जो दबाव बना रही है, सत्ता पक्ष के ऊपर उसका कोई असर नहीं पड़ रहा है। उल्टे सत्ता पक्ष द्वारा विपक्ष को घेरने की कोशिश की जा रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है, देश पहले से ही महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक सुस्ती, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मे बढ़ता टकराव सरकार के विकास कार्यों एवं जरूरी मुद्दों पर समय पर निर्णय नहीं ले पाने के कारण सरकार की परेशानी दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। इसका असर अंतोगत्वा जनता पर ही पडना है। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की अपनी-अपनी भूमिका है। विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना है। सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी उन सवालों का जवाब देना है। चुनाव आयोग को भी अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए पारदर्शिता के साथ प्रश्नों का जवाब देने के लिए सामने आना चाहिए। यदि विपक्ष के आरोप गलत हैं, तो तथ्यों के साथ चुनाव आयोग द्वारा उन्हें खारिज किया जाना चाहिए। यदि कहीं गड़बड़ी हुई है, तो उसकी निष्पक्ष जांच और उसमें सुधार होना चाहिए। चुनाव आयोग को अपनी कार्य प्रणाली इस तरीके से तैयार करनी होगी, जिसमें सभी राजनीतिक दलों को विश्वास हो। पिछले 7 दशकों में राजनीतिक दलों और चुनाव आयोग के बीच जो विश्वास बना था वह पूरी तरह से खत्म हो चुका है। लोकतंत्र किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं है। वह 140 करोड़ देशवासियों का साझा अधिकार और विश्वास है। सवाल यह नहीं होना चाहिए, सड़क पर कौन जीता और कौन हारा, बल्कि यह होना चाहिए देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कैसे कायम रहे। यदि सत्ता और विपक्ष ने राजनीतिक अहंकार से ऊपर उठकर समाधान नहीं खोजा, तो इस टकराव का नुकसान अंततः देश और आम नागरिकों को ही उठाना पड़ेगा।

रामलीला मैदान से लोकतंत्र की हुंकार



कुमार कृष्णन

दिल्ली का रामलीला मैदान 1 नवंबर 2026 को एक बार फिर भारतीय राजनीति के केंद्र में था। इंडिया गठबंधन की महारैली केवल विपक्षी दलों का शक्ति प्रदर्शन नहीं थी, बल्कि मतदाता सूची, चुनावी पारदर्शिता, निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर उठे सवालों का राष्ट्रीय मंच भी थी। वोट बचाओ, देश बचाओ के नारे के साथ आयोजित इस रैली में उमड़ी भीड़ ने यह संकेत दिया कि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विवाद को संसद और राजनीतिक बयानबाजी से आगे ले जाकर जनांदोलन का रूप देना चाहता है।

रैली में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव सहित विभिन्न राज्यों के नेताओं की मौजूदगी ने इसे व्यापक राजनीतिक स्वरूप दिया। अलग-अलग विचारधाराओं और क्षेत्रीय हितों वाले दलों का एक मंच पर आना अपने आप में महत्वपूर्ण था। इस आयोजन में बिहार कांग्रेस के नेताओं और पिछड़ा वर्ग विभाग के पदाधिकारियों की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही।

रैली की प्रमुख तस्वीर राहुल गांधी की रही। भारी भीड़ के कारण पदयात्रा के बजाय वे खुले वाहन से रामलीला मैदान पहुंचे। उनके साथ प्रियंका गांधी और दूसरे विपक्षी नेता भी थे। सड़कों पर उमड़े कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच खुले वाहन से नेताओं का आगे बढ़ना जनसंपर्क और शक्ति प्रदर्शन का प्रतीक बना।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर कथित वोट चोरी के मुद्दे को लेकर तीखा हमला किया। उनका आरोप था कि मतदाता सूची में गड़बड़ियों के माध्यम से लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। राहुल गांधी का कहना था कि यदि योग्य नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाते हैं तो चुनाव की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े होंगे।

उनके भाषण का राजनीतिक संदेश स्पष्ट था। कांग्रेस इस मुद्दे को केवल निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे संविधान, नागरिक अधिकार और सत्ता की जवाबदेही से जोड़ रही है। हालांकि विपक्ष के आरोपों को प्रमाणित तथ्य मानने के बजाय उनकी स्वतंत्र जांच और आयोग के जवाब के संदर्भ में देखना जरूरी है। इस महारैली का एक अलग और आकर्षक दृश्य पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव (राजेश रंजन) का तिरंगा मार्च रहा। वे हजारों साधु-संतों और समर्थकों के साथ रामलीला मैदान पहुंचे। हिमाचल भवन और कनॉट प्लेस से मिंटो ब्रिज होते हुए आगे बढ़े इस काफिले में साधु-संतों और कार्यकर्ताओं के हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा था।

पप्पू यादव ने आंदोलन को लोकतंत्र, संविधान और आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा से जोड़ते हुए केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखे राजनीतिक हमले किए। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई किसी एक राजनीतिक दल या व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और आम लोगों के अधिकारों को बचाने के लिए है।

इस मार्च का महत्व केवल उसमें शामिल लोगों की संख्या में नहीं था। साधु-संतों की भागीदारी ने राजनीतिक विरोध को व्यापक सामाजिक स्वरूप देने का प्रयास किया। भारतीय राजनीति में धार्मिक-सामाजिक समूहों की सार्वजनिक भागीदारी का अपना इतिहास है। इस अवसर पर तिरंगा लेकर उनका मताधिकार और संविधान से जुड़े सवालों पर मार्च करना एक अलग संदेश दे रहा था। पप्पू यादव की इस पहल ने रैली में सामाजिक भागीदारी का एक नया पक्ष जोड़ा।

रामलीला मैदान की महारैली के संदर्भ में बिहार कांग्रेस की भागीदारी को विशेष महत्व देना चाहिए। बिहार की राजनीति में सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व और राजनीतिक हिस्सेदारी हमेशा महत्वपूर्ण मुद्दे रहे हैं। ऐसे में बिहार प्रदेश कांग्रेस के ओबीसी विभाग के पदाधिकारियों की सक्रियता को केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम में भागीदारी के रूप में नहीं देखा जा सकता। बिहार प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग की उपाध्यक्ष सोनी कुमारी, विभाग के अध्यक्ष अनुराग चंदन और मुंगेर जिला कांग्रेस कमेटी के ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष राकेश कुमार मंडल की भूमिका इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। इन पदाधिकारियों के सामने चुनौती है कि राष्ट्रीय स्तर पर उठाए जा रहे लोकतांत्रिक अधिकारों और सामाजिक न्याय के सवालों को बिहार के गांवों, कस्बों और जिला मुख्यालयों तक पहुंचाएं।

सोनी कुमारी की भूमिका महिला प्रतिनिधित्व के सवाल से भी जुड़ती है। पिछड़े वर्ग की महिलाओं के सामने शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और राजनीतिक भागीदारी की अनेक चुनौतियां हैं। संगठन में महिलाओं की मौजूदगी तभी सार्थक होगी जब उन्हें निर्णय लेने और जनसंपर्क अभियान संचालित करने में वास्तविक भूमिका मिले। राजनीति में महिला प्रतिनिधित्व केवल पदों की संख्या नहीं, बल्कि नेतृत्व और अधिकार की भागीदारी भी है।

अनुराग चंदन के नेतृत्व में ओबीसी विभाग के सामने सामाजिक न्याय के मुद्दों को व्यापक राजनीतिक कार्यक्रम से जोड़ने की जिम्मेदारी है। जातीय जनगणना, आरक्षण, शिक्षा, रोजगार और आर्थिक अवसरों की समानता जैसे प्रश्नों पर संगठन को लगातार संवाद करना होगा। मतदाता सूची में किसी योग्य नागरिक का नाम छूटना भी सामाजिक न्याय से जुड़ा सवाल है, क्योंकि मताधिकार नागरिक की राजनीतिक पहचान और भागीदारी का आधार है।

मुंगेर जिला कांग्रेस कमेटी के ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष राकेश कुमार मंडल की जिम्मेदारी भी इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय मंचों पर उठे सवालों को स्थानीय स्तर तक ले जाना जिला संगठनों का काम है। मतदाता सूची में नामों की जांच, नए मतदाताओं का पंजीकरण और नाम हटाए जाने से संबंधित शिकायतों में नागरिकों की सहायता जैसे कामों से ही यह अभियान व्यावहारिक रूप ले सकता है।

बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू के नेतृत्व में प्रदेश संगठन के सामने भी यही चुनौती है। संगठनात्मक विस्तार के साथ पिछड़े, अति पिछड़े, दलित, महिला और युवा वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। बिहार कांग्रेस को गठबंधन की राजनीति के साथ अपनी स्वतंत्र संगठनात्मक पहचान और जमीनी सक्रियता भी मजबूत करनी होगी।विभिन्न प्रदेशों की भागीदारी और विपक्षी एकता

रामलीला मैदान की रैली की विशेषता विभिन्न राज्यों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं की भागीदारी थी। उत्तर प्रदेश से अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल से ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी, बिहार से तेजस्वी यादव, झारखंड से हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन, जम्मू-कश्मीर से फारूक अब्दुल्ला तथा महबूबा मुफ्ती और दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों से आए नेताओं ने इस आयोजन को राष्ट्रीय स्वरूप दिया। वामपंथी दलों की मौजूदगी ने भी विपक्षी एकजुटता को व्यापक बनाया।

इस भागीदारी के पीछे अलग-अलग राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां हैं। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर तृणमूल कांग्रेस की आशंकाएं हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने नाम हटाए जाने के सवाल उठाए हैं। बिहार में भी मतदाता अधिकार और चुनावी पारदर्शिता का मुद्दा राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। झारखंड सहित दूसरे राज्यों के नेताओं ने भी इस प्रश्न को लोकतांत्रिक अधिकारों से जोड़ा। अखिलेश यादव ने अपने भाषण में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मुद्दे को उठाया। तेजस्वी यादव ने इसे मतदाताओं के अधिकारों की लड़ाई बताया। ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। इस तरह अलग-अलग प्रदेशों की राजनीतिक चिंताएं एक साझा मंच पर सामने आईं।

संक्षिप्त समाचार

ईरान समझौता करना चाहता है, बातचीत सही दिशा में, सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी खुला : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका के साथ ईरान समझौता करना चाहता है और दोनों देशों के बीच बातचीत अच्छी चल रही है। हालांकि, उन्होंने ईरान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह समझौता करने के बाद पीछे हट जाता है। फ्लोरिडा में हैलोवीन पार्टी के दौरान पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन यह देखना होगा कि क्या वह वास्तव में किसी समझौते पर पहुंचने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''वे समझौता करना चाहते हैं। हम देखेंगे कि वे ऐसा कर पाते हैं या नहीं।'' ट्रंप ने कहा कि ईरान बहुत भरोसेमंद नहीं है। वह पहले समझौता करता है और फिर उससे पीछे हट जाता है। इसके बावजूद अमेरिका बातचीत को लेकर जल्दबाजी में नहीं है। उन्होंने कतर की मध्यस्थता में चल रही बातचीत की समयसीमा को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि अमेरिका को कोई खास जल्दबाजी नहीं है। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि 'अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में ईरान की नौसेना, वायुसेना और हथियार निर्माण की क्षमताओं को भारी नुकसान पहुंचाया गया है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े 'पिकएक्स माउंटेन' को निशाना बनाने की धमकी भी दोहराई। उन्होंने कहा कि अमेरिका चाहे तो इस ठिकाने पर बहुत तेजी से हमला कर सकता है। अमेरिका का दावा है कि इस पहाड़ी के नीचे ईरान का परमाणु ठिकाना मौजूद है। ईरान पर दोबारा सैन्य हमले का आदेश देने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने सवाल को 'बेवकूफाना' बताया। उन्होंने कहा, ''मान लीजिए कि मैंने ऐसा करने का फैसला किया, तो क्या मैं आपको पहले बता दूंगा? मैं यह नहीं बता सकता।

घड़ी के शीशे बनाने वाली झोउ छुनफेई अब चीन की सबसे अमीर महिला बनीं

बीजिंग, एजेंसी। चीन की एक महिला ने फैक्टरी में काम करने से लेकर देश की सबसे अमीर महिला बनने तक का सफर तय किया है। 56 साल की झोउ छुनफेई ने किशोरावस्था में ही स्कूल छोड़ दिया था। इसके बाद उन्होंने एक फैक्टरी में काम शुरू किया। आज वह ग्लास बनाने वाली कंपनी लेंस टेक्नोलॉजी की संस्थापक हैं। उनकी अनुमानित संपत्ति 1.27 लाख करोड़ युआन यानी करीब 1.80 लाख करोड़ रुपये है। 28 अक्तूबर को जारी हुरुन की 2026 की चीन की सबसे अमीर महिलाओं की सूची में झोउ ने फिर पहला स्थान हासिल किया है। पिछले एक साल में उनकी संपत्ति 15% बढ़ी है। एपल के आईफोन से बदली किस्मत झोउ को बड़ी कामयाबी 2007 में मिली, जब उसे एपल के शुरुआती आईफोन के लिए ग्लास कवर बनाने का ऑर्डर मिला। इसके बाद एपल का कारोबार लेंस की कमाई का बड़ा स्रोत बन गया। हुरुन एक वैश्विक शोध और प्रकाशन संस्थान है, जो 1999 से चीन की सबसे अमीर महिलाओं की सूची जारी कर रहा है। यह सूची चीन के सबसे अमीर लोगों की समग्र सूची से अलग है। इसमें परिवारों या दंपतियों की संयुक्त संपत्ति के बजाय महिलाओं की व्यक्तिगत संपत्ति का आकलन किया जाता है, जिसे परिवार की संपत्ति से अलग पहचाना जा सके।

समुद्र में 352किलोमीटर की गहराई पर केंद्र; सुनामी का अलर्ट नहीं

टोक्यो, एजेंसी। जापान के मी प्रांत के तट के पास रविवार सुबह 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप का केंद्र भूकंप का केंद्र मी प्रांत की राजधानी त्सु से करीब 110 किलोमीटर दक्षिण में था। त्सु की आबादी 2.5 लाख से ज्यादा है। भूकंप समुद्र में जमीन से 352 किलोमीटर की गहराई में आया। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। फिलहाल किसी के घायल होने या जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। यूरोपियन-मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर की वेबसाइट पर लोगों ने बताया कि झटके काफी देर तक महसूस हुए। शुरुआत में हल्के झटके लगे, जो धीरे-धीरे तेज होते गए। जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यह चार बड़े टेक्टोनिक प्लेटों पर बसा है और प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है। हर साल यहां करीब 1500 भूकंप आते हैं, जिनमें से ज्यादातर हल्के होते हैं। जापान के नोटो द्वीप में 2024 में आए भूकंप में करीब 600 लोग मारे गए थे। 2011 में 9.0 तीव्रता के भूकंप और सुनामी ने 18 हजार से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी।

इजराइल में बहुमत के दूर नेतन्याहू, अरब पार्टियां बनेंगी किंगमेकर !

वाशिंगटन, एजेंसी। इजराइल के संसदीय चुनाव का नतीजा स्पष्ट नहीं रहा है. प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाला दक्षिणपंथी गुट (लिकुड के नेतृत्व में) सबसे बड़ा राजनीतिक समूह बनकर उभरा है, लेकिन सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत से पीछे रह गया है. अरब-नेतृत्व वाली पार्टियों के अच्छे प्रदर्शन ने राजनीतिक समीकरण को और उलझा दिया है. इससे देश की सत्ता किसके हाथ में होगी, यह तय करने में उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है.

28 अक्टूबर को आई ताजा रिपोर्टों से चुनाव के मुख्य विरोधाभास की तस्वीर और साफ हो गई है. लगभग 92 प्रतिशत वोटों की गिनती के बाद, द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू के गुट को 53 सीटें, यहूदी विपक्षी गुट को 48 सीटें और अरब-नेतृत्व वाली पार्टियों को 19 सीटें मिलने का अनुमान है. नेतन्याहू बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों के आंकड़े से 8 सीटें पीछे रह जाएंगे. वहीं, अगर अरब-नेतृत्व वाली पार्टियां विपक्ष का समर्थन करती हैं, तो विपक्ष 67 सीटों तक पहुंच सकता है. इस गणित की वजह से बातचीत में अरब-नेतृत्व वाली पार्टियां अहम हो गई हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि विपक्ष की सरकार बन ही जाएगी. चुनाव प्रचार के दौरान, यहूदी विपक्ष के कई नेताओं ने अरब पार्टियों के साथ गठबंधन करने का विरोध किया था, जबकि नेतन्याहू ने भी उनके समर्थन पर निर्भर रहने से इनकार कर दिया है.



जॉइंट लिस्ट जो इजराइल में अरब-बहुसंख्यक राजनीतिक दलों का एक गठबंधन है, 2015 के चुनाव से पहले हदाश, बलाद, राआम और ताल ने मिलकर बनाया था. इसके बावजूद, इस गठबंधन ने नेतन्याहू को सत्ता से हटाने में मदद करने की इच्छा जताई है. इससे आइसेनकोट पर यह तय करने का दबाव बढ़ गया है कि क्या उन्हें उन पार्टियों के साथ बातचीत करनी चाहिए, जिनकी राष्ट्रीय पहचान और फिलिस्तीनी मुद्दे पर उनसे बिल्कुल अलग राय है. इजराइल के लिए इन चुनावों के क्या मायने हैं - इन चुनावों ने नेतन्याहू के इस दावे को कमजोर कर दिया है कि उनकी सरकार अपने आप बनी रहेगी, भले ही लिकुड अभी भी सबसे बड़ी पार्टी बनी हुई है. उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे विपक्ष को अपनी संसदीय ताकत और अरब पार्टियों के समर्थन को एक साथ लाने से रोकें. यह फर्क समझना जरूरी है. नेतन्याहू अपने राजनीतिक करियर में कई संकटों से उबर चुके हैं. इससे पहले भी उनके विरोधी, जनता की नाराजगी को एक मजबूत गठबंधन सरकार में बदलने में नाकाम रहे हैं. छोटी पार्टियों के साथ बातचीत करने, धार्मिक गुटों का समर्थन बनाए रखने और अपने विरोधियों के बीच मौजूद मतभेदों का फायदा उठाने की उनकी क्षमता अभी भी अहम है. साथ ही, इन नतीजों ने उनकी राजनीतिक रणनीति की सीमाएं भी उजागर कर दी हैं. जो सरकार बहुत मामूली संसदीय बहुमत पर टिकी हो, उसे सैन्य सेवा से छूट, बस्तियों से जुड़ी नीति, बजट और गाज़ा के भविष्य जैसे मुद्दों पर फिर से अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज में सेंटर ऑफ वेस्ट एशियन स्टडीज के एसोसिएट प्रोफेसर मुदस्सिर कमर के अनुसार, अभी स्थिति यह है कि किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत नहीं मिला है, लेकिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाले गठबंधन को सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं. कमर ने ईटीवी भारत से कहा, 'लेकिन यह अभी भी बहुमत के आंकड़े से कम है, जिसका मतलब है कि सरकार बनाने के लिए उन्हें किसी दूसरी पार्टी या छोटे समूह के समर्थन की जरूरत होगी.' उन्होंने आगे कहा, 'सबसे बड़े गठबंधन के नेता के तौर पर, इजरायल के राष्ट्रपति सरकार बनाने के लिए सबसे बड़े गठबंधन के नेता को आमंत्रित करेंगे, जो कि नेतन्याहू का गठबंधन है. इसलिए, प्रधानमंत्री नेतन्याहू के नेतृत्व में सरकार बनेगी. उन्होंने बताया कि इसके बाद नेतन्याहू को अपना बहुमत साबित करना होगा. कमर ने कहा, 'अगर वह बहुमत साबित करने में विफल रहते हैं, तो फिर दूसरे गठबंधन या पार्टी के नेता को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया जाएगा. उन्हें भी अपना बहुमत साबित करना होगा. इस बीच, जब तक नई सरकार नहीं बन जाती, तब तक नेतन्याहू कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहेंगे. कमर ने बताया कि देश में हंग पार्लियामेंट (त्रिशंकु संसद) जैसी स्थिति है. उन्होंने समझाया, 'जब तक कोई एक पार्टी या गठबंधन बहुमत साबित नहीं कर देता, तब तक एक कार्यवाहक सरकार बनी रहेगी. चुनावों में अरब समुदाय की ऐतिहासिक भागीदारी के कारण, अरब पार्टियां एक बेहतर स्थिति में आ गई हैं, हालांकि मैं उन्हें किंगमेकर तो नहीं कहूंगा. कमर ने आगे कहा कि इजराइल की कोई भी पार्टी अरब समुदाय के पूर्ण समर्थन और भागीदारी के साथ सरकार नहीं बनाना चाहेगी, क्योंकि ऐसा करना मुश्किल होगा. उन्होंने कहा, 'इसके लिए कुछ ऐसे समझौते करने पड़ सकते हैं, जिनके लिए शायद वे तैयार न हों. इसलिए, अब देखना होगा कि आगे क्या होता है।

रूसी ड्रोन से बचने गैस पाइपलाइनों में छिपे यूक्रेनी सैनिक

कीव, एजेंसी। रूस-यूक्रेन जंग अब अपने पांचवे साल में हैं। ऐसे में रूस के लगातार ड्रोन हमलों ने यूक्रेन के सैनिकों के लिए जमीन पर खुलेआम चलना मुश्किल कर दिया है। वे पुरानी गैस पाइपलाइनों के अंदर छिपकर रह रहे हैं। करीब 4 फीट चौड़ी इन सुरंगों में सैनिकों को कई हफ्तों से लेकर दो महीने तक गुजारने पड़ते हैं। कभी रूस से यूरोप तक गैस पहुंचाने वाली ये पाइपलाइन अब यूक्रेनी सैनिकों को खाना, हथियार और दूसरी जरूरी चीजें पहुंचाने का रास्ता बन गई हैं।

रूस ने पहले किया था पुरानी पाइपलाइनों का इस्तेमाल : यूक्रेन के कुपियांस्क इलाके में पुरानी गैस पाइपलाइनों का करीब 129 किलोमीटर लंबा नेटवर्क है। पिछले साल के आखिर में रूसी सैनिक इन्हीं पाइपलाइनों के जरिए कुपियांस्क में घुसने में कामयाब हुए थे। इसके बाद यूक्रेनी सेना ने भी जमीन के नीचे से जवाबी कार्रवाई की योजना बनाई। इसके बाद यूक्रेन की नेशनल गार्ड की खुफिया इकाई ने इन पाइपलाइनों के नक्शे जुटाए। साथ ही, इन्हें बनाने वाले पुराने गैस विशेषज्ञों की मदद से भूमिगत रास्तों का इस्तेमाल करने की योजना तैयार की। इसके बाद पाइपलाइनों में हवा पहुंचाने के लिए वेंटिलेशन सिस्टम लगाया गया। यह इस पूरे काम का सबसे मुश्किल हिस्सा था।

दिन में पहुंचता है खाना और गोला-बारूद : इन पाइपलाइनों के जरिए सैनिकों तक खाना और गोला-बारूद पहुंचाया जाता है। इसके लिए छोटी इलेक्ट्रिक गाड़ियों का इस्तेमाल होता है। दिन में इन गाड़ियों से जरूरी सामान अंदर भेजा जाता है, जबकि रात में खुदाई से निकली मिट्टी की बोरियां बाहर लाई जाती हैं। सैनिक सिर्फ रात में ही कुछ समय के लिए बाहर निकल पाते हैं।

सैनिक संकरे रास्तों के कारण घुटनों पर रेंगते हैं : इन पाइपलाइनों के अंदर सैनिकों को काफी मुश्किल हालात में रहना पड़ता है। रास्ते इतने संकरे हैं कि उन्हें झुककर या घुटनों के बल रेंगते हुए आगे बढ़ना पड़ता है। वहां न सूरज की रोशनी पहुंचती है और न ही ताजी हवा मिलती है। शौचालय के लिए सैनिक प्लास्टिक के बैग और बोतलों का इस्तेमाल करते हैं। पाइपलाइनों में गैस के बचे हुए अंश, धूल और हवा की कमी भी उनके लिए खतरा पैदा करती है।

थर्मल इमेजिंग की वजह से पकड़े जाना आसान : ड्रोन और थर्मल इमेजिंग तकनीक ने खुले मैदान में सैनिकों की आवाजाही को बेहद खतरनाक बना दिया है। थर्मल इमेजिंग की मदद से ड्रोन जमीन पर मौजूद लोगों के शरीर की गर्मी पहचान सकते हैं।

ऐसे में सैनिकों के लिए छिपकर आगे बढ़ना भी आसान नहीं रह गया है। इसी वजह से यूक्रेन अपनी सेना के ठिकानों, निगरानी चौकियों और सामान रखने वाले केंद्रों को आपस में जोड़ने के लिए भूमिगत सुरंगों का नेटवर्क बनाने की संभावनाएं तलाश रहा है।

अटलांटा में जी20 विदेश मंत्रियों की वार्ता बेनतीजा खत्म, यूक्रेन युद्ध पर मतभेद से संयुक्त बयान अटका

अटलांटा, एजेंसी। दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी20 के शीर्ष राजनयिक दो दिन की वार्ता के बाद शनिवार को कई अहम वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर आम सहमति बनाने में नाकाम रहे। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर मतभेदों का असर अटलांटा में हुई बैठक की शुरुआत से ही दिखाई दिया। इस कारण समूह ने संयुक्त बयान जारी नहीं किया।

इसके बजाय अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बैठक के बाद अध्यक्ष का बयान जारी किया, जिसमें चर्चा का सार और ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा तथा समुद्री मार्गों से आवागमन की स्वतंत्रता जैसी प्राथमिकताओं का उल्लेख किया गया। इसमें किसी सहमति या समझौते की जानकारी नहीं दी गई। रुबियो ने कहा कि इन समस्याओं के सर्वमान्य समाधान के करीब पहुंचने का दावा नहीं किया जा सकता।

हालांकि, उन्होंने कहा कि जी20 के कुछ देश आपूर्ति शृंखला और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं। रुबियो ने शुक्रवार को एकता की अपील के साथ वार्ता शुरू की थी, लेकिन रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की मौजूदगी पर यूरोपीय राजनयिकों की आपत्ति के बाद विदेश मंत्रियों की पारंपरिक 'समूह तस्वीर' (ग्रुप फोटो) रद्द कर दी गई। यूरोपीय प्रतिनिधियों ने तस्वीर का बहिष्कार करने की चेतावनी दी थी।

पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की ने कहा कि युद्धों में शामिल देशों के एक साथ मेज पर होने के कारण साझा रुख पर सहमति बनाना मुश्किल है। राजनयिकों के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल का युद्ध, अमेरिकी शुल्क और दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों को लेकर मतभेद बने हुए हैं। बैठक के दौरान ईरान में अमेरिका के नए सैन्य हस्तक्षेप की आशंका भी चर्चा में रही। इससे सऊदी अरब सहित पूरे क्षेत्र में चिंता बढ़ी है। रुबियो ने शुक्रवार को सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान और तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान से मुलाकात की थी।

'नेपाल: ट्रेकिंग के दौरान छह भारतीय पर्यटक लापता, भारी बर्फबारी के बीच सेना ने शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशन

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के हिमालयी क्षेत्र में भारी बर्फबारी के बाद छह भारतीय पर्यटक लापता हो गए हैं। इनमें दो महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। सभी पर्यटक नेपाल की सबसे गहरी झीलों में से एक शे-फोक्सुंडो की ट्रेकिंग पर निकले थे। अधिकारियों ने समाचार एजेंसी एएनआई को इसकी पुष्टि की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पर्यटक डोल्पो बुद्ध ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड नंबर चार और आठ से झील की ओर जा रहे थे। उन्हें आखिरी बार शे-फोक्सुंडो ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड चार और आठ के बीच स्थित नुमला पास और बागला पास के इलाकों में देखा गया था।

अभी क्यों हुई बर्फबारी : स्थानीय गाइडों को आशंका है कि बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे चक्रवात अर्नब के प्रभाव से हुई भारी बर्फबारी के कारण पर्यटक पहाड़ों में फंस गए हैं। बताया जा



रहा है कि स्थानीय लोगों ने उन्हें खराब मौसम और पहाड़ी दर्रों में खतरनाक परिस्थितियों को देखते हुए आगे नहीं बढ़ने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद पर्यटकों ने अपनी यात्रा जारी रखी। माना जा रहा है कि ऊंचाई वाले इलाके से लौटते समय वे बर्फ में फंस गए। डोल्पा की मुख्य जिला अधिकारी जुनू हमाल ने बताया कि पर्यटक फोक्सुंडो झील की ओर लौटते समय रास्ते में फंस गए। उन्होंने कहा कि आगे बढ़ने से पहले स्थानीय लोगों ने उन्हें मौसम और पहाड़ी रास्तों की कठिन परिस्थितियों के बारे में आगाह किया था।

पर्यटकों से संपर्क करना मुश्किल क्यों : शे-फोक्सुंडो ग्रामीण नगरपालिका के अध्यक्ष धावा समदुक गुरंग ने बताया कि पहाड़ी दर्रों में मोबाइल नेटवर्क नहीं रहता। इससे लापता पर्यटकों से संपर्क करना मुश्किल हो रहा है। उनके मुताबिक वार्ड चार और आठ के बीच मोबाइल फोन सेवा नहीं है। ऐसे में पर्यटकों की मौजूदा स्थिति और उनके ठिकाने के बारे में जानकारी जुटाना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। लापता पर्यटकों की तलाश के लिए प्रशासन ने रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया है। हालांकि, भारी बर्फबारी और खराब मौसम के कारण ऊंचाई वाले इलाकों में बचाव अभियान प्रभावित हो रहा है। डोल्पा पुलिस उपाधीक्षक अनिल राज गिरि ने बताया कि ताजा जानकारी के मुताबिक, सभी छह भारतीय पर्यटकों से संपर्क नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने संबंधित एजेंसी से बचाव अभियान में मदद के लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था करने का अनुरोध किया है। लापता पर्यटकों का पता लगाने और उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए नेपाली सेना की एक टीम भी तैनात की गई है। मोबाइल नेटवर्क की अनुपलब्धता, भारी बर्फ और दुर्गम पहाड़ी रास्तों के कारण बचाव दलों को पर्यटकों की सटीक लोकेशन पता लगाने में मुश्किल हो रही है। जिला प्रशासन कार्यालय के अनुसार, अपर डोल्पा पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या 244 है। इनमें 149 नेपाली नागरिक, सार्क देशों के 44 पर्यटक और अन्य देशों के 51 पर्यटक शामिल हैं।

'इस्राइल जनादेश: पीएम चुनने का विधेयक ला सकता है विपक्षी दल, बदू महिलाओं ने कैसे पलटा नेतन्याहू का चुनावी पासा?

यरूशलम, एजेंसी। उम्म खालिद फतून पिछले साल युद्ध पीड़ितों के लिए बने एक यहूदी-अरब सहायता केंद्र में स्वयंसेवा करके लौटीं तो उन्होंने देखा कि बुलडोजर अजारनुग गांव में उनके बेटे के घर को ढहा रहे थे। पुलिस की निगरानी में आई टीम ने घर पर बुलडोजर चलाने से पहले फर्नीचर या सोलर पैनल तक हटाने का मौका नहीं दिया। अब, इस हफ्ते जब फतून को मौका मिला तो उन्होंने अपनी नाराजगी का जवाब इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सत्तारूढ़ गठबंधन के खिलाफ मतदान करके दिया। उनका सीधा निशाना राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री बेन-ग्विर थे जिन्होंने फलस्तीनी और अरब समुदाय के लोगों के घरों को व्यापक स्तर पर ढहाने का आदेश दिया था। फतून कहती हैं, बेन-



ग्विर को सत्ता से बाहर करना ही मेरा एकमात्र मकसद था। बदू समुदाय में ऐसा एक भी परिवार नहीं है जो हमारे खिलाफ उसके अभियानों से पीड़ित न हुआ हो। चुनाव से कुछ हफ्ते पहले फतून ने बदू महिलाओं को उनके अधिकारों और राजनीतिक ताकत के प्रति जागरूक करने के लिए जमीनी स्तर पर बाकायादा अभियान शुरू किया। इसके शानदार नतीजे भी दिखे, और चुनाव में दक्षिणी नेगेव इलाके के कुछ बदू गांवों में मतदान प्रतिशत तीन गुना तक बढ़ गया।

हमें अपने हर वोट की ताकत झोंकनी होगी : अल-नश्मियात अभियान का नेतृत्व करने वाली वकील हनान अलसनाह ने कहा, वर्षों के हिंसक शासन ने इस रूढ़िवादी समुदाय में बदलाव का दरवाजा खोल दिया है। हमने महिलाओं से कहा कि भले सभी पुरुष वोट दें फिर भी समुदाय का आधा हिस्सा ही होंगे। आपको अपने हर वोट की ताकत चाहिए, क्योंकि बेन-ग्विर के पास बहुत ताकत है।

62% से 93% तक दर्ज की गई वोटिंग : बदू समुदाय इस्राइली संसद नेसेट में अरब पार्टियों को 19 सीटें दिलाकर किंगमेकर की भूमिका में ला दिया। बदू समुदाय में सबसे कम मतदान 62% रहा, जबकि सबसे ज्यादा मतदान 93% दर्ज किया गया। उनके उत्साह से ही रआम पार्टी को चुनावी अनुमानों से काफी अधिक सफलता मिली। इस्राइल में सरकार गठन में राजनीतिक गतिरोध को तोड़ने के लिए विपक्षी गुट अरब पार्टियों के समर्थन पर निर्भर रहे बिना अल्पमत सरकार बनाने के लिए सीधे प्रधानमंत्री चुनने से संबंधित विधेयक लाने पर विचार कर रहा है। यह प्रस्ताव लागू होने पर मतदाता सरकार से अलग सीधे पीएम पद के लिए वोट डाल सकेंगे।

ट्रम्प की नेतन्याहू से फोन पर बात:बाद में बोले- ईरान के 1-2 ठिकाने और उड़ाना बाकी



वॉशिंगटन डीसी/तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से शनिवार को फोन पर बातचीत की। यह जानकारी वॉल स्ट्रीट जर्नल ने दी। इसके बाद रविवार को ट्रम्प ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े एक या दो ठिकाने अभी उड़ाना बाकी हैं। इनमें पिकैक्स माउंटेन भी शामिल है। वहीं, अमेरिकी न्यूज चैनल एमएस नाउ ने बताया कि वॉशिंगटन ने खाड़ी देशों को ईरान पर नए हमलों के लिए तैयार रहने को कहा है। ये हमले 4 नवंबर से शुरू हो सकते हैं। यह तारीख अमेरिका में मिडटर्म चुनाव के अगले दिन की है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने हाल के हफ्तों में पश्चिम एशिया में हवाई सुरक्षा सिस्टम, गोला-बारूद और सैन्य उपकरणों की तैनाती बढ़ाई है। साथ ही, उसने अपने सैनिकों और सैन्य सामान को उन ठिकानों से दूसरी जगह भेजना शुरू कर दिया है, जहां ईरान हमला कर सकता है। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों का मानना है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड और इजराइल ने हमले की तैयारी कर ली है। इजराइली न्यूज चैनल चैनल 12 के मुताबिक, पिछले हफ्ते अमेरिका के 10 सैन्य मालवाहक विमान इजराइल पहुंचे थे। इनमें हवाई हमलों से बचाव के लिए जरूरी उपकरण होने की बात कही जा रही है। इनका इस्तेमाल क्षेत्र में अमेरिकी और उसके सहयोगी देशों के सैन्य ठिकानों की सुरक्षा के लिए किया जाएगा। इससे पहले, दो हफ्ते पहले इजराइल के कई लड़ाकू विमानों ने ईरान की सीमा तक उड़ान भरी थी और फिर वापस लौट आए थे। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, यह एक सैन्य अभ्यास का हिस्सा था। ट्रम्प इन दिनों 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के आखिरी प्रचार अभियान में जुटे हैं। इन चुनावों में अमेरिकी संसद के लिए प्रतिनिधि चुने जाएंगे। ईरान के साथ युद्ध और अमेरिका में ईंधन की बढ़ती कीमतें रिपब्लिकन पार्टी के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। ट्रम्प चुनाव के आखिरी दिनों में अपनी पार्टी के समर्थन को बढ़ाना चाहते हैं। इसी वजह से अमेरिका ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की तारीख आगे बढ़ाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान भी अमेरिकी चुनाव से पहले बातचीत को जानबूझकर लंबा खींच रहा है।

'एस.जयशंकर: 'क्वाड देशों में चुनने की आजादी जरूरी', सप्लाई चेन और आर्थिक सुरक्षा पर और क्या बोले विदेश मंत्री?

अटलांटा , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को क्वाड के लिए 'चुनने की स्वतंत्रता', मजबूत सप्लाई चेन और गैर-बाजार प्रथाओं के खिलाफ कार्रवाई को मुख्य प्राथमिकता बताया। इसके साथ ही, उन्होंने इस समूह के एजेंडे के लिए एक अधिक समकालीन और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की वकालत की। अटलांटा में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद, एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में जयशंकर ने उन प्रमुख मुद्दों का जिक्र किया, जिन पर उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, जापानी विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ चर्चा की थी।

जयशंकर ने क्या कहा : समूह की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, 'हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखना, समृद्धि को बढ़ावा देना और पसंद की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना हमारी निरंतर प्रतिबद्धताएं हैं।' उन्होंने टेक्नोलॉजी, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा क्षेत्रों में मजबूत सप्लाई चेन बनाने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बेहतर सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

गैर-बाजार प्रथाओं का भी किया जिक्र : जयशंकर ने चर्चा के दौरान उठाई गई प्राथमिकताओं में इंडो-पैसिफिक में गैर-बाजार



प्रथाओं का मुकाबला करने और बढ़ते आर्थिक दबावों को भी शामिल किया। हालांकि, उनकी पोस्ट में किसी देश का नाम नहीं लिया गया और न ही यह बताया गया कि किन विशिष्ट प्रथाओं की बात हो रही है। क्षेत्रीय सुरक्षा के संदर्भ में, उन्होंने आतंकवाद-रोधी, समुद्री सुरक्षा और क्षमता निर्माण से जुड़े मौजूदा समझौतों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया, ताकि मजबूती बढ़ाई जा सके और शांति व स्थिरता को समर्थन मिले।

एआई को लेकर क्या चर्चा हुई : मंत्रियों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भरोसेमंद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तक पहुंच बेहतर बनाने के लिए 85 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की तकनीकी और वित्तीय सहायता देने की इच्छा जताई। इसमें 'क्वाड एआई एक्सेलेरेटर' के माध्यम से दी जाने वाली मदद भी शामिल है। विज्ञप्ति में सुपर इंटेलिजेंस का भी जिक्र किया गया है, जिसके साथ एक फुटनोट में स्पष्ट किया गया है कि यह शब्द भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित है। मंत्रियों ने भारत और आसियान देशों में कचरे से महत्वपूर्ण खनिज निकालने की सुविधाओं के लिए वाशिंगटन द्वारा 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर देने के वादे का स्वागत किया। यह राशि केवल भारत के लिए नहीं है। ये चारों साझेदार देश, इलेक्ट्रॉनिक कचरे और कबाड़ से खनिज निकालने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि किसी एक आपूर्तिकर्ता पर निर्भरता कम की जा सके। वे रीसाइकल होने वाली सामग्रियों को एक देश से दूसरे देश भेजने की प्रक्रिया को और सरल बनाने के तरीकों पर भी विचार करेंगे। समुद्री सहयोग के तहत, चारों देशों के प्रतिनिधियों ने 25 सितंबर से 7 अक्तूबर के बीच चेन्नई से पर्थ तक भारतीय तटरक्षक बल के एक गश्ती जहाज पर यात्रा की। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। इनका सहयोग समुद्री और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि, महत्वपूर्ण व उभरती प्रौद्योगिकियों, तथा मानवीय सहायता और आपातकालीन प्रतिक्रिया जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है। इसके साथ ही विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत ने जी20 को बताया कि ऊर्जा आपूर्ति का राजनीतिकरण बहुत हानिकारक है।

सर्दी के साथ लौट रहा जुकाम

ये आसान घरेलू नुस्खे रखेंगे आपका ख्याल



क्या आप जानते हैं जुकाम की वजह बनने वाले कोल्ड वायरस करीब 200 किस्म के होते हैं।

सर्दी का मौसम आ गया है और इसमें सबसे ज्यादा जुकाम के मामले सामने आते हैं। इसमें लगातार छींकें आने की वजह से सिरदर्द और बदन दर्द बना रहता है। मानसून से लेकर सर्दी आने तक लोग इसके कई-कई बार शिकार होते हैं। क्या आप जानते हैं जुकाम की वजह बनने वाले कोल्ड वायरस करीब 200 किस्म के होते हैं।

अक्सर इससे निजात पाने के लिए लोग सामान्य दवाइयों का इस्तेमाल करते हैं। इस अवस्था में पहले 24 घंटे काफी निर्णायक होते हैं। क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के वायरलॉजिस्ट प्रोफेसर जॉन ऑक्सफोर्ड इसके शुरुआती स्टेज और इससे मुक्ति पाने के तरीकों के बारे में बताते हैं।

प्रोफेसर ऑक्सफोर्ड ने बताया कि जुकाम का कारण बनने वाले ये वायरस कभी भी और कहीं भी आपको घेर सकते हैं। आपको शायद अंदाजा नहीं होगा, लेकिन एक बार सांस लेने पर 10,000 से भी ज्यादा वायरस निमंत्रण दे सकते हैं, लेकिन इनमें से करीब 100 ही ऐसे वायरस होते हैं जो नाक और गले के एपीथेलियन सेल्स पर वार करते हैं। इनसे बचने के लिए आपको कई विशेष बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

ऐसे पाएं राहत

- विशेषज्ञों का दावा है कि शहद और नींबू का मिश्रण जुकाम में राहत देने में काफी मददगार है।
- कोई भी काम करने से पहले साबुन से अच्छी तरह हाथ धोएं। किसी भी पीड़ित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचें।
- साल 2000 में हुई एयूएस स्टडी के मुताबिक, इस कंडीशन में चिकन सूप सबसे अच्छा खाद्य पदार्थ माना जाता है। ये जुकाम में जल्द से जल्द राहत देने में कारगर है।
- इस दौरान ऐसी चीजों का सेवन करें जो विटामिन सी युक्त हों। इसके साथ ही अगर आपके पार्टनर को जुकाम है तो उसके साथ बेड शेयर न करें।

सूखी खांसी से हैं परेशान तो शहद, अदरक और मुलेठी आएंगी आपके काम



- खांसी की समस्या दूर करने के लिए शहद, अदरक और मुलेठी बहुत फायदेमंद होती है। इसका सेवन आपकी सूखी खांसी को जल्द से जल्द ठीक कर देता है। तो आइए आपको बताते हैं कि इन तीनों का कैसे सेवन करके खांसी की समस्या को दूर करें।
- शहद और अदरक दोनों में औषधीय गुण होते हैं, जो इम्यूनिटी बूस्ट करने में भी मदद करते हैं। इसके साथ ही अदरक में एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं जो खांसी ठीक करने में मदद करते हैं। इन तीनों चीजों का सेवन सिर्फ खांसी ही नहीं, बल्कि गले के लिए भी फायदेमंद होता है।
- सूखी खांसी को दूर करने के लिए एक चम्मच शहद में थोड़ा सा अदरक का जूस मिला लें। उसके कुछ समय बाद मुंह में मुलेठी की छोटी सी डंडी रख लें। इससे आपका गला भी नहीं सूखेगा, इसके साथ ही सूखी खांसी से आराम भी मिलेगा।
- इसका सेवन करने से खांसी के साथ आपका गला भी ठीक रहता है। आपको किसी भी तरह की गले से संबंधित समस्या नहीं होती है।

आंखों की रोशनी इस तरह बढ़ाएं

डाइट में शामिल करनी होंगी ये जीचें

आजकल समय से पहले लोगों की आखों की रोशनी कमजोर होने लगी है, क्योंकि बदलती लाइफ स्टाइल के साथ ही हम सभी को कुछ घंटे मोबाइल या कंयूटर स्क्रीन के सामने रहना होता है, लेकिन यदि हम अपने खान-पान पर थोड़ा सा ध्यान दें तो शायद इस समस्या को बढ़ने से रोका जा सकता है। जानें उन 4 चीजों के बारे में जिनके रोज खाने से आखों की रोशनी दुरुस्त रहती है-



हरी सब्जियां

अपनी डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियों में आयरन की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो आंखों के लिए बहुत ही जरूरी है।

गाजर

गाजर का जूस पीना सेहत के लिए तो अच्छा है ही साथ ही आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। रोजाना एक गिलास गाजर का जूस पीने से आंखों पर चढ़ा चश्मा तक उतर सकता है।

बादाम का दूध

सप्ताह में कम से कम तीन बार बादाम का दूध पिएं। इसमें विटामिन ई होता है, जो कि आंखों में किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए फायदेमंद है।

अंडे

अंडे में अमीनो एसिड, प्रोटीन, सल्फर, लैक्टिन, ल्युटिन, सिस्टीन और विटामिन बी2 होता है। विटामिन बी सेल के कार्य करने में महत्वपूर्ण होता है।

मछली

मछली में हाई प्रोटीन होता है। मछली आंखों के अलावा बालों के लिए भी बहुत अच्छी होती है।

सोयाबीन

आप अगर नॉन वेज नहीं खाते, तो आप सोयाबीन खा सकते हैं, यह आपकी आंखों के लिए बहुत फायदेमंद है।

रेसिपी



उड़द दाल सब्जी

सामग्री

■ उड़द दाल: 1 कप ■ प्याज: 1 (बारीक कटा) ■ हरी मिर्च: 1 (बारीक कटी) ■ जीरा: 1 चम्मच ■ हींग: 1/4 चम्मच ■ हल्दी: 1/2 चम्मच ■ धनिया पाउडर: 1/2 चम्मच ■ गरम मसाला: 1/2 चम्मच ■ पानी: 1/4 कप ■ धनिया पत्ती: गॉर्निशिंग के लिए ■ तेल या घी: आवश्यकता के अनुसार ■ नमक: स्वाद के अनुसार।

विधि

उड़द दाल की सूखी सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले उसे अच्छे से धो लेंगे। इसके बाद इसे 4-5 घंटे पानी में भिंगोने के लिए रख दें। 4-5 घंटे बाद इसे प्रेशर कुकर में डालकर हल्का सा पानी डालें और 3 से 4 सीटी आने तक पका लें। अब एक पैन में घी या तेल गर्म करें। इसमें जीरा डालें फिर हींग, इसके बाद इसमें प्याज, अदरक-लहसुन पेस्ट, हरी मिर्च डालकर सुनहरा होने तक भुनें। फिर इसमें उड़द दाल, हल्दी, धनिया पाउडर, गरम मसाला, नमक डालें। अब इसे ढंककर 3-4 मिनट पकाएं। गैस बंद कर दें। ऊपर से नींबू का रस और हरी धनिया डालकर रोटी-पराठे के साथ सर्व करें।



बैंगन करी

सामग्री

■ सरसों के दाने: 1/4 टी स्पून ■ हल्दी: 1/4 टीस्पून ■ जीरा पाउडर: 1/4 टीस्पून ■ जीरा पाउडर: 1 टीस्पून ■ धनिया पाउडर: 1 टेबलस्पून ■ लाल मिर्च पाउडर: 1 टेबलस्पून ■ अदरक-लहसुन का पेस्ट: 1 टेबलस्पून ■ तेल: 3 टेबलस्पून ■ टमाटर: 100 ग्राम ■ प्याज: 100 ग्राम ■ बैंगन: 150 ग्राम ■ आलू: 150 ग्राम ■ बारीक कटा हरा धनिया ■ नमक : स्वाद के अनुसार ।

विधि

कुकर में तेल गर्म करें। अब उसमें प्याज, अदरक-लहसुन का पेस्ट, टमाटर, हल्दी, मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डाल कर अच्छी तरह से मिलाएं और ढक्कन बंद कर दें। अब 15-20 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। 4-5 सीटी आने दें। पैन में तेल गर्म कर सरसों के दाने डालें। थोड़ी देर बाद उसमें जीरा, नमक और बैंगन डालें। अच्छी तरह मिलाने के बाद ढक्कन लगाकर तीन मिनट पकने दें। पानी डालें। बैंगन को हल्का मुलायम होने दें। ग्रेवी मिला कर कुछ मिनट पकने दें। उबले आलू डालकर 5 मिनट पकाएं। गैस बंद करने के बाद कटा हुआ हरा धनिया डालें। गर्मागर्म बैंगन करी को रोटी और चावल के साथ सर्व करें।

टाइम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेंगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्याकंन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

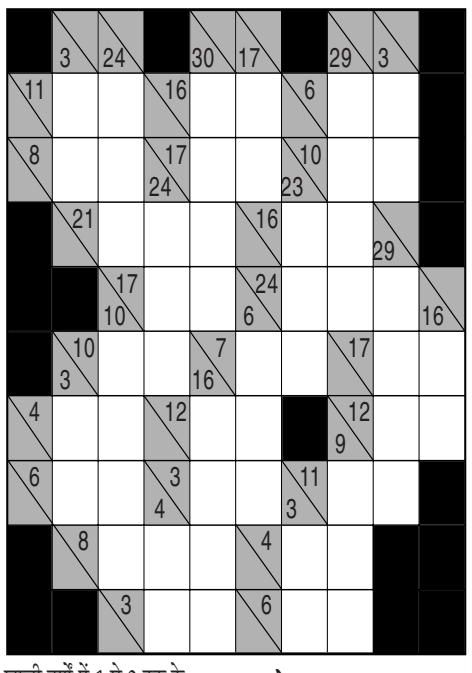
कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

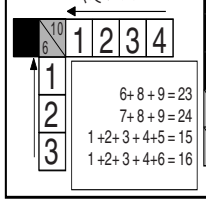
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 2635



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 2634 का हल

■	■	■	9	17	■	■	10	3
■	■	11 23	2	9	■	4	3	1
■	24 16	9	7	8	■	6 12	4	2
17	9	8	■	■	4	3	1	21
9	7	2	10	11	18	9	2	7
■	7	4	1	2	4	■	15 30	6
■	■	12 19	2	9	1	24 11	9	8
■	11 3	8	3	12	3	2	7	16
7	1	2	4	■	22	9	6	7
11	2	9	■	■	■	17	8	9

हंसी के फव्वारें

एक बूढ़ा समाज सुधारक जेल में बंद युवक चोर को देखकर बोला-'बेटे! तुम किसी बात की परवाह मत करो.जेल से बाहर निकलोगे तो मैं तुम्हारा पथ-प्रदर्शन करूंगा.'

'ठीक कहते हैं आप !' युवक चोर धीरे से बोला-'दरअसल मुझसे भूल हो गई थी जो आप जैसे बुजुर्गों के पथ-प्रदर्शन के बिना ही इस रोजगार में लग गया.'

□ □ □

एक डाक्टर के पास एक वकील बैठा हुआ था. तभी एक औरत ने आकर डाक्टर से कोई सलाह ली और चली गई. उसके जाने के बाद डाक्टर ने वकील से पूछा-'क्या मुझे इससे कुछ लेना चाहिये ?'

'क्यों नहीं !' वकील बोला-'आखिर तुमने उसे अपनी व्यापारिक सेवाएं प्रदान की हैं.'

'मैं ऐसा ही करूंगा !' डाक्टर बोला.

वकील चला गया. फिर अगले दिन डाक्टर जैसे ही बिल बनाने के लिये मेज पर पहुँचा, उसकी नजर एक बिल पर पड़ी. लिखा था-'कानूनी सेवाओं की फीस तीस रुपये.' नीचे वकील का नाम और पता लिखा हुआ था.

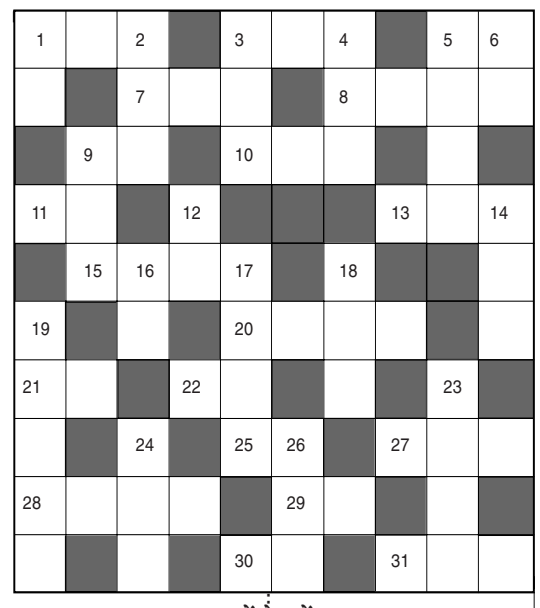
□ □ □

महिला-'सुना है आप के सिर में गोबर भरा है.'

आदमी-'जी हाँ पर क्यों ?'

महिला-'जी मुझे गोबर गैस कनेक्शन लेना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2635



ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक ?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2634

ए	ल	ओ	सी	■	जा	नी	दु	श्म	न	
क	■	म	■	दि	ल	■	श्म	■	गी	
रि	श्ते	■	फू	ल	■	अ	न	जा	ना	
श्ता	■	शू	■	वा	स्त	व	■	नू	■	
■	दि	ल	ज	ले	■	ता	र	■	प्रि	
■	छ	■	ख्म	■	आ	र	जू	■	य	
सं	गी	त	■	खु	शी	■	चा	ह	त	
ग	■	ला	वा	■	वां	■	चा	■	मा	
म	हे	श	■	आ	द	मी	■	बू	■	
■	मा	■	रं	ग	■	ना	ग	म	णि	

सूडोकु -2635

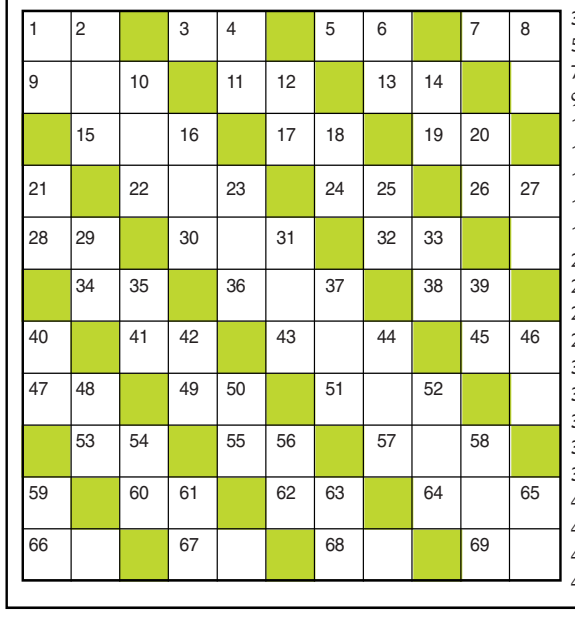
8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2634 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 2635



बाएँ से दाएँ

1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली -2634 का हल

■	ल	ज्ज	त	दा	र	■	क	र	त	ब
म	त	■	क	■	ज	टि	ल	■	वा	र
न	■	क	य	मा	त	■	म	य	■	ग
भा	गी	दा	र	■	प	ल	■	म	द	द
व	■	चा	■	अ	ट	ल	■	■	य	■
न	ज	र	बं	द	■	का	न	भ	र	ना
■	मी	■	■	र	न	र	■	ड़	■	म
अ	न	ल	■	क	र	■	अ	क	ब	र
म	■	ता	क	■	क	त	र	ना	■	ख
रू	ह	■	ह	ल	वा	■	दा	■	आ	ना
द	म	दा	र	■	स	न	स	ना	ना	■

संक्षिप्त समाचार

हावड़ा-अमृतसर एक्सप्रेस के टॉयलेट के पास मिले 36 कछुए, चीन भेजने की थी तैयारी; पटना में खुला तस्करी का खेल



खगौल , एजेंसी। रेल मार्ग से वन्यजीवों की तस्करी का मामला सामने आया है। हावड़ा-अमृतसर एक्सप्रेस की सामान्य बोगी में तलाशी के दौरान जीआरपी ने 36 कछुए बरामद किए। इनमें पांच मृत पाए गए। कछुओं को थैले में भरकर शौचालय के पास रखा गया था। इस दौरान संदिग्ध तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। जीआरपी की टीम ने नेऊरा स्टेशन के पास ट्रेन की जांच के दौरान लावारिस थैले से कछुओं को बरामद किया। ट्रेन के दानापुर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर सभी कछुओं को जीआरपी कार्यालय लाया गया। इसके बाद वन विभाग को इसकी सूचना दी गई।वन विभाग के स्पेशल पीपी रामाकांत तिवारी ने बताया कि कछुओं की तस्करी करना अपराध है। उनके अनुसार, कछुओं को उत्तर प्रदेश के अमेठी-सुल्तानपुर क्षेत्र से पकड़कर बंगाल के रास्ते चीन भेजे जाने की बात सामने आई है। वहां इनका इस्तेमाल औषधि बनाने और बुलेटप्रूफ जैकेट तैयार करने में किए जाने की जानकारी दी गई। बरामद कछुओं का वजन लगभग 20 से 25 किलो बताया गया है। सभी कछुओं को सीजीएम के समक्ष पेश करने के बाद सुरक्षित प्राकृतिक आवास में छोड़ने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। जीआरपी फरार तस्करों की पहचान करने में जुटी है।

मधुबनी के पसटन गांव के युवक को गले में मारी गोली, हालत गंभीर

मधुबनी, एजेंसी। मधुबनी में अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी। गोली उसके गले में लगी और शरीर को पार करते हुए बाहर निकल गई। गंभीर रूप से घायल युवक को स्वजन देर रात करीब तीन बजे सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां उसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

पसटन गांव का रहने वाला है युवक-घायल की पहचान अंधराठाढ़ी थाना क्षेत्र के पसटन गांव निवासी शिवम कुमार साहू (26) के रूप में हुई है। वह श्रवण कुमार साहू का पुत्र है।गले में लगी गोली, शरीर के पार निकली

बताया जा रहा है कि युवक के गले में गोली लगी है, जो शरीर को पार करते हुए बाहर निकल गई। गोली लगने से उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद स्वजन आनन-फानन में उसे लेकर सदर अस्पताल पहुंचे।

पुलिस कर रही मामले की जांच-सदर अस्पताल, मधुबनी में युवक का इलाज जारी है। इधर, घटना को लेकर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पिता के संस्कार और मां के हौसले से कंचन ने भरी उड़ान, दारोगा बन बेटियों के लिए बनीं मिसाल

बेतिया, एजेंसी। नगर के पीयूनी बाग की रहने वाली कंचन बाला श्री ने मेहनत और दृढ़ संकल्प के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई है. गणित विषय में एमएससी की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने पुलिस सेवा में जाने का लक्ष्य तय किया और वर्ष 2022 में बिहार पुलिस में दारोगा के पद पर चयनित हुईं. वर्तमान में वे बक्सर जिले में अपनी सेवाएं दे रही हैं. उनकी सफलता उन बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत कर रही हैं.

आठ भाई-बहनों में सबसे छोटी कंचन ने हासिल किया मुकाम-कंचन



बाला श्री आठ भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं. उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा संत टेरेसा गर्ल्स हाई स्कूल से पूरी की. इसके बाद पटना साइंस कॉलेज से गणित विषय में एमएससी की डिग्री हासिल की. उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने पुलिस सेवा में जाने का निर्णय लिया. लगातार मेहनत और तैयारी के दम पर वर्ष 2022 में बिहार पुलिस में दारोगा के पद पर उनका चयन हुआ. फिलहाल वे बक्सर जिले में पुलिस सेवा की जिम्मेदारी निभा रही हैं.

पिता के संस्कार और मां के प्रोत्साहन ने बढ़ाया हौसला-कंचन अपनी सफलता का श्रेय अपने स्वर्गीय पिता रामचंद्र राही के संस्कारों और मां जयश्री देवी के निरंतर प्रोत्साहन को देती हैं. उनके पिता शिक्षक थे. उन्होंने बच्चों की शिक्षा में कभी बेटा और बेटी के बीच अंतर नहीं किया. कंचन के अनुसार, परिवार का विश्वास और सहयोग बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाता है. परिवार से मिले इसी संबल ने उन्हें अपने लक्ष्य की ओर लगातार आगे बढ़ने का हौसला दिया.

बेटियों को दिया सपने पूरे करने का संदेश-कंचन का मानना है कि बेटियों की क्षमता का आकलन उनके लिंग के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी मेहनत और प्रतिभा के आधार पर होना चाहिए. वह दूसरी लड़कियों को संदेश देती हैं कि सामाजिक बंदिशों और मुश्किल परिस्थितियों से घबराकर अपने सपनों को अधूरा न छोड़ें. दृढ़ इच्छाशक्ति और लक्ष्य पाने का जुनून हो, तो किसी भी मुकाम तक पहुंचा जा सकता है.

125 यूनिट मुफ्त बिजली छोड़ दें, डरू सम्राट चौधरी ने इन परिवारों से की अपील, बताया कहां खर्च होगी बची रकम

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य के संपन्न बिजली उपभोक्ताओं से एक खास अपील की है. उन्होंने कहा है कि आर्थिक रूप से सक्षम लोग चाहें तो हर महीने मिलने वाली 125 यूनिट मुफ्त बिजली की सुविधा छोड़ सकते हैं. मुख्यमंत्री ने ऐसे उपभोक्ताओं से सब्सिडी के बराबर राशि सरकार को दान करने का भी आग्रह किया है. उनका कहना है कि इस पैसे का इस्तेमाल बिहार की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में किया जा सकता है.

पटना पुस्तक मेले में किताबों के साथ स्वाद और सिनेमा का संगम, 350 कार्यक्रम; 200 स्टॉल पर मिलेंगी देशभर की किताबें

पटना, एजेंसी। किताबों के शौकीनों के लिए दिसंबर में पटना का गांधी मैदान एक बार फिर साहित्य और संस्कृति के बड़े उत्सव का गवाह बनेगा। सेंटर फॉर रीडरशिप डेवलपमेंट (सीआरडी) की ओर से आयोजित 42वां पटना पुस्तक मेला 4 से 15 दिसंबर 2026 तक चलेगा।

इस बार मेले में किताबों के साथ सिनेमा, कला, कविता, खानपान, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़े 350 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भारत के तीन बड़े पुस्तक मेलों में शामिल पटना पुस्तक मेला इस बार भी नए प्रयोगों और विशेष आयोजनों के साथ पाठकों के बीच पहुंचेगा।

मेले के अध्यक्ष और चर्चित साहित्यकार रत्नेश्वर ने बताया कि इस वर्ष का पुस्तक मेला बिहार गीत के रचयिता लोककवि सत्यनारायण को समर्पित होगा।

200 स्टॉल पर देशभर के प्रकाशकों की किताबें

इस बार पुस्तक मेले में करीब 200 स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें प्रभात प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन, वाणी प्रकाशन, ज्ञानपीठ, उपकार प्रकाशन, हिन्द युग्म, साहित्य अकादमी, एनसीपीयूएल, रेख्ता फाउंडेशन और अन्य प्रमुख प्रकाशक शामिल होंगे।



पाठकों को साहित्य, शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, बाल साहित्य और विभिन्न विषयों की किताबें एक ही जगह उपलब्ध होंगी। पुस्तक मेले का उद्देश्य केवल किताबों की बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि आम लोगों में पढ़ने की आदत विकसित करना और साहित्य को नई पीढ़ी से जोड़ना भी है।

युवाओं के लिए चिट्ठियों से लेकर यूथ पोडियम तक खास आयोजन-इस बार युवाओं को ध्यान में रखकर कई विशेष कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। चिट्ठियां कार्यक्रम में ऐसी चिट्ठियां पढ़ी जाएंगी, जिन्हें लोग लिख तो गए, लेकिन भूल नहीं पाए। डॉ. विमलेन्दु कुछ चर्चित चिट्ठियों को सुनाएंगे। वहीं, शहर के युवा अपनी लिखी या अपने जीवन पर असर डालने वाली चिट्ठियां साझा करेंगे।

डॉ. वरुण के संयोजन में यूथ पोडियम आयोजित होगा। इसमें राजनीति, कला, साहित्य और संस्कृति समेत बदलते सामाजिक परिवेश में युवाओं की भूमिका और उनकी चुनौतियों पर चर्चा होगी। देश-दुनिया के मुद्दों पर युवाओं को अपनी बात रखने का मंच मिलेगा।

कविता-कहानी लिखने वाले युवाओं को मिलेगा पुरस्कार-उत्कर्ष आनंद के संयोजन में शब्दांकुर कार्यक्रम होगा। इसमें युवा अपनी कविता, कहानी और व्यंग्य रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। चुने गए रचनाकार को शब्दांकुर पुरस्कार दिया जाएगा। चयन के लिए तीन निर्णायक मंडल के सदस्य होंगे और दर्शकों की राय भी शामिल की जाएगी। इसके अलावा प्रत्येक दिन काव्यकथा कार्यक्रम आयोजित होगा। जयप्रकाश के संयोजन में देश के चर्चित कवि और कथाकार अपनी रचनाएं सुनाएंगे। पुस्तक मेले में भव्य कवि सम्मेलन भी होगा, जिसमें कई प्रमुख कवि हिस्सा लेंगे।

बिहार के व्यंजनों के साथ चाय और किताबों का भी मिलेगा आनंद -इस बार स्वाद विहार पुस्तक मेले का खास आकर्षण होगा।

नीतीश को असंभव लगता था 10 लाख नौकरी का वादा, तेजस्वी ने अब खोला बड़ा राज; 1.30 लाख बहाली की फाइल भी थी तैयार!

पटना, एजेंसी। राजद के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार और युवाओं के हित में अपने कार्यकाल को अब तक की सरकारों से बेहतर बताया है। महागठबंधन सरकार में उपमुख्यमंत्री रहते हुए किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने अपनी उपलब्धियां गिनाईं। मंगलवार को जारी बयान में तेजस्वी ने दो नवंबर 2023 को गांधी मैदान में हुए नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि उस दिन एक साथ 1,20,336 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए थे। उनके अनुसार, इतने बड़े पैमाने पर सरकारी नियुक्ति पत्र वितरण का यह देश का पहला आयोजन था। तेजस्वी ने अपने बयान में कविता की कुछ पंक्तियां भी साझा कीं। उन्होंने लिखा, 'मैं गरुड़ कृष्ण मै पक्षिराज, सिर पर ना चाहिए मुझे ताज! रण-खेत पाटना है मुझको, अहिपाश काटना है मुझको! 10 लाख सरकारी नौकरी के वादे को बताया अपना लक्ष्य तेजस्वी यादव ने कहा कि 2020 के विधानसभा चुनाव में राजद की सरकार बनने पर उन्होंने वैज्ञानिक आंकड़ों के आधार पर 10 लाख पक्की सरकारी नौकरी देने का वादा किया था। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस वादे को असंभव बताया था और सवाल उठाया था कि वेतन के लिए पैसा कहां से आएगा। उन्होंने कहा कि उस समय न्यूज चैनलों पर भी लगातार यह चर्चा होती थी कि बिहार में इतनी बड़ी संख्या में सरकारी नौकरियां देना संभव नहीं है। तेजस्वी के मुताबिक, 2020 में सत्ता से दूर रहने के बावजूद उनके मन में युवाओं से किया गया वादा बना रहा। 2022 में सरकार बनने के बाद नौकरी पर किया फोकस तेजस्वी ने कहा कि 2022 में राजनीतिक परिस्थितियां बदलीं और नीतीश कुमार ने भाजपा से अलग होकर महागठबंधन के साथ सरकार बनाई। उस दौरान उनका मुख्य ध्यान युवाओं को 10 लाख नौकरी देने के वादे को पूरा करने पर था। उन्होंने दावा किया कि इसी शर्त पर महागठबंधन को समर्थन दिया गया था। सरकार बनने के बाद उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालते ही उन्होंने नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। TRE-1 और TRE-2 के जरिए तीन लाख से अधिक शिक्षकों की बहाली तेजस्वी यादव ने बताया कि महागठबंधन सरकार बनने के कुछ ही महीनों के भीतर शिक्षक भर्ती परीक्षा ञ्जक्रश्च-1 और ञ्जक्रश्च-2 का

बिहार में भ्रष्ट अफसरों पर एक्शन का सच, लंबी जांच, धीमी सुनवाई और छोटी सजा

पटना, एजेंसी। अधिकारियों पर लगे भ्रष्टाचार, वित्तीय गड़बड़ियों और मनमानेपन के गंभीर आरोपों की फाइलें किस तरह लाल फीताशाही का शिकार होती हैं, इसकी बानगी हालिया मामलों से साफ झलकती हैं. वित्तीय नुकसान से लेकर मारपीट और घोटालों के इन मामलों में कहीं पांच साल तो कहीं दस साल बाद जाकर हल्की-फुल्की सजा दी जा रही है, तो कई मामलों में जांच कमेटियों के गठन में ही महीनों और सालों बीत जा रहे हैं. 5 साल बाद सिर्फ एक इंक्रीमेंट रुका पटना के तत्कालीन डीटीओ अजय कुमार ठाकुर पर बीएस थ्री और बीएस फोर के 547 वाहनों की बैक डेट में एंट्री कर अवैध रजिस्ट्रेशन का आरोप था, जिससे राजस्व को भारी नुकसान हुआ.

प्रकाश पर्व में पटना साहिब आने वाले सिख संगतों के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेन, दो माह में 30 करोड़ से बदलेगी स्टेशन की सूरत

पटना, एजेंसी। श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के प्रकाश पर्व में शामिल होने के लिए पंजाब, दिल्ली और दूसरे राज्यों से पटना आने वाली सिख संगतों को विशेष ट्रेन की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी. प्रकाश पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे की ओर से तैयारी की जा रही है. हालांकि, विशेष ट्रेनों की संख्या, समय-सारिणी और परिचालन की तारीखों की जानकारी अभी नहीं दी गयी है.

दो माह में पूरा होगा पटना साहिब स्टेशन का सौंदर्याकरण-दानापुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) विनोद कुमार ने अधिकारियों के साथ पटना साहिब स्टेशन का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि स्टेशन के सौंदर्याकरण का काम दो माह में पूरा करा लिया जाएगा. प्रकाश पर्व को देखते हुए स्टेशन पर यात्रियों की सुविधाएं बेहतर बनाने और परिसर को



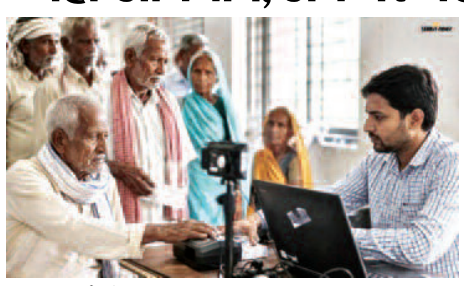
व्यवस्थित करने पर जोर दिया जा रहा है.

30 करोड़ रुपये से स्टेशन का होगा जीर्णोद्धार-निरीक्षण के दौरान साथ रहे विधायक रतनेश कुमार ने कहा कि पटना साहिब रेलवे स्टेशन का जीर्णोद्धार 30 करोड़ रुपये की राशि से किया जाएगा. इस परियोजना के तहत स्टेशन की सुविधाओं और व्यवस्था को बेहतर बनाने की योजना है, ताकि प्रकाश पर्व के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं को सहूलियत मिल सके.

वेटिंग हॉल बड़ा करने और एस्केलेटर लगाने की योजना-डीआरएम ने स्टेशन पर मानक के अनुरूप यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. उन्होंने वेटिंग हॉल का आकार बढ़ाने और यात्रियों की सुविधा के लिए एस्केलेटर लगाने की योजना का भी उल्लेख किया. इसके अलावा निरीक्षण के दौरान बतायी गयी अन्य सुविधाओं को दिसंबर तक साकार करने की बात कही गयी. हालांकि, एस्केलेटर और अन्य कार्यों की विस्तृत समय-सारिणी की जानकारी उपलब्ध नहीं करायी गयी है.

निरीक्षण में रेल मंडल के अधिकारी रहे मौजूद-पटना साहिब स्टेशन के निरीक्षण के दौरान दानापुर रेल मंडल के अधिकारियों के साथ स्टेशन प्रबंधक उपेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे. निरीक्षण में स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं और प्रस्तावित सुधार कार्यों की जानकारी ली गयी. प्रकाश पर्व से पहले काम पूरा होने पर श्रद्धालुओं को स्टेशन पर बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है.

बिहार में पेंशनभोगियों के लिए 30 नवंबर तक चलेगा महा-अभियान, अब घर बैठे बनेगा लाइफ सर्टिफिकेट



पटना, एजेंसी। बिहार के लाखों पेंशनभोगियों के लिए राहत की खबर है. अब जीवन प्रमाणपत्र जमा करने के लिए उन्हें बैंक या सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे. केंद्र सरकार नवंबर में पांचवां राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान चलाने जा रही है. इसके तहत बिहार के अलग-अलग जिलों और शहरों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे. यह अभियान 1 से 30 नवंबर तक चलेगा. इसमें बुजुर्गों और चलने-फिरने में असमर्थ पेंशनभोगियों को डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनवाने की सुविधा मिलेगी. जरूरत पड़ने पर उनके घर जाकर भी प्रमाणपत्र तैयार किया जाएगा. इससे उन लोगों को खास राहत मिलेगी, जिन्हें उम्र या बीमारी के कारण बाहर आने-जाने में परेशानी होती है. मोबाइल से चेहरे की पहचान कर बनेगा प्रमाणपत्र डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनाने के लिए अब पेंशनभोगियों को लंबी प्रक्रिया से नहीं गुजरना होगा. वे एंड्रॉयड और आईओएस मोबाइल फोन की मदद से भी अपना प्रमाणपत्र तैयार कर सकेंगे. इसके लिए फेस ऑथेंटिकेशन यानी चेहरे की पहचान तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा. इस प्रक्रिया में मोबाइल के कैमरे से पेंशनभोगी के चेहरे की पहचान की जाएगी. पहचान की पुष्टि होने के बाद डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र तैयार हो सकेगा. इसके लिए हर बार बैंक या पेंशन कार्यालय जाना जरूरी नहीं होगा.

तानों को झेला, अभावों से लड़ी; अब मेडल से चमक रही पटना की सुमन

पटना, एजेंसी। सपने बड़े हों तो रास्ते की मुश्किलें भी इम्तिहान लेने लगती हैं। कभी समाज के ताने, कभी आर्थिक तंगी और कभी संसाधनों का अभाव। मोकामा घाट की सुमन कुमारी ने इन सभी चुनौतियों का सामना करते हुए कबड्डी के मैदान में अपनी अलग पहचान बनाई है। जिस खेल को अपनाने के लिए उसे कभी रिश्तेदार, मोहल्ले के लोगों की उपेक्षा और कटाक्ष झेलने पड़े, उसी खेल में आज वह बिहार का गौरव बन चुकी हैं। तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुकीं सुमन की उपलब्धि के पीछे वर्षों का संघर्ष, माता-पिता का अटूट विश्वास और कोच की अथक साधना है। मोकामाघाट के वार्ड संख्या-27 निवासी मिठाई दुकानदार अरुण कुमार और पूनम देवी के घर दो बेटों सूरज और सुमित के बाद सुमन का जन्म हुआ। परिवार के लिए वह बेहद लाडली थीं। हालांकि, कबड्डी खेलने की उसकी इच्छा ने सामाजिक सोच की संकीर्णता से सामना कराया। बेटी के



खेल मैदान में उतरने पर कुछ लोग कहते थे घर के काम में लड़कियों को मन लगाना चाहिए। खेल कूद से जीवन नहीं बनता है। आर्थिक स्थिति भी ऐसी नहीं थी कि खेल से जुड़ी हर जरूरत आसानी से पूरी हो सके। मिठाई की दुकान से होने वाली सीमित आमदनी में परिवार की जिम्मेदारियां निभाना आसान नहीं था। इसके बावजूद पिता ने बेटी के हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया। मां ने भी हर कदम पर उसका मनोबल बढ़ाया। लोगों की बातों को अनसुना कर माता-पिता ने सुमन को आगे बढ़ने की पूरी स्वतंत्रता दी।

कोच की परख और मेहनत ने संवारा हुनर - मैदान में कोच मोहम्मद इलियास ने उनकी प्रतिभा को शुरुआती दौर में ही पहचान लिया। करीब दो दशक के अनुभव वाले कोच ने अनुशासन और कठिन प्रशिक्षण से उनके खेल को निखारा। सुमन ने भी हर चुनौती को अभ्यास के जरिए जवाब दिया। कोच के मार्गदर्शन में उनकी तकनीक, फुर्ती और खेल की समझ लगातार बेहतर होती गई।

सहेली की प्रेरणा से शुरू हुआ सफर-सुमन के जीवन में निर्णायक मोड़ बचपन की सहेली सानिया की सलाह से आया। पचमहला निवासी सानिया ने एक निजी स्कूल के प्रांगण में खेल के प्रति सुमन की रुचि देखी और उसे कबड्डी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

शहाबुद्दीन के खिलाफ एक्शन से देशभर में हुए थे चर्चित, अब बिहार में संभालेंगे शिक्षा विभाग; जानिए कौन हैं सीके अनिल

पटना, एजेंसी। बिहार के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सीके अनिल एक बार फिर चर्चा में हैं। करीब 21 साल पहले सीवान में बाहुबली नेता और पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सुर्खियां बटोरने वाले सीके अनिल को अब शिक्षा विभाग की अहम जिम्मेदारी मिली है।

बिहार का अपर मुख्य सचिव बनाए जाने के बाद उन्होंने अपनी पहली समीक्षा बैठक के लिए उसी सीवान जिले को चुना, जहां कभी उनके प्रशासनिक फैसले ने पूरे देश का ध्यान खींचा था।

सीके अनिल की नई जिम्मेदारी के साथ ही उनके पुराने प्रशासनिक कार्यकाल की भी चर्चा शुरू हो गई है। अब उनके सामने बिहार की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने, स्कूलों की बुनियादी सुविधाएं सुधारने और पढ़ाई की गुणवत्ता बढ़ाने की चुनौती होगी।

2005 में शहाबुद्दीन के ठिकानों पर छापेमारी से आए थे चर्चा मेंसीवान के जिलाधिकारी रहते हुए सीके अनिल ने 24 अप्रैल 2005 को बड़ी कार्रवाई की थी।



जिला प्रशासन और स्पेशल टास्क फोर्स की संयुक्त टीम ने पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन के पैतृक गांव प्रतापपुर में छापेमारी की थी। इस अभियान में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक रत्न संजय भी शामिल थे।

प्रशासनिक टीम ने शहाबुद्दीन के घर सहित करीब 11 ठिकानों पर तलाशी ली थी। इस दौरान हथियार, कारतूस, नाइट विजन उपकरण, वायरलेस सेट और बुलेटप्रूफ जैकेट समेत कई सामान बरामद किए गए थे। इस कार्रवाई ने उस समय बिहार की राजनीति और प्रशासनिक हलकों में काफी हलचल मचा दी थी।

शहाबुद्दीन के सीवान प्रवेश पर भी लगाया था प्रतिबंध-सीके अनिल ने जिलाधिकारी रहते हुए शहाबुद्दीन के सीवान जिले में प्रवेश पर छह महीने का प्रतिबंध लगाने का आदेश भी दिया था। हालांकि बाद में सारण प्रमंडल के आयुक्त ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था। प्रतापपुर में हुई छापेमारी और शहाबुद्दीन के खिलाफ की गई कार्रवाई ने सीके अनिल को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। उस दौर में उनकी प्रशासनिक सख्ती की खूब चर्चा हुई थी।

कौन हैं सीके अनिल, तीन दशक से ज्यादा का प्रशासनिक अनुभव-सीके अनिल का पूरा नाम चंद्रकांत कुमार अनिल है। वह बिहार कैडर के 1991 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। प्रशासनिक सेवा में उनकी शुरुआती तैनाती रोहतास में अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में हुई थी। इसके बाद उन्होंने बोकारो में एसडीओ और देवघर में उप विकास आयुक्त के तौर पर काम किया।वह चतरा और सीवान के जिलाधिकारी भी रह चुके हैं।

बिहार के 22 जिलों में बालू-गाद का होगा सर्वे, ड्रोन और सैटेलाइट से पता चलेगी असली मात्रा, फिर होगी नीलामी

पटना, एजेंसी। बिहार में बाढ़ के बाद नदियों और आसपास के इलाकों में जमा बालू और गाद का अब वैज्ञानिक तरीके से आकलन किया जाएगा. इसके लिए राज्य के 22 बाढ़ प्रभावित जिलों में सर्वे कराया जाएगा. खान एवं भूतत्व विभाग सर्वे में सामने आने वाली बालू और गाद की वास्तविक मात्रा के आधार पर नीलामी की योजना तैयार करेगा. इस प्रक्रिया में सिर्फ बालू और गाद की मात्रा ही नहीं मापी जाएगी. उनकी गुणवत्ता, जमाव की मोटाई और प्रकृति का भी पता लगाया जाएगा. इसके लिए आधुनिक तकनीक के साथ भूगोल और जल विज्ञान के विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी. स्थानीय परिस्थितियों और नदी के प्रवाह का भी अध्ययन होगा.

बालू और गाद की नीलामी से बढ़ेगा राजस्व-बिहार में सड़क, पुल, भवन और दूसरी आधारभूत संरचनाओं का निर्माण तेजी से हो रहा है. इन कार्यों में बालू की बड़ी जरूरत पड़ती है. ऐसे में नदियों के किनारे जमा बालू का वैज्ञानिक आकलन कर उसके उपयोग और नीलामी की व्यवस्था की जाएगी. सरकार का मानना है कि इससे राजस्व के नए स्रोत बनेंगे. साथ ही रोजगार के अवसर भी पैदा हो सकते हैं. हालांकि, बालू का उठाव नदी की प्राकृतिक संरचना और पर्यावरण को ध्यान में रखकर ही किया जाएगा. सर्वे में नदी के बहाव और भौगोलिक स्थिति का भी अध्ययन किया जाएगा.

गाद से ईंट बनाने का रास्ता तलाशेगा विभाग-बाढ़ के बाद खेतों, नदी किनारे और निचले इलाकों में बड़ी मात्रा में गाद जमा हो जाती है. कई जगहों पर यह स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती है. अब इस गाद की उपयोगिता का भी आकलन किया जाएगा. गाद की नीलामी से ईंट निर्माण से जुड़े कारोबारियों को कच्चा माल मिल सकता है. हालांकि, इसका इस्तेमाल करने से पहले गुणवत्ता की जांच जरूरी होगी. मिट्टी की संरचना, चिकनाई, नमी और अन्य तकनीकी पहलुओं के आधार पर तय होगा कि गाद ईंट बनाने के लिए कितनी उपयोगी है.

ड्रोन और सैटेलाइट से तैयार होगा ३ष्ठ मॉडल सर्वे के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा. नदी के किनारों, दियारा क्षेत्रों और बहाव वाले इलाकों की ड्रोन से तस्वीरें ली जाएंगी. हाई-रिजॉल्यूशन कैमरों की मदद से एरियल लिडार और फोटोग्रामेट्री तकनीक का इस्तेमाल होगा.

इससे ३ष्ठ डिजिटल एलिवेशन मॉडल तैयार किया जाएगा. इसके जरिए पता चलेगा कि किस जगह बालू या गाद की परत कितनी मोटी है.

विराट कोहली की तीन साल बाद दिल्ली में वापसी टली!



आउटफील्ड के कारण छिन सकती है भारत-श्रीलंका के बीच पहले वनडे की मेजबानी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार विराट कोहली को अपने घरेलू मैदान दिल्ली में खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे फैंस को निराशा हाथ लग सकती है। भारत और श्रीलंका के बीच 13 दिसंबर को होने वाले वनडे सीरीज के पहले मुकाबले की मेजबानी दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम से छिन सकती है। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से वेन्यू बदलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। विराट कोहली की दिल्ली वापसी का इंतजार कर रहे थे फैंस - विराट कोहली के लिए दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम बेहद खास है। इसी मैदान और दिल्ली के घरेलू क्रिकेट से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2019 में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने उनके योगदान को सम्मान देते हुए स्टेडियम के एक प्रमुख स्टैंड का नाम 'विराट कोहली पवेलियन' रखा था। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ दिल्ली में होने वाला वनडे मुकाबला स्थानीय फैंस के लिए कोहली को अपने घरेलू मैदान पर देखने का शानदार अवसर हो सकता था।

निर्माण कार्य के कारण बदला जा सकता है वेन्यू

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में इस समय आउटफील्ड को आधुनिक बनाने का काम चल रहा है। डीडीसीए ने मैदान में सैंड बेस्ड ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने का फैसला किया है। इस तकनीक से बारिश के बाद मैदान से पानी तेजी से निकल सकेगा और मैच दोबारा शुरू करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इस पूरे काम को पूरा होने में करीब चार महीने लगेंगे और स्टेडियम आईपीएल 2027 से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएगा।

11 अक्टूबर 2023 खेला गया था अरुण जेटली स्टेडियम में आखिरी वनडे

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आखिरी वनडे इंटरनेशनल मुकाबला 11 अक्टूबर 2023 को खेला गया था। यह आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 का मुकाबला था, जिसमें भारत ने अफगानिस्तान को आठ विकेट से हराया था। फिलहाल स्टेडियम में निर्माण कार्य के चलते दिल्ली की घरेलू टीम को भी अपने रणजी ट्रॉफी मुकाबले पालम स्थित एयरफोर्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में खेलने पड़ रहे हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारी में जुटे विराट

दूसरी ओर विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए तैयारी कर रहे हैं। टी20 सीरीज खत्म होने के बाद वह न्यूजीलैंड पहुंच चुके हैं और नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे 4 नवंबर को खेला जाएगा। टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद कोहली का फोकस अब मुख्य रूप से वनडे और टेस्ट क्रिकेट पर है। वेन्यू बदलने की खबरों के बीच अहमदाबाद में पहला वनडे आयोजित किए जाने की अटकलें भी सामने आई थीं। हालांकि, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने दिल्ली से मुकाबला शिफ्ट होने की खबरों पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि फिलहाल मैच का आयोजन दिल्ली में ही निर्धारित है। ऐसे में मुकाबले के वेन्यू को लेकर अंतिम तस्वीर आधिकारिक फैसले के बाद ही साफ होगी।

भारत बनाम न्यूजीलैंड... गंभीर बोले-टी-20 टीम के प्रदर्शन पर गर्व

नई दील्ली। भारत ने न्यूजीलैंड को 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-2 से हराया। सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, मेरी डिक्शनरी और डायरेक्टरी में डर नाम का कोई शब्द नहीं है। गंभीर ने पहले मैच का उदाहरण देते हुए खिलाड़ियों की तारीफ की। उन्होंने बताया कि टीम ने 15 घंटे की लंबी फ्लाइट के बाद सिर्फ एक अभ्यास सत्र किया था, इसके बावजूद मुकाबला जीत लिया। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि गेंदबाजी और फील्डिंग बेहतर हो सकती थी। वहीं न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को सीरीज का बेस्ट खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने पांच मैचों में 341 रन बनाए।

ध्यान अब वनडे सीरीज पर: अय्यर - अय्यर के मुताबिक, न्यूजीलैंड में खेलने के दौरान खिलाड़ियों को अलग तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने आसमान में साफ रोशनी और मैदान पर अंधेरे जैसी स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियां भारत में आमतौर पर देखने को नहीं मिलतीं। कप्तान ने यह भी कहा कि टीम इन कमियों पर चर्चा करेगी। हालांकि, उनका ध्यान अब वनडे सीरीज पर है और खिलाड़ी अच्छे मूड में हैं।

ऋषभ पंत की चोट पर गंभीर के पास अपडेट नहीं - प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर से ऋषभ पंत की उपलब्धता को लेकर भी सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि फिलहाल उनके पास पंत की चोट को लेकर कोई पक्की जानकारी नहीं है।



थकान के बावजूद जीत हासिल की- गंभीर ने कहा, विदेशी परिस्थितियों में खेलते समय टीम को मुश्किल हालात से घबराना नहीं चाहिए। न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद भारतीय खिलाड़ियों को लंबी यात्रा और कम अभ्यास का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद पहले मैच में जीत हासिल करना आसान नहीं था। गंभीर ने इसी प्रदर्शन को टीम की मानसिक मजबूती का उदाहरण बताया। सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में भारत ने लगातार जीत दर्ज की। इसके बाद न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए आखिरी दोनों मैच अपने नाम किए।

सीरीज का नतीजा उलटा भी हो सकता था- सैंटनर: न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने माना कि सीरीज काफी करीबी रही। उनके मुताबिक, शुरुआती दो मुकाबलों में कुछ ऐसे मौके आए, जिन्हें न्यूजीलैंड भुना सकता था। अगर टीम उन मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करती, तो सीरीज का नतीजा भारत के बजाय न्यूजीलैंड के पक्ष में भी हो सकता था। सैंटनर ने गेंदबाजी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आखिरी दो मैचों में गेंदबाजों ने परिस्थितियों के हिसाब से अपनी रणनीति बदली। तेज गेंदबाजों ने यॉर्कर, वाइड गेंदों और सही लेंथ का इस्तेमाल किया।

मेसी का शानदार खेल, न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन को हराया



फॉक्सबोरो, एजेंसी। लियोनेल मेसी ने एक बेहतरीन असिस्ट और मैच के आखिर में किए गए गोल की मदद से इंटर मियामी को न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही टीम ने अगले साल होने वाले कॉन्काकैफ चैंपियंस कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत से मियामी एमएलएस कप प्लेऑफ से पहले ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में नंबर 2 सीड की स्थिति में पहुंच गई है। इस सीजन में मेसी के नाम अब 26 गोल और 16 असिस्ट हो गए हैं। इसके साथ ही वह लगातार तीसरी बार एमएलएस एमवीपी अवार्ड और लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट' जीतने की रेस में सबसे आगे हो गए हैं।

पहले 45 मिनट तक दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला रहा और हाफ टाइम तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इस दौरान इंटर मियामी को 28वें मिनट में एक अच्छा मौका मिला, जब मेक्सिकन खिलाड़ी बर्टेरामे ने बॉक्स के बाईं ओर से बाएं पैर से शॉट मारा, जिसे न्यू इंग्लैंड के गोलकीपर मैट टर्नर ने बचा लिया। दूसरे हाफ में, 53वें मिनट में डेनियल गाजदाग के गोल की बदौलत मेजबान टीम (न्यू इंग्लैंड) ने खाता खोला।

83वें मिनट में मियामी ने पासा पूरी तरह से पलटा

69वें मिनट में इंटर मियामी ने शानदार टीम वर्क दिखाते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। सेगोविया ने बॉक्स के अंदर एक 'लॉब' पास दिया, जिस पर मेसी ने हेडर से गेंद को बर्टेरामे की तरफ बढ़ाया। बर्टेरामे ने बॉक्स के बीच से एक जोरदार हेडर लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। यह इस रेगुलर सीजन में बर्टेरामे का 10वां गोल था, जबकि मेसी का यह इस लीग सीजन का 16वां असिस्ट रहा। 83वें मिनट में इंटर मियामी ने मैच का पासा पूरी तरह से पलटा। एक बेहतरीन पासिंग सीक्वेंस के बाद मेसी ने निर्णायक गोल किया। सुआरेज ने बॉक्स के बाहर बीच में मेसी को गेंद दी, जहां अर्जेंटीना के इस स्टार खिलाड़ी ने तीन डिफेंडरों को छकाया। इसके बाद सेगोविया के साथ मिलकर वह बॉक्स के अंदर पहुंचे और एक सटीक शॉट के जरिए गेंद को गोल पोस्ट के निचले दाएं कोने में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मेसी के कुल गोल की संख्या 26 हो गई है, जिससे वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे निकल गए हैं। वहीं, इस रेगुलर सीजन में सेगोविया के असिस्ट की संख्या 12 हो गई है। इसके बाद 1-2 की स्कोरलाइन अंतिम सीटी बजने तक कायम रहा, जिससे इंटर मियामी ने अपने घर से बाहर खेलते हुए तीन अंक हासिल किए।



एंटोनेली बने सबसे कम उम्र के एफ-1 चैंपियन

नई दिल्ली। किमी एंटोनेली नेइतिहास रचते हुए फॉर्मूला वन के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। 20 वर्षीय मर्सिडीज ड्राइवर ने मैक्सिको सिटी ग्रांड प्रिक्स में मैक्स वर्स्टापेन और लुईस हैमिल्टन के बाद तीसरे स्थान पर रहकर यह उपलब्धि प्राप्त की।

किमी, जो फॉर्मूला वन रेसिंग में अपने दूसरे ही सीजन में हैं, ने सेबेस्टियन वेटेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो 2010 में अपनी चार ड्राइवर चैंपियनशिप में से पहली चैंपियनशिप जीतने के समय 23 साल और 133 दिन के थे। अपनी उपलब्धि की वास्तविकता को समझते हुए किमी अपने आँसू रोकने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

टीम रेडियो पर, नव-ताजपोश विश्व चैंपियन पहले तो कुछ बोल नहीं पा रहे थे, लेकिन फिर उन्होंने मर्सिडीज को अपने सपने को साकार करने में मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। 'हमने कर दिखाया! हमने कर दिखाया!' उसे हंसते-हंसते आंसुओं के साथ कहते हुए सुना गया। इसके बाद जो जश्न मनाया गया, वह इस अवसर के अनुरूप ही था।

पोडियम पर एंटोनेली अपनी भावनाओं को काबू में रखने की कोशिश कर रहे थे, तभी वर्स्टापेन और हैमिल्टन ने भी उनका साथ दिया और नव-प्रतिभाशाली चैंपियन को हवा में उठा लिया। यह एक यादगार दृश्य था: खेल के दो महानतम ड्राइवर फॉर्मूला वन चैंपियन की नई पीढ़ी के आगमन का जश्न मना रहे थे। मैं भविष्य में और अधिक मुकाबलों के लिए उत्सुक हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह तो बस शुरुआत है।' एंटोनेली के लिए, यह सात साल के कार्टिंग के शौकीन से लेकर मोटरस्पोर्ट के शिखर तक की एक उल्लेखनीय यात्रा की परिणति थी।

मर्सिडीज टीम के प्रमुख टोटो वोल्फ के लिए भी, 2025 सीज़न से पहले हैमिल्टन की जगह 18 वर्षीय खिलाड़ी को मौका देने के उनके महत्वपूर्ण जोखिम भरे फैसले की पुष्टि का क्षण था।

उनके बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक मोंज़ा में देखने को मिला, जहाँ उन्होंने ग्रिड पर 19वें स्थान से शुरुआत करने के बावजूद अपने घरेलू ग्रैंड प्रिक्स में जीत हासिल की।

सिंधू ने जीता हाइलो ओपन का खिताब



जर्मनी: भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने एक बार फिर अपने शानदार खेल से देश का नाम रोशन किया है। सिंधु ने जर्मनी में खेले गए हाइलो ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में डेनमार्क की लाइन केजर्सफेल्ट को सीधे गेमों में 21-12, 21-14 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ सिंधु ने मौजूदा सीजन का अपना दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया है।

पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहीं सिंधु - सिंधु का हाइलो ओपन में प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने फाइनल तक के सफर में एक भी गेम नहीं गंवाया। अपने अभियान की शुरुआत उन्होंने भारतीय खिलाड़ी प्रकृति भरत को हराकर की। इसके बाद फ्रांस की रोजी ओक्टाविया पंकासारी और जर्मनी की अमाली शुल्ज को मात देकर क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में उन्होंने भारत की ही अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया।

फाइनल जीतकर बनीं चैंपियन

पीवी सिंधु ने फाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहला गेम महज 17 मिनट में 21-12 से जीतकर डेनमार्क की खिलाड़ी पर दबाव बना दिया। इसके बाद दूसरे गेम में भी सिंधु ने अपनी लय बरकरार रखी और 21-14 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय शटलर ने यह फाइनल केवल 39 मिनट में जीतकर शानदार अंदाज में खिताब पर कब्जा किया।

जापान ओपन के बाद अब हाइलो ओपन पर कब्जा

पीवी सिंधु के लिए यह साल खिताब के लिहाज से शानदार रहा है। उन्होंने जुलाई में जापान ओपन 2026 के फाइनल में जापान की तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराकर खिताब जीता था। अब हाइलो ओपन जीतकर उन्होंने इस सीजन का दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम कर लिया है।

विश्व टूर फाइनल्स की राह हुई मजबूत

हाइलो ओपन का खिताब जीतने के साथ ही सिंधू को 9200 रैंकिंग अंक मिले हैं। इससे साल के आखिर में होने वाले विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने की उनकी उम्मीदों को मजबूती मिली है। दुनिया की आठवें नंबर की भारतीय खिलाड़ी के लिए यह जीत सीजन के लिहाज से काफी अहम मानी जा रही है। सिंधू के इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह बड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने का दम रखती हैं।

चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट... सेंथिलकुमार ने फाइनल में बनाई जगह

ब्रनो। भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने ब्रनो में चल रहे चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। 35,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस पीएसए कॉपर-लेवल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में उन्होंने फ्रांस के खिलाड़ी और विश्व नंबर 32 ऑगस्ट डुसॉर्ड को हराया। सेंथिलकुमार ने सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाड़ी को 11-7, 12-10, 11-1 से मात दी। चौथे वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अब फाइनल में स्कॉटलैंड के ग्रेग लोबन (जो शीर्ष वरीयता प्राप्त हैं और विश्व रैंकिंग में 31वें नंबर पर हैं) का सामना करेंगे। सेंथिलकुमार इस सीजन में अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। शीर्ष वरीयता प्राप्त लोबन ने फ्रांस के तौफिक मेखल्फी को 11-9, 11-5, 11-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश



किया। इससे पहले, सेंथिलकुमार ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। पहले गेम में भारतीय खिलाड़ी ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को आसानी से 11-3 से हराया। इसके बाद, रैलियां तेज, कड़ी और रोमांचक हो गई थीं। सेंथिलकुमार ने कोर्ट के अगले हिस्से में बेहतरीन खेल दिखाते हुए बाकी गेम 11-8 और 11-7 से अपने नाम किया था। भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के विश्व नंबर 64 और आठवें वरीयता प्राप्त जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराया था। इससे पहले, टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में उन्हें 'बाय' (सीधे अगले दौर में प्रवेश) मिला था, और दूसरे दौर में उन्होंने ब्राजील के डिएगो गोब्बी को 11-4, 11-7,



विवेक अग्निहोत्री के साथ पहली बार काम करेंगे कार्तिक आर्यन

फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री और प्रोड्यूसर भूषण कुमार दोनों मिलकर 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित एक फिल्म बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म एक बड़े और देशभक्ति से जुड़े विषय पर होगी, जिसे लेकर अभी से काफी चर्चा शुरू हो गई है।

विवेक अग्निहोत्री की आगामी फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' सच्ची घटनाओं से प्रेरित होगी। इसकी कहानी लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस 'टाइनी' ढिल्लों की किताब ऑपरेशन सिंदूर : द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान पर आधारित है। फिल्म में 6 मई से 10 मई 2025 के बीच हुए इस ऑपरेशन की पूरी कहानी को विस्तार से दिखाया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन 'ऑपरेशन सिंदूर' में मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं। कार्तिक अपनी मौजूदा फिल्म 'कैप्टन इंडिया' का काम पूरा करने के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' पर काम शुरू करेंगे। 'कैप्टन इंडिया' का निर्देशन शिमित अमीन कर रहे हैं। यह फिल्म यमन में हूती संघर्ष की पृष्ठभूमि पर आधारित है और फिलहाल इसकी शूटिंग चल रही है।





'पेद्दी' के किरदार पर शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी

अभिनेत्री जान्हवी कूपर हाल ही में शो 'कॉफी विद करण 9' में पहुंचीं। यहां उन्होंने अपनी फिल्म 'पेद्दी' में अपने किरदार के 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' (वस्तु की तरह पेश किए जाने) पर बात की। उन्होंने माना कि वह 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' को रोकने के लिए और बेहतर कर सकती थीं। उन्होंने इस फिल्म से जुड़े विवाद में अपनी भूमिका की जिम्मेदारी ली है।

बातचीत के दौरान, शो के होस्ट करण जौहर ने जान्हवी से उस आलोचना के बारे में पूछा, जो फिल्म में उनके किरदार को दिखाए जाने के तरीके को लेकर हुई थी। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राम चरण अहम किरदार में थे। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में जान्हवी के किरदार को लेकर काफी विवाद हुआ था। आलोचना का जवाब देते हुए, जाह्नवी ने कहा कि यह बात उनके मन पर लगातार बोझ बनी हुई है। उन्होंने माना कि फिल्म में उनके किरदार को जिस तरह से पेश किया गया, उसे अलग तरीके से दिखाया जा सकता था। उन्होंने कहा, 'इस तरह की कहानी का हमारे समाज पर जो नकारात्मक असर पड़ सकता है, खासकर मेरे जेंडर पर, वह मेरे मन पर एक भारी बोझ की तरह है। यह शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी। क्या मैं और कुछ कर सकती थी? क्या मैं और अधिक सतर्क रह सकती थी? बिल्कुल, हां। क्या यह हद से ज्यादा 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' था? क्या इसने कहानी के जरिए यौन उत्पीड़न को भी बढ़ावा दिया? हां। लेकिन अब मैं बस इतना कर सकती हूं कि यह सुनिश्चित करूं कि ऐसा दोबारा न हो।'

अभिनेत्री ने की अच्छा करने की कोशिश

अभिनेत्री ने आगे कहा 'और हां, मुझे यह कहते हुए अच्छा नहीं लग रहा क्योंकि ऐसा लग सकता है कि मैं अपनी गलती दूसरों पर डाल रही हूं, मगर बात यह है कि आपको निर्देशक की बात सुननी पड़ती है। जैसे-जैसे मुझे जानकारी मिलती गई, मैं कोशिश करती रही कि चीजों को कम से कम खराब किया जाए। आप तो जानते ही हैं कि शायद ही कभी कोई पूरी तरह से तैयार स्क्रिप्ट मिलती है। ऐसी स्क्रिप्ट्स में भी बहुत कम ही देखने को मिलता है कि कैमरा एंगल कहां होंगे। दक्षिण में तो शायद ही कभी कोई पूरी तरह से तैयार स्क्रिप्ट होती है, उसमें भी कैमरा एंगल कहां होंगे, यह बहुत कम ही पता चलता है।'

जान्हवी कर सकतीं थीं विशेषाधिकार का इस्तेमाल

जाह्नवी ने आगे कहा कि उन्हें इंडस्ट्री में अपनी स्थिति का बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए था, ताकि वह अपने किरदार को दिखाए जाने के तरीके पर अपनी चिंताएं जाहिर कर पातीं। उन्होंने कहा 'मुझे अपनी तरफ की जिम्मेदारी भी लेनी होगी। मैं एक ऐसी जगह से आती हूं जहां मुझे विशेषाधिकार मिले हुए हैं। मुझे इसका फायदा उठाना चाहिए था, क्योंकि वैसे भी मुझे विशेषाधिकार मिले होने के लिए आलोचना तो झेलनी ही पड़ती है। तो बेहतर होता कि मैं इसका इस्तेमाल कर लेती।'



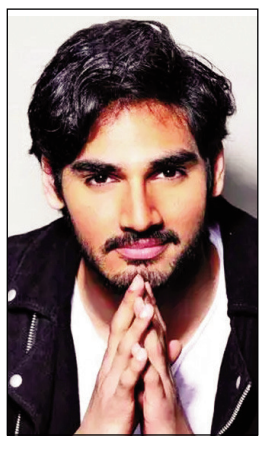
धूम गर्ल की इमेज पर बोलीं ईशा देओल

कहा- मुझे इस पहचान पर गर्व है

अभिनेत्री ईशा देओल एक्शन-क्राइम ड्रामा फिल्म 'प्रताप' की रिलीज के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें गर्व होता है, जब लोग उन्हें आइकॉनिक 'धूम गर्ल' वाली इमेज से याद करते हैं। ईशा देओल ने बातचीत में कहा, 'यह पहचान उनके करियर का एक यादगार हिस्सा है और आज भी फैंस के बीच काफी पसंद की जाती है।' उन्होंने कहा, 'मैंने इस पहचान को गर्व के साथ अपनाया है और यही मेरी पहचान है। जब भी लोग मुझे दिलबरा और धूम गर्ल कहकर बुलाते हैं, तो मुझे अच्छा लगता है, क्योंकि इस इमेज ने दर्शकों के सामने मुझे पहचान दी है, जो बहुत से एक्टर्स को नहीं मिल पाती है।' ईशा देओल ने अपनी मां हेमा मालिनी का उदाहरण देते हुए कहा, 'मेरी मां ने अपने लंबे करियर में बहुत-सी फिल्मों में काम किया है, लेकिन लोग आज भी उन्हें देखते ही कहते हैं, 'बसंती आई है।' मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने करियर में 'दिलबरा' और 'धूम गर्ल' कहा जाता है और मुझे इससे बहुत प्यार है। कोई शिकायत नहीं है।'

बता दें कि अभिनेत्री ईशा देओल को 'धूम गर्ल' की इमेज साल 2004 में यशराज फिल्म्स की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धूम' से मिली थी। फिल्म में ईशा ने 'शीना' का किरदार निभाया था। इसमें उनके आधुनिक, स्टाइलिश और बोल्ड लुक्स ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। इस फिल्म के गाने 'दिलबरा' में ईशा के लुक (नियॉन ग्रीन क्रॉप टॉप और डेनिम मिनी-स्कर्ट वाला वेट गर्ल लुक) ने उन्हें रातों-रात चर्चा में ला दिया था। फिल्म रिलीज होने के बाद दर्शकों ने उन्हें 'धूम गर्ल' कहकर पुकारना शुरू कर दिया था, जो उनकी पहचान बन गई थी। अभिनेत्री की बात करें, तो वह फिल्म 'प्रताप' में 'पूनम' (पूनम रानाडे) का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में अमित साध मुख्य किरदार 'प्रताप रानाडे' (एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट) की भूमिका निभा रहे हैं, और पूनम इस कहानी में एक अहम और मजबूत पक्ष हैं।

अहान शेट्टी की एक्शन ड्रामा फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू



'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद अहान शेट्टी एक बार फिर एक्शन करते नजर आएंगे। वह अपनी अगली फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं, जिन्होंने 'रुस्तम' और 'मिशन रानीगंज' जैसी फिल्में बनाई हैं। ज्ञानेंद्र वासुदेव द्वारा लिखी गई 'सनकी' मूल रूप से एक प्रेम कहानी है। इसमें प्यार और भावनाओं के साथ-साथ जबरदस्त और दमदार एक्शन भी देखने को मिलेगा। फिल्म की शूटिंग 30 अक्टूबर से भोपाल में शुरू हो गई है। 'बॉर्डर 2' में अहान के अभिनय और फिल्म की बड़ी सफलता के बाद उन्होंने अपनी अगली फिल्मों का चुनाव काफी सोच-समझकर किया है। अब वह 'सनकी' से शुरुआत करेंगे। इसके बाद वह विक्रम भट्ट की फिल्म '1920 कोल्ड विंटर' में नजर आएंगे। 'सनकी' का निर्माण वी द पीपल, रोरिंग रिवर प्रोडक्शंस और पाल्स एंड पीयर्स एंटरटेनमेंट मिलकर कर रहे हैं। यह फिल्म 2027 की पहली छमाही में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्मों और वेब सीरीज के बदलते अंदाज पर दिव्या दत्ता ने रखी अपनी राय

अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने खास बातचीत में ओटीटी प्लेटफॉर्म के कारण फिल्मों और वेब सीरीज में कहानियां कहने के बदलते अंदाज पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि अब ऐसी कहानियों पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, जिनसे दर्शक खुद को जोड़ सकें। खासकर महिलाओं के किरदारों में यह बदलाव साफ दिखाई देता है। पहले जहां अभिनेत्रियों को अक्सर सीमित उम्र तक ही मुख्य भूमिकाएं मिलती थीं, वहीं अब 40 साल की उम्र के बाद भी उन्हें कई मजबूत और अलग-अलग परतों वाले किरदार निभाने का मौका मिल रहा है। दिव्या ने कहा, ''ओटीटी के आने के बाद कहानी कहने पर काफी जोर दिया जाने लगा है। अब ऐसी वास्तविक कहानियां सुनाई जा रही हैं, जिनसे लोग खुद को जोड़ सकें। मुझे लगता है कि ओटीटी ने अलग-अलग उम्र की महिलाओं के लिए अच्छे किरदारों के रास्ते खोले हैं। अब 20, 30 या 40 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं के लिए भी ऐसे किरदार लिखे जा रहे हैं, जिनमें अभिनय करने की काफी गुंजाइश होती है। पहले यह सोचना भी मुश्किल था कि इस उम्र की महिलाओं को किसी कहानी में मुख्य भूमिका मिल सकती है लेकिन अब किरदारों में पहले के मुकाबले ज्यादा गहराई देखने को मिलती है।'' एक्ट्रेस ने कहा, ''ओटीटी ने इंसानी व्यवहार को ज्यादा वास्तविक तरीके से दिखाने का मौका दिया है। किसी मुश्किल परिस्थिति में हर इंसान की प्रतिक्रिया अलग हो सकती है। गुस्सा करना या गलती कर बैठना किसी व्यक्ति को पूरी तरह अच्छा या बुरा नहीं बना देता। हर इंसान के व्यक्तित्व में कई पहलू होते हैं और ओटीटी ने किरदारों में इन्हीं पहलुओं को जगह दी है और अच्छी लेखनी को बढ़ावा दिया है।'' ओटीटी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि दर्शक अपनी सुविधा के अनुसार, अपनी पसंद के समय पर और अपनी जरूरत के हिसाब से कुछ भी देख सकते हैं। वे चाहें तो अकेले देख सकते हैं या परिवार के साथ बैठकर इसका आनंद ले सकते हैं। जब दर्शकों को इस तरह की स्वतंत्रता मिलती है, तो मनोरंजन की दुनिया में भी बदलाव आता है।''



फिल्मों में काम दिलाने पर सैफ को लेकर बोलीं सारा अली खान



अभिनेत्री सारा अली खान अपनी फिल्म 'उड़ता तीर' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने पारिवारिक बैकग्राउंड को लेकर चल रही चर्चाओं पर बात की है। उन्होंने साफ किया कि उनके पिता और अभिनेता सैफ अली खान ने कभी भी उनके फिल्म कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत नहीं की। उन्होंने एक मशहूर फिल्मी परिवार से आने के दोहरे पहलुओं पर चर्चा की।

पिता ने नहीं की सिफारिश

फिल्मफेयर से बातचीत में सारा ने कहा, 'मैं अपनी सिंगल मदर के साथ रहती हूं। मेरे पिता कभी किसी ऑफिस में जाकर मेरे कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत नहीं करते थे और न ही उन्होंने कभी किसी से मुझे अपनी फिल्मों में लेने की गुजारिश की। जब मुझे 'केदारनाथ' के समय कोई परेशानी हुई, तो मैंने उसे खुद ही सुलझाया। उस वक्त मेरे साथ कोई नहीं था। यह एक दोधारी तलवार की तरह है, क्योंकि इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं रहा है।'

पारिवारिक पृष्ठभूमि का मिला फायदा

सारा ने माना कि अपने परिवार की वजह से उन्हें कुछ खास फायदे जरूर मिले हैं। उन्होंने कहा कि वह इतनी नासमझ या भ्रम में नहीं हैं कि उन मौकों को न देख सकें जो उनके पारिवारिक बैकग्राउंड की वजह से उन्हें शुरुआत में मिल गए थे। हालांकि, उनका यह भी मानना है कि लगातार होने वाली जांच-परख की वजह से उन पर उम्मीदों का बोझ डाल दिया जाता है।

नेपोटिज्म पर क्या बोलीं सारा

सारा ने इस बात पर जोर दिया कि 'नेपोटिज्म' (भाई-भतीजावाद) शब्द को पूरी तरह से नकारात्मक बना दिया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि यह उन स्टार किड्स जैसे कि खुद सारा, जाह्नवी कपूर और अनन्या पांडे की कड़ी मेहनत को कम करके आंकता है, जबकि अपने माता-पिता को चुनने में इन कलाकारों का कोई हाथ नहीं था।

इंडस्ट्री में टिके रहने पर बोलीं सारा

सारा ने यह तो माना कि उन्हें और उनके साथियों को ऐसे शानदार डेब्यू मिले, जिनके लिए कई नए कलाकार तरसते हैं, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर खुद को साबित करने का बोझ हमेशा उन्हीं के कंधों पर क्यों रहता है? हिंदी सिनेमा में अपने आठ साल के सफर के बाद, उनका कहना है कि अब उन्हें बार-बार यह साबित करने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए कि वह इंडस्ट्री में अपनी जगह की हकदार हैं। सारा ने कहा कि भले ही शुरुआत में मिलने वाले फायदे से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन लंबे समय तक टिके रहने के लिए अपनी जिम्मेदारी खुद लेना और स्वतंत्र होना बहुत जरूरी है।

सारा अली खान का वर्क फ्रंट

सारा हाल ही में निर्देशक आकाश ए. कौशिक की फिल्म 'उड़ता तीर' में नजर आई। फिल्म में आयुष्मान खुराना, राहुल बोस, राम कपूर, गुलशन ग्रोवर, रघुबीर यादव, बृजेंद्र काला, संदीप आनंद और अन्य कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस ठीक-ठाक प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म छह दिनों में बॉक्स ऑफिस पर 26.87 करोड़ रुपये कमाए हैं।





कंटेंट राइटिंग में बनाना है करियर तो इन संस्थानों से करें टॉप कोर्स

कंटेंट राइटिंग एक ऐसी स्किल है, जिसका उपयोग सदियों से हो रहा है। पुराने समय में जब किसी भी इंसान को अपनी बात कहीं और पहुंचनी होती थी तो वो लेटर के द्वारा पहुंचाई जाती थी और लेटर यानि खत में सारी बातों को शब्दों में लिख कर बताया जाता है, जिसे हम उस लेटर का कंटेंट कहते हैं। आज के दौर में जब इंटरनेट की पहुंच दूर-दूर तक है वैसे में कंटेंट राइटिंग एक बहुत ही महत्वपूर्ण विकल्प बना है। यह एक व्यापक क्षेत्र है, जिसमें ब्लॉग पोस्ट या लेख लिखने से लेकर वीडियो और पॉडकास्ट की स्क्रिप्टिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए कंटेंट तैयार करने तक सब कुछ शामिल है।

कंटेंट राइटर वेबसाइटों और मीडिया के अन्य रूपों के लिए कंटेंट लिखने का कार्य करते हैं। हालांकि यह एक साधारण काम लगता है, लेकिन इसके लिए बहुत से स्किल की जरूरत पड़ती है, जिसे किसी अच्छे कोर्स के माध्यम से ही विकसित किया जा सकता है।

कंटेंट राइटिंग का महत्व

कंटेंट राइटर सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो वेब ट्रैफिक और सेल को चलाने के लिए बहुत जरूरी है। यदि आप कंटेंट राइटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो ऐसे कई ऑनलाइन पाठ्यक्रम और प्रमाणपत्र हैं जो आप इस फील्ड में करके अपने स्किल को डेवलप कर सकते हैं। मार्केटिंग और कम्युनिकेशन के इस दौर में कंटेंट के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। सीधे शब्दों में कहें तो एक हाई क्वालिटी, अच्छा और रिसोर्सफुल कंटेंट किसी भी ब्रांड की छवि, विश्वसनीयता, विश्वास और बिजनेस को ग्रोथ दे सकता है।

ईसीटी (एजुकेशन एंड करियर टाइम्स)

दिल्ली में स्थित इस प्रशिक्षण संस्थान को केंद्र सरकार ने मान्यता मिली हुई है। ईसीटी के कंटेंट राइटिंग कोर्स में आप को अपने स्किल को विकसित करने के लिए असल प्रोजेक्ट से रूबरू कराया जाता है। जिसको पूरा करते हुए आप कंटेंट राइटिंग के तौर-तरीके सीख सकते हैं। ईसीटी का कंटेंट राइटिंग सर्टिफिकेट हर जगह मान्य है। यह डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग और कम्युनिकेशन स्किल के साथ-साथ पर्सनल डेवलपमेंट कोर्स भी कराता है। इस कोर्स में आप कंटेंट राइटिंग शुरू करना, अपनी शब्दावली बढ़ाना, सामान्य व्याकरण की गलतियों से बचना, राइटिंग टूल्स, टिप्स और टेक्नोलॉजी सीखना, रचनात्मक गैर-लेखन शैली विकसित करना, बिजनेस राइटिंग, टेक्निकल राइटिंग, एकेडमिक राइटिंग स्किल और अपनी राइटिंग को बेहतर करना सीखाया जाता है।

डिजिटल एकेडमी 360

इस एकेडमी का लक्ष्य कम फीस में छात्रों को हाई क्वालिटी, इंडस्ट्री बेस्ड कोर्स कराना है। डिजिटल एकेडमी 360 आपको अपने स्किल को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए बेस्ट कोर्स उपलब्ध कराता है। इस एकेडमी का प्रशिक्षण एक सख्त कोर्स का पालन करता है। इस कंटेंट राइटिंग कोर्स में छात्रों को कंटेंट के बारे में शुरू से लेकर अंत तक की पूरी जानकारी दी जाती है। यहां पर इंडस्ट्री के मानकों को ध्यान में रखकर कोर्स तैयार किया गया है, जिसके यह 100% प्लेसमेंट सहायता के साथ आज के समय में देश के टॉप कंटेंट राइटिंग एकेडमी में से एक है।

हेनरी हार्विन एजुकेशन

यहां के कंटेंट राइटिंग कोर्स में कुल आठ मॉड्यूल शामिल हैं। इन मॉड्यूल में लैंग्वेज स्किल, इंटरनेट स्किल, बिजनेस एंड मार्केटिंग राइटिंग, कंटेंट स्ट्रेटजी, टेक्निकल एंड रिसर्च राइटिंग, एकेडमिक राइटिंग और क्रिएटिव राइटिंग पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वहीं इसका आठवां मॉड्यूल आपको सिखाएगा कि आप अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट कैसे प्राप्त करें और ऑनलाइन पैसा कैसे कमाया जाए। इनका कंटेंट राइटिंग कोर्स 50 से ज्यादा राइटिंग टूल्स का इस्तेमाल करना सिखाएगा।

आईआईडीई (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डिजिटल एजुकेशन)

भारत में इस ऑनलाइन कंटेंट राइटिंग कोर्स का उद्देश्य आपको कंटेंट मार्केटिंग के अवधारणाओं को गहराई से समझने और साथ ही विभिन्न कंटेंट कांसेप्ट को समझने में मदद करना है। इनका उपयोग मार्केटिंग के लिए किया जा सकता है। यह कोर्स आपको कंटेंट बनाना, पब्लिश करना और प्रमोट करना भी सिखाता है। यह कंटेंट राइटिंग कोर्स आपको सिखाएगा कि कैसे अपनी बेस को मजबूत करें और अपने ब्रांड को परिभाषित करते हुए दर्शकों को लक्षित करें।

वी-स्किल

इस सर्टिफिकेट को इंडस्ट्री में स्किल और नॉलेज के प्रूफ के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। यह छात्रों या कर्मचारियों के उन स्किल को मापने या साबित करने में सहायता करता है जो कंपनियों द्वारा मांगी जाती हैं। इस कोर्स में आपको कंटेंट राइटिंग का परिचय, सामान्य रूप से कंटेंट राइटर, इंडस्ट्री में डिमांड की जाने वाले कंटेंट, राइटिंग टिप्स और इंडस्ट्री में जॉब दिलाने का भरोसा मिलता है।



अगर पढ़ाई पर नहीं कर पाते हैं फोकस तो इन टिप्स को करें फॉलो मिलेगी सफलता

कई छात्र ऐसे हैं, जो पढ़ना तो चाहते हैं, लेकिन उनका मन पढ़ाई में नहीं लगता है। अगर आप परीक्षा में अच्छे मार्क्स से उत्तीर्ण होना चाहते हैं तो मन लगा कर पढ़ना बहुत जरूरी है। आज के इस वतावरण में पढ़ाई से ध्यान हटने का एक साधारण सा कारण होता और वो है मन का विचलित होना। जो चीजें पढ़ाई से छात्रों का मन विचलित करती हैं, उनमें मुख्य रूप से सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट, दोस्त, परिवार, शोर-शराबा, अनलाइन गेम्स, आदि शामिल है। शायद आपके साथ भी ऐसे ही होता हो।

पढ़ाई के लिए सही जगह चुनें

- आपकी पढ़ाई आपके परिवेश और वातावरण पर निर्भर करता है। इसलिए सही जगह का चुनाव बहुत आवश्यक है। जगह का चुनाव करते समय इन बातों का ध्यान रखे।
- पढ़ाई के लिए शांत वातावरण हो।
- बैठने के लिए एक अच्छी कुर्सी और टेबल रखें।
- किताबों को अच्छे से रखने की सुविधा हो।
- पढ़ाई करते समय परिवार वालों से कहें की वह आपके कमरे में बार-बार ना आयें।

पढ़ाई को अपना रूटीन कार्य बनायें

- पढ़ाई के लिए एक योजना होना जरूरी है। एकाग्र हो कर पढ़ाई करने के लिए इस तरह का योजना बना सकते हैं।
- हर दिन पढ़ाई करने के लिए टाइम टेबल चार्ट बनायें और उसके अनुसार पढ़ाई करें।
- पढ़ाई को दैनिक कार्य से अलग ना समझें।
- पढ़ाई करने के लिए हमेशा उत्साहित रहें।
- 45 मिनट से ज्यादा लगातार पढ़ाई न करें।
- जिस समय पढने में आसानी होती है उसी के अनुसार अपना समय चार्ट बनायें।

ध्यान भटकाने वाली चीजों को दूर रखें

अगर आप लंबे समय तक पढ़ना चाहते हैं, तो सबसे पहले ध्यान हाटाने वाली चीजों से दूर रहें। क्योंकि इन चीजों की वजह से आप अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं और पढ़ाई में याद किए हुए पाठ्य भूल जाते हैं। इसलिए अगर पढ़ाई करना है तो इन इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों से दूर रहें।

अच्छे से पढ़े

अगर आपको अपने पाठ्यक्रम को समझना और याद करना है तो अपने सिलेबस को अच्छे से पढने की जरूरत होती है। जब आप पढ़ाई करें तो पहले लक्ष्य निर्धारित कर दें और लक्ष्य पूरा होने पर अपनी मेहनत के लिए स्वयं को शाबाशी दें। हमेशा सकारात्मक विचारों के साथ जुड़े रहें और खाली समय में अच्छी प्रेरणादायक किताबें पढ़ें। भले ही काम-काम कर के पढ़ें पर समझ कर पढ़ें।

अपने शरीर को समझें

सभी छात्रों का पढ़ाई का अलग तरीका और समय होता है। कुछ लोग सुबह के समय अच्छा पढ़ते हैं या अपने कार्य में अच्छे होते हैं तो कुछ लोग रात के समय अच्छा पढने में मन लगाते हैं। आप को अपने शारीर को समझना होगा की आपका दिमाग कब ज्यादा पढने का मन कर रहा है रात को या दिन के समय। सही समय में ही सही कार्य करने को ही सफलता कहते हैं।

पर्याप्त और अच्छी नींद लें

मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। जब कोई व्यक्ति अच्छे से सोता है तो उसके हॉर्मोन सही तरीके से रेगुलेट होते हैं जो दिमाग को मजबूत बनाते हैं और शरीर को आराम भी देते हैं। इससे छात्रों को पढ़ाई किए हुए पाठ को याद करने में मदद मिलती है। थके हुए शरीर से कभी भी पढ़ाई पर ध्यान या मन लगाना बहुत मुश्किल होता है और कभी-कभी नामुमकिन भी है। इसलिए जरूरत के हिसाब से प्रतिदिन 7-8 घंटा रात को जरूर सोना चाहिए।

हेल्दी खाना खाएं

स्वस्थ रहने और पढ़ाई के लिए अच्छा खाना भी जरूरी है। अच्छा फल, सब्जियों, और अनाज खाने से दिमाग की शक्ति बढती है। पौष्टिक और संतुलित आहार से पढ़ाई में मन भी लगता है। ज्यादा वसा युक्त, मीठा, कार्बोहायड्रेट युक्त खाना न खाएं क्योंकि इससे आपके शरीर को हानी पहुंचाता है।

अनुशासित रहें

लंबे समय तक पढ़ाई के मूलमंत्रों में अनुशासन भी शामिल है। अगर पढ़ाई में ध्यान लगाना है तो अनुशासन बनाये रखना बहुत आवश्यक है। आपका मन भले ही एक तरफ से दूसरी और जाने लगे परन्तु अनुशासन ही वो चीज है जो आपका ध्यान से पढ़ने में मदद करता है। इसलिए जब कभी भी आपका ध्यान भटकने लगे तो उसे रोकें और अपने टाइम टेबल पर फोकस करें। इसके लिए आप अपने पढ़ाई वाली जगह पर एक कागज पर लिख कर चिपका दें ल्मैं पढ़ाई के समय मात्र पढ़ाई में ध्यान दूंगा और कुछ भी नहीं करूंगाङ्क। पढ़ाई को मजा समझ कर पढ़ें ना की बोझ के जैसे।

आपको कब आराम करना है

अगर आप बिना रूके कोई काम करते हैं तो वह आपको बोझ लगने लगेगा। इसलिए पढ़ाई के बीच-बीच में ब्रेक होना बहुत जरूरी है। सोचिये की ब्रेक एक अच्छा चीज है और उस समय कुछ सकारात्मक कार्य करें जिससे की पढ़ाई के दौरान याद किया हुआ चीज आप ना भूलें। आप प्रति 45-60 मिनट में 5-10 मिनट का ब्रेक जरूर लें, इससे दिमाग ताजा रहता है।

अपनी प्रगति की समीक्षा करें

अपने पढ़ाई के तरीकों में सुधार के साथ अपनी प्रगति को भी देखें। इससे आपको जरूर प्रेरणा मिलेगा और आप सही रूप से पढ़ाई करने में सफल हो पाएंगे। इसके लिए आप खुद से सवाल पूछें कि क्या आपने अपने लक्ष्य को हासिल किया, अगर नहीं तो क्यों।



कोरोना के बाद मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बढ़ रहे हैं ये नए ट्रेंड

कोरोना महामारी ने कई बिजनेस को अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट कर दिया है और लोगों को वर्क फ्रॉम होम करने का निर्देश दिया गया है। इस महामारी ने डिजिटल क्रांति के अलावा प्रौद्योगिकी एकीकरण में भी अपना असर दिखाया है और कई उद्योगों को एक साथ ला दिया है। जिसके कारण युवाओं के लिए जॉब अवसर में भारी गिरावट आई है। कोरोना के कारण प्रभावित होने वाले प्रमुख क्षेत्रों में से एक है मैकेनिकल इंजीनियरिंग का क्षेत्र, जहां पर जॉब की कमी होने के साथ ही नए ट्रेंड भी विकसित हुए हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग को इंजीनियरिंग के सबसे पुराने और व्यापक क्षेत्रों में से एक माना जाता है। इसमें मशीनों के डिजाइन निर्माण और उसके उपयोग के बारे में जानकारी दी जाती है। इस फील्ड में कोर्स के दौरान स्टूडेंट को ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक मोटर्स, एयरक्राफ्ट अन्य भारी वाहनों के डिजाइन के बारे में सिखाया जाता है। मैकेनिकल इंजीनियर नई बैटरी के एथलेटिक्स के सामान से लेकर चिकित्सा उपकरणों और कंप्यूटर, एयर कंडीशनर, ऑटोमोबाइल इंजन से लेकर बिजली संयंत्रों तक सब कुछ डिजाइन करते हैं। ये इंजीनियर उन हर मशीनों को डिजाइन करते हैं, जो नई या पुरानी हैं। इसलिए, यह युवाओं का पसंदीदा फील्ड है।

सीएडी/सीएएम (कंप्यूटर एडेड डिजाइन और कंप्यूटर एडेड मैन्युफैक्चरिंग)

सीएडी/सीएएम ऐसे सॉफ्टवेयर हैं जो ज्यामितीय डाटा को एन्कोड करने के लिए कंप्यूटर-आधारित विधियों का उपयोग करते हैं। इसमें स्वचालित मशीनरी के डिजाइन और निर्माण की प्रक्रियाएं अत्यधिक एकीकृत होती हैं। जबकि सीएडी का उपयोग मुख्य रूप से डिजाइन बनाने के लिए किया जाता है। सीएएम भागों के निर्माण में मशीन टूल्स का नियंत्रण है। यह पूर्व डिजाइनरों की मदद करने के साथ विनिर्माण लागत को कम करता है। दोनों सॉफ्टवेयर के लिए एक शक्तिशाली कंप्यूटर की आवश्यकता होती है।

हीट एक्सचेंजर का डिजाइन

हीट एक्सचेंजर्स ऐसे सिस्टम होते हैं जो दो या दो से अधिक तरल पदार्थों के बीच गर्मी को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने का काम करते हैं। यह एक ऐसी प्रणाली है जो वास्तव में द्रव को सीधे स्थानांतरित किए बिना एक आसान तरीके से गर्मी हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करती है। वे थर्मल प्रबंधन कार्यों के लिए ईंधन सेल सिस्टम के अत्यधिक महत्वपूर्ण भाग हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग क्षेत्र ने हाल ही में एनर्जी एफिसिएंट, इफेक्टिव और लास्टिंग हीट एक्सचेंज को डिजाइन करने में काफी संभावनाएं देखी हैं।

स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री 40 और आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स)

स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग को आसानी से एक निर्माण प्रणाली कहा जा सकता है। जिसमें आपूर्ति श्रृंखला के सभी सिरों को पूरी तरह से एकीकृत करने और किसी भी मुद्दे को हल करने के लिए गति, संरचना की जवाबदेही हो सकती है। यह ग्राहकों की लगातार बढ़ती मांगों और आपूर्ति नेटवर्क की बदलती परिस्थितियों में समन्वय बनाना सुनिश्चित करता है। इसे उद्योग 40 कहा जाता है, क्योंकि यह चौथी औद्योगिक क्रांति है जिसमें स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग पर फोकस किया जा रहा है। इस स्मार्ट इंडस्ट्री ने आईओटी के साथ उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार के साथ मुनाफे में भी मदद की है। यह यूआईडीएस का उपयोग करके नेटवर्क पर डेटा स्थानांतरित करने में मदद करने के लिए उपकरणों, यांत्रिक मशीनों, मैन पॉवर, वस्तुओं आदि को एक साथ जोड़ने वाली एक प्रणाली है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग

एआई ऐसी टेक्नोलॉजी है, जिसमें एक मशीन मानव व्यवहार का अनुकरण करने की कोशिश करता है। यह टेक्नोलॉजी आने वाले समय में इंडस्ट्री निश्चित रूप से भविष्य है। क्योंकि अब एआई का उपयोग रोबोटिक्स, वीआर, आईओटी आदि जैसे अधिकांश आने वाले तकनीकी क्षेत्रों में किया जा रहा है। मशीन लर्निंग एआई के उन एप्लीकेशन में से एक है, जो सिस्टम को पहले से स्पष्ट रूप से प्रोग्राम किए बिना मशीन के बारे में ऑटोमैटिक नॉलेज देता है।

मैकेनिकल इंजीनियर का भविष्य उज्जवल

आज के समय में मैकेनिकल इंजीनियरों की सबसे ज्यादा डिमांड हाइब्रिड और ऑटो नोमोस टेक्नोलॉजी, डेटा साइंस, एम्बेडेड सिस्टम, स्मार्ट सिटी और सिटी एनॉलिसिस्ट आदि के साथ ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में हैं। कुछ बदलाव व दबाव के बाद भी मैकेनिकल इंजीनियरिंग का भविष्य उज्ज्वल दिखता है, क्योंकि कई उद्योगों को अब एनॉलिसिस्ट स्किल के साथ टेक्नोलॉजी की गहरी समझ वाले युवाओं की सख्त जरूरत है।



बच्चों की करना चाहते हैं केयर, तो पीडियाट्रिशन में बना सकते हैं करियर

छोटे बच्चे अधिक नाजुक होते हैं, इसलिए वे बड़ों की अपेक्षा अधिक बीमार पड़ते हैं। इसलिए उन्हें स्पेशल केयर, देखरेख और चिकित्सक की आवश्यकता पड़ती है। इन बच्चों का इलाज और देखभाल करने वाले डॉक्टर को पीडियाट्रिशन या बाल रोग चिकित्सक कहते हैं। यह मेडिकल साइंस की एक विशेष शाखा है, जो खासतौर से बच्चों के विभिन्न रोगों के निदान और उपचार पर ध्यान केंद्रित करता है।

पीडियाट्रिशन का काम

आमतौर पर माना जाता है कि पीडियाट्रिशन का कार्य सिर्फ बच्चे के बीमार होने पर दवाई देने तक सीमित है, लेकिन उनका काम सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। बाल रोग विशेषज्ञ बच्चों के योग्य चिकित्सक हैं, जो बच्चों की बीमारी का इलाज करने के साथ-साथ उनकी देखभाल पर भी पूरा ध्यान केंद्रित करते हैं। वे बच्चों के माता-पिता को सलाह देते हैं कि अपने बच्चों की देखभाल कैसे करें, उनके टीकाकरण का प्रबंधन करें और उन बीमारी का इलाज किस तरह कराएं, जो मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करता है। बाल रोग विशेषज्ञ बच्चों के व्यवहार, विकास और शारीरिक कार्यों में विकारों की शुरुआती पहचान करने के अलावा उनके रोकथाम और प्रबंधन के लिए भी काम करते हैं।

इन फील्ड से बना है पीडियाट्रिशन

पीडियाट्रिशन दो मुख्य क्षेत्रों से बना है। एक सामान्य बाल रोग विशेषज्ञ आमतौर पर शिशुओं और बच्चों के लिए सामान्य बीमारियों और अन्य बीमारियों का इलाज करते हैं, जबकि इसके विशेषज्ञ बच्चों की बीमारी से संबंधित किसी क्षेत्र में विशेषज्ञ होते हैं। वे एंडोक्रिनोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, इम्यूनोलॉजी और संक्रामक रोगों, ऑन्कोलॉजी, क्लीनिक फार्माकोलॉजी, आदि में से किसी भी क्षेत्र में सुपर स्पेशलिस्ट हो सकते हैं।

करियर के लिए जरूरी पर्सनल स्किल

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए सिर्फ एजुकेशन ही जरूरी नहीं है। आपके अंदर कई पर्सनल स्किल का होना भी जरूरी है। इस फील्ड में सक्सेस के लिए आप में धैर्य होने के साथ अच्छा कम्युनिकेशन स्किल का होना भी बहुत जरूरी है। इसके अलावा, बच्चों की भावनाओं को पहचाने के लिए उनमें आर्ब्जवर स्किल्स भी होना चाहिए, क्योंकि वह अपने ऑर्ब्जवेशन के आधार पर ही डायग्नोस और उपचार करते हैं। उन्हें लंबे समय तक काम करने में सक्षम होना चाहिए और आपात स्थितियों के मामले में समय पर निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए।

करियर स्कोप

यह फील्ड शानदार करियर स्कोप प्रदान करता है। यहां पर जॉब की कमी नहीं है। कोर्स पूरा करने के बाद बतौर पीडियाट्रिशन आप निजी और सरकारी अस्पतालों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं या फिर चिकित्सा केंद्र में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल कॉलेजों या प्रशिक्षण संस्थानों में शिक्षण का विकल्प चुन सकते हैं। वहीं रिसर्च करने के बाद आप बच्चों से जुड़े रोगों के कारणों व निदान पर रिसर्च कर अपना शानदार करियर बना सकते हैं।

सैलरी

एक पीडियाट्रिशन की सैलरी उसके अनुभव, स्थान व स्किल पर निर्भर करता है। कोर्स पूरा करने के बाद अगर आप सरकारी क्षेत्र में जाते हैं तो उस राज्य के पे-स्केल के अनुसार आप 50 से 60 हजार रुपये प्रतिमाह सैलरी पा सकते हैं। वहीं अगर आप किसी निजी अस्पताल में जॉब करते हैं तो अपनी योग्यता के अनुसार लाखों रुपये प्रतिमाह की सैलरी ले सकते हैं। वहीं कुछ सालों के अनुभव के बाद आप प्रतिमाह 5 से 10 लाख रुपये कमा सकते हैं।

जरूरी एजुकेशन

आप अगर इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको विज्ञान विषय के साथ 12वीं पास करना होगा। जिसके बाद आपको किसी मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश पाने के लिए प्रवेश परीक्षा देनी होगी। किसी भी मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेज या विश्वविद्यालयों से एमबीबीएस की डिग्री पूरी करने के बाद, आप बाल चिकित्सा में एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) की डिग्री भी ले सकते हैं। इसके बाद आप एक पीडियाट्रिशन के तौर पर अपना करियर शुरू कर सकते हैं। अगर आप चाहें तो इसके आगे भी अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं और इस फील्ड में रिसर्च के अलावा एंडोक्रिनोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, इम्यूनोलॉजी और संक्रामक रोग, ऑन्कोलॉजी आदि में विशेषज्ञता कर सकते हैं।